www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार...

राष्ट्रीय संस्करण

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

नई दिल्ली, सोमवार, 11 सितम्बर, 2023 | वर्ष-16 | अंक -156 | पृष्ठ - 10 | मूल्य - 3.00 रुपए

मध्य प्रदेश में में चल रहा घोटाला जी-18 : कमलनाथ 02

■ भारत मंडपम पर नहीं हुआ जलभराव : सक्सेना
■ इस सप्ताह दिल्लीवासी लेंगे साफ हवा में सांस 03

■ जी-20 सम्मेलन में फर्राटेदार हिन्दी में बोली अमेरिकी...
■ बलूचिस्तान में छह फुटबॉल खिलाड़ियों का अपहरण 07

नोरा फतेही ने प्रधानमंत्री मोदी का जताया आभार... 10

सार संक्षेप

भाजपा का उद्देश्य केवल अमीरों को बढ़ावा देना : प्रियंका

जयपुर। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि भाजपा की नीतियों का उद्देश्य केवल अमीरों को बढ़ावा देना है। उनका देश के गरीबों या मध्यम वर्ग के लोगों से कोई लेना-देना नहीं है। प्रियंका गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने काफिले पर करोड़ों रुपए खर्च करते हैं जबकि वह खुद को धरती पुत्र कहते हैं। प्रियंका राजस्थान के टोंक में एक रैली को संबोधित कर रही थी।

चंद्रबाबू नायडू को 22 तक न्यायिक हिरासत में भेजा

विजयवाड़ा। आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा की एक अदालत ने रविवार को कौशल विकास निगम घोटाला मामले में टीडीपी सुप्रीमो और आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू को 22 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। लंबी बहस और दिन भर के तनाव के बाद एसीबी कोर्ट ने फैसला सुनाया।

आदित्य-एल1 ने तीसरी कक्षा में किया प्रवेश

चेन्नई। सूर्य अध्ययन के लिए भेजे गये भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पहले सौर खोजी मिशन आदित्य-एल1 ने सफलतापूर्वक तीसरी कक्षा में प्रवेश कर लिया है। इसरो ने आज यहां बताया कि रविवार तड़के 0230 बजे इसरो टेलीमेट्री, ट्रैकिंग और कमांड नेटवर्क (आईएसटीआरएसी) ने आदित्य एल 1 सफलतापूर्वक अगली कक्ष में पहुंचाया। अभियान के दौरान मॉरीशस, बेंगलुरु, एसडीएससी-शार और पोर्ट ब्लेयर में इसरो के ग्राउंड स्टेशनों ने उपग्रह पर नजर बनाये रखी गई।

जम्मू-कश्मीर में स्टांप पेपर घोटाले का खुलासा

जम्मू। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने रविवार को कहा कि उसने स्टांप पेपर के उपयोग में एक बड़े घोटाले का खुलासा किया है, जिसमें दो वकील और तीन स्टांप विक्रेता शामिल हैं। जम्मू में अपराध शाखा की आर्थिक अपराध शाखा ने जम्मू जिले के आर.एस. पुरा, ग्रेटर कैलाश और बिधना क्षेत्र में पांच स्थानों पर तलाशी ली।

त्रिपुरा उपचुनाव के नतीजों में बड़े पैमाने पर धांधली : माकपा

अगरतला। त्रिपुरा में दो विधानसभा सीटों के उपचुनाव में सत्तारूढ भाजपा ने भारी मतों के अंतर से जीतने के एक दिन बाद मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के पोलित ब्यूरो एवं पूर्व मुख्यमंत्री माणिक सरकार ने कहा है कि सिपाहीजला जिले के बॉक्सानगर और धनपुर नतीजों से चुनाव में बड़े पैमाने पर धांधली का संकेत मिले है।

जी-20 शिखर सम्मेलन

'शांति संदेश' के साथ जी-20 सम्मेलन का समापन

प्रधानमंत्री मोदी ने नवम्बर में एक वर्चुवल सत्र आयोजित करने का भी दिया सुझाव

■ विंध्यवासिनी त्रिपाठी

नई दिल्ली, 10 सितम्बर (देशबन्धु)। देश की राजधानी दिल्ली में दो दिनों के तक दुनिया के शीर्ष देशों के समागम सम्मेलन के बाद जी-20 समूह की बैठक खत्म हो गई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक श्लोक के माध्यम से पूरी दुनिया में शांति एवं सौहार्द की प्रार्थना करते हुए इसके समापन की घोषणा की और दिसम्बर से इसकी मेजबानी की जिम्मेदारी ब्राजील को सौंप दी। इसके साथ उन्होंने सदस्य देशों के सामने नवम्बर माह में एक वर्चुवल सत्र आयोजित करने का भी सुझाव दिया। अपने समापन भाषण में प्रधानमंत्री ने कहा कि दो दिनों तक चली बैठक में सदस्य देशों के समाम सुझाव और प्रस्ताव आए। ऐसे में जबकि भारत के पास अभी नवम्बर 2023 तक जी-20 की अध्यक्षता है,तो वे चाहते हैं कि जो सुझाव आए हैं,उनकी एक बार फिर से समीक्षा की जाए।

■ मोदी ने ब्राजील को सौंपी जी-20 की कमान
■ अगले साल जुलाई-अगस्त में होगा आयोजन

उन्होंने प्रस्ताव दिया कि नवम्बर के आखिर में जी-20 समूह का एक वर्चुवल सत्र आयोजित किया जाए। इससे पहले उन्होंने ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा को जी-20 की अध्यक्षता सौंपते हुए पारम्परिक गैवल(एक प्रकार का हथौड़ा) सौंपा और शुभकामनाएं दी। ब्राजील 1 दिसम्बर 2023 से औपचारिक रूप से इस समूह का अध्यक्ष बन जाएगा और अगले साल जुलाई-अगस्त में अपने देश में जी-20 सम्मेलन का आयोजन करेगा।

डिसिल्वा ने भारत का जताया आभार

इस मौके पर जी-20 का कुशलतापूर्वक भव्य आयोजन करने और शिखर सम्मेलन में उत्कृष्ट कार्य के लिए डिसिल्वा ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र को बधाई दी। साथ ही उभरती अर्थव्यवस्था के हितों से जुड़े मुद्दों को आवाज देने के लिए भारत के प्रयासों के प्रति आभार भी जताया। उन्होंने कहाकि वे एक ऐसी दुनिया में रह रहे हैं,जहां धन अधिक केंद्रित है,जहां लाखो लोग अभी भूखे सोते हैं,जहां सतत विकास को हमेशा खतरा रहता है,जिसमें सरकारी संस्थान अभी वास्विकता को प्रतिबिंबित करते हैं। इन सभी समस्याओं का सामना तभी कर सकते हैं,जब तमाम असमानताओं को खत्म करेंगे।

जी- 20 नेताओं ने दी महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि

जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने आये विश्व नेताओं ने आज राजघाट जाकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की समाधि पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अमेरिका के राष्ट्रपति जोसेफ आर बिडेन, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज़, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो , चीन के प्रधानमंत्री ली चियांग, इटली की प्रधानमंत्री जिओर्जियो मेलोनी, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो, जर्मनी के चांसलर ओलोफ शोल्ज, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों, रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव तथा अन्य राष्ट्राध्यक्ष/शासनाध्यक्ष और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुख राजघाट पहुंचे। राजघाट पहुंचने पर सभी मेहमान नेताओं का अंगवस्त्र पहना कर स्वागत किया गया।

भरत मंडपम में जलभराव पर बोली कांग्रेस

बारिश में तैरता दिखाई दिया विकास

नई दिल्ली। भारी बारिश के बाद भारत के जी20 शिखर सम्मेलन के आयोजन स्थल भारत मंडपम में पानी भर जाने की तस्वीरें वायरल हो गईं, इसके बाद कांग्रेस को केंद्र सरकार पर निशाना साधने का मौका मिल गया। उन्होंने कहा, एक बारिश ने खोखले विकास के दावे को उजागर कर दिया है। लेकिन सरकार की ओर से इसका खंडन किया गया। कांग्रेस ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल से जलमग्न भारत मंडपम का वीडियो संलग्न करते हुए कहा, खोखला विकास मॉडल उजागर हो गया। भारत मंडपम जी20 के लिए तैयार किया गया था और 2,700 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे। एक ही बारिश ने दावों की पोल खोल दी। कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने भी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, भारत मंडपम थोड़ी सी बारिश में तैरता नजर आया। मोदी सरकार ने गरीबों को पर्दे से ढक दिया है, लेकिन कोई भी दिखावा उसके कुकर्मों को नहीं ढक सकता।' सुरजेवाला ने कहा, वैसे भी, मोदी सरकार में आयोजनों और उद्घाटनों के बाद कुछ नहीं टिकता।

दिल्ली में तेज बारिश से जगह-जगह जलभराव

लोगों को उठानी पड़ी परेशानी

नई दिल्ली, 10 सितम्बर (देशबन्धु)। दिल्ली में शनिवार रात हुई वर्षा के बाद कुछ क्षेत्रों में जलभराव के कारण लोगों को काफी परेशानियां उठानी पड़ी। उत्तरी बाहरी दिल्ली के कई क्षेत्र में इसी तरह की परेशानियों से रविवार की सुबह लोगों का सामना हुआ। हालांकि, जी-20 और रविवार की वजह से ज्यादातर कार्यालय बंद होने से सड़कों पर वाहन कम दिखे, लेकिन स्थानीय लोगों को इससे अधिक परेशानी उठानी पड़ी। निचले इलाकों और खराब जल निकासी व्यवस्था के चलते लोगों का असुविधा का सामना करना पड़ा। दूसरी ओर दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में जलभराव के कारण खेतों सहित गलियों व मुख्य मार्ग पर पानी भर गया। इससे लोग जरूरी कामों को लेकर भी घर से बाहर नहीं निकल सके। इसमें मुख्य रूप से किराड़ी, बेगम विहार, राजीव नगर, राजीव नगर एक्सटेंशन, रानी खेड़ा, कंझावला, लाडपुर, मुंडका और घेवरा जैसे क्षेत्र शामिल रहे। किराड़ी के 70 फुटा रोड की हालत से जगजाहिर है और यहां जलभराव की लोगों को आदत हो चुकी है। रविवार को भी यहां 2 से तीन फुट पानी भरा रहा।

मुंडका रोहतक रोड लगा लंबा जाम

इस दौरान मुंडका रोहतक रोड, मेट्रो स्टेशन से मुंडका मोड़ तक काफी लंबा जाम लग गया। जलभराव की वजह से लोग जाम में फंस गए। वाहन तीन घंटों तक जाम में फंसे रहे। मुंडका में रोहतक रोड पर अक्सर जाम की समस्या रहती है। यहां के रास्ते और फुटपाथ की जर्जर हालत भी इसकी मुख्य वजह है। इसके बावजूद ट्रैफिक पुलिस की तैनाती यहां न के बराबर रहती है।

भाजपा, आरएसएस का हिंदुत्व से कोई लेना-देना नहीं : राहुल

कांग्रेस नेता ने कहा, सत्ता पाने के लिए कुछ भी कर सकते हैं भाजपा-आरएसएस

■ पेरिस में छात्रों और संकाय सदस्यों के साथ की बात

पेरिस, 10 सितम्बर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि भाजपा और आरएसएस का हिंदूत्व से कोई लेना-देना नहीं है और वे सत्ता पाने के लिए कुछ भी करेंगे। फ्रांस के पेरिस में साइंसेज पीओ यूनिवर्सिटी में छात्रों और संकाय सदस्यों के साथ बातचीत के दौरान एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, मैंने गीता पढ़ी है। मैंने कई उपनिषद पढ़े हैं और कई हिंदू किताबें पढ़ी हैं। भाजपा जो करती है उसमें हिंदू जैसा कुछ भी नहीं है। बिल्कुल कुछ भी नहीं।

केरल के वायनाड संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले गांधी ने कहा, मैंने कहीं भी किसी हिंदू किताब में नहीं पढ़ा है, किसी विद्वान हिंदू व्यक्ति से नहीं सुना है कि आपको उन लोगों को आतंकित करना चाहिए या उन्हें नुकसान पहुंचाना चाहिए जो आपसे कमजोर हैं। भाजपा और आरएसएस का हिंदू धर्म से कोई लेना-देना नहीं है। वे किसी भी कीमत पर सत्ता हासिल करना चाहते हैं और सत्ता पाने के लिए वे कुछ भी करेंगे। सरकार पर कटाक्ष करते हुए गांधी ने कहा, भाजपा और आरएसएस जो करने की कोशिश कर रहे हैं, मुझे लगता है कि उसका मुकाबला करने की जरूरत है।

इसके लिए राजनीतिक कल्पनाशक्ति की आवश्यकता है। ऐसा किया जाना बहुत ज़रूरी है। भाजपा और आरएसएस निचली जातियों, अन्य पिछड़ा वर्ग, आदिवासियों और अल्पसंख्यक समुदायों की अभिव्यक्ति और भागीदारी को रोकने की कोशिश कर रहे हैं। मेरे लिए, जहां किसी दलित या मुस्लिम या किसी के साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है या उस पर हमला किया जा रहा है, यह वह भारत नहीं है जो मैं चाहता हूं। मुझे नहीं लगता कि जिस प्रकार की राजनीतिक कल्पना की आवश्यकता है, वह वर्तमान में मौजूद है। हमें उस राजनीतिक कल्पना को फिर से बनाने की जरूरत है जो समस्या का समाधान करेगी।

नीदरलैंड पहुंचे राहुल गांधी

एम्सटर्डम। यूरोप के छह दिवसीय दौरे पर निकले कांग्रेस नेता राहुल गांधी रविवार को नीदरलैंड पहुंच गए हैं। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के सचिव वीरेंद्र वशिष्ठ ने कहा, केरल के वायनाड से सांसद राहुल गांधी का विज्नहेवन में लीडेन विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम में शिरकत करने की योजना है। सोमवार को राहुल गांधी नॉर्वे में होंगे। जहां वह ओस्लो यूनिवर्सिटी में एक कार्यक्रम आयोजित करेंगे।

बारिश फिर बनी भारत पाक मैच में बाधा

अब रिजर्व-डे पर आज होगा मुकाबला

कोलंबो, 10 सितम्बर (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान का मैच बारिश के चलते अब रिजर्व डे में चला गया है। भारतीय पारी अब 11 सितंबर (सोमवार) को फिर से आगे बढ़ेगी।

फिलहाल, भारत का स्कोर 24.1 ओवर में 147/2 है। ग्रुप स्टेज के बाद एक बार फिर भारत-पाकिस्तान मुकाबले का मजा बारिश ने खराब कर दिया। हालांकि, इस बार रिजर्व डे होने के कारण मैच का नतीजा अब भी आना बाकी है। मैच रिर्डव डे पर जाने से पहले भारत ने 24.1 ओवर बल्लेबाजी की। अब (11 सितंबर) इसी प्वाइंट से भारत की बल्लेबाजी शुरू होगा। बारिश आने से पहले 24.1 ओवर्स में दो विकेट के नुकसान पर टीम इंडिया 147 रन बना चुकी है। विराट कोहली (8 रन) और केएल राहुल (17) रन पर नाबाद हैं। इससे पहले, शुभमन गिल (58 रन) और कप्तान रोहित शर्मा (56 रन) बनाकर आउट हुए। पाकिस्तान की ओर से शाहीन शाह अफरीदी और शादाब खान को 1-1 विकेट मिला।

मप्र में भाजपा को लगा बड़ा झटका

भाजपा के एक और पूर्व विधायक ने थामा कांग्रेस का हाथ

■ नर्मदापुरम जिले से दो बार विधायक रहे हैं गिरिजा शंकर शर्मा

भोपाल, 10 सितम्बर (देशबन्धु)। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले दल-बदल का खेल जारी है। राज्य में भाजपा को बड़ा झटका लगा है। नर्मदापुरम के पूर्व विधायक गिरिजा शंकर शर्मा व टीकमगढ़ जिले के भाजपा नेताओं ने अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस का दामन थाम लिया। कांग्रेस के प्रदेश कार्यालय में रविवार को आयोजित समारोह में नर्मदापुरम जिले से दो बार विधायक रहे शर्मा ने अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर ली। पिछले दिनों शर्मा ने भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। इस मौके पर शर्मा ने कहा, प्रदेश पिछड़ रहा है। जो दुर्व्यवस्था का आलम है, इस पर रोक लगाना जरुरी है। मगर भाजपा ने लोकतंत्र को ही छोड़ दिया है। शर्मा के भाई सीताशरण शर्मा भाजपा में है और विधानसभा अध्यक्ष रहे हैं।

हम देश का नाम नहीं, 'प्रधान' बदलेंगे : उद्धव ठाकरे

विपक्षी दलों की सफलता से हिली मोदी सरकार

जलगांव, 10 सितम्बर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए, शिव सेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने कहा कि केंद्र में सत्तारूढ़ गठबंधन पिछले पखवाड़े मुंबई में राष्ट्रीय विपक्षी दलों के सम्मेलन की सफलता से 'हिल गया' है। ठाकरे ने यहां जनसभा को संबोधित करते हुए तालियों की गड़गड़ाहट के बीच कहा, वे 'इंडिया' गठबंधन से इतने परेशान हैं कि उन्होंने देश का नाम बदलकर भारत कर दिया है हम इस तरह के नाम-परिवर्तन के खेल में शामिल नहीं होंगे' हम अगले चुनावों में सत्तारूढ़ पार्टी और देश के प्रधानमंत्री को बदल देंगे'।

शिक्षा | बदलाव के बारे में समझाने के लिए बोर्ड ने सैम्पल जारी किए

सीबीएसई बोर्ड परीक्षा पैटर्न में होंगे बदलाव

नई दिल्ली, 10 सितम्बर (एजेंसियां)। सीबीएसई की बोर्ड परीक्षा पैटर्न में कई महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिल सकते हैं। सीबीएसई ने यह बदलाव अगले वर्ष 2024 में होने वाली बोर्ड परीक्षाओं में करने का फैसला किया है। छात्रों को बदलाव के बारे में समझाने के लिए बकायदा नए सैम्पल पेपर भी रिलीज कर दिए गए हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक, जो छात्र अगले वर्ष बोर्ड परीक्षा में शामिल होने जा रहे हैं, वे छात्र जारी किए गए इन सैम्पल पेपर्स की मदद से इन बदलावों को जान सकते हैं।

सीबीएसई के यह सैंपल पेपर छात्रों को अभी से जानकारी देंगे कि आने वाली परीक्षा में किस प्रकार के सवाल पूछे जाएंगे। प्रश्नों के अलावा छात्रों को यह भी पता लग सकेगा की परीक्षा में किस प्रकार की मार्किंग रहेगी। सीबीएसई ने अपने यह नए सैंपल पेपर आधिकारिक वेबसाइट पर जारी किए हैं। बोर्ड परीक्षा में सबसे बड़ा बदलाव यह है कि अब 50 प्रतिशत सवाल कंपीटेंसी बेस्ड होंगे। वर्ष 20 24 में बोर्ड परीक्षा देने वाले छात्र सीबीएसई की आधिकारिक वेबसाइट से इन सैंपल पेपर का पीडीएफ डाउनलोड कर सकते हैं। वर्ष 20 24 से लागू होने वाले सीबीएसई परीक्षा में एनालिटिकल, कॉन्सेप्ट बेस्ड सवाल ज्यादा आएंगे।

■ सैंपल पेपर को आधिकारिक वेबसाइट पर जारी किया

कम से कम दो भाषाएं पढ़नी होगी

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक, कक्षा 11 और 12 के छात्रों को कम से कम दो भाषाएं पढ़नी होंगी। मंत्रालय का कहना है कि 11वीं और 12वीं कक्षा में पढ़ाई जाने वाली इन भाषाओं में से एक भारतीय भाषा होनी चाहिए।

इसके अलावा एमसीक्यू, शॉर्ट आंसर्स सभी में सवालों की वेरायटी यही रहेगी। तकरीबन 50 प्रतिशत सवाल एमसीक्यू, और एक से दो मार्क्स के रूप में बदल दिए गए हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक, अब बोर्ड परीक्षाओं का उद्देश्य छात्रों में विषयों की समझ का मूल्यांकन करना होगा। इन बदलावों के अंतर्गत11वीं और 12वीं कक्षा में पढ़ाई के दौरान विषयों का चयन सीमित नहीं रहेगा। आने वाले दिनों में छात्रों को 11वीं और 12वीं कक्षा में अपनी पसंद के विषय चुनने की सुविधा मिलेगी।

देश

उवाच

"केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने पिछले नौ वर्षों में 100 लाख करोड़ रुपए का ऋण लिया है, जो आजादी के बाद से पिछली सभी सरकारों द्वारा लिए गए कुल ऋण राशि का लगभग दोगुना है।

–नाना पटोले,एमपीसीसी के अध्यक्ष

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	28.0	24.0
मुंबई	29.0	27.0
कोलकाता	31.0	28.0
चेन्नई	33.0	29.0

जी-20 ने एकता का संदेश दिया : मैक्रों

नई दिल्ली,10 सितम्बर (देशबन्धु)। जी–20 के दो दिवसीय शिखर सम्मेलन में शिरकत करने पहुंचे फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने प्रधानमंत्री

- **अफ्रीकी देशों के ऋण पुनर्गठन के लिए उभरते देशों से की अधिक प्रतिबद्धताओं की की उम्मीद**
- **जी-20 शिखर सम्मेलन में शिरकत करने पहुंचे मैक्रो ने मोदी का जताया आभार**

का आभार जताया। मैक्रों कहा कि जी–20 शिखर सम्मेलन ने एकता का संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि भारत अपने सिद्धांतों के प्रति वफादार है और उसने एकजुटता व शांति का संदेश देने के लिए समूह की मेजबानी के लिए अपनी पूरी कोशिश की। जबकि रूस अभी भी यूक्रेन पर अपनी आक्रामकता जारी रखे हुए है। उन्होंने कहा, हम वैश्विक शासन में गहराई से सुधार का समर्थन करते हैं। सुरक्षा परिषद, (यूएनएसी), विश्व बैंक और आईएमएफ को जनसांख्यिकी व अर्थव्यवस्था के संदर्भ में वास्तविकता को प्रतिबिंबित करना होगा।

हम उपलब्ध साधनों को बढ़ाना चाहते हैं। हम विश्व बैंक को फिर से भरना चाहते हैं। फ्रांस इसका समर्थन कर रहा है, ताकि उभरते देश बड़ी भूमिका निभा सकें। मैक्रों ने कहा, हम अफ्रीकी देशों के ऋण पुनर्गठन के लिए उभरते देशों से अधिक प्रतिबद्धताओं की उम्मीद करते हैं। हम और अधिक काम करने के लिए तैयार हैं। आज हमने यह कहा है कि यह एक ही एजेंडा है कि दुनियाभर से अधिक से अधिक वित्तपोषण को जुटाना। फ्रांस ने अपनी प्रतिबद्धताओं को आगे बढ़ाया है और हम विकास परियोजनाओं के लिए आबंटित हमारे सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 0.5 फीसदी तक पहुंच गए। हम चाहते हैं कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी ऐसा ही हो। भारत–फ्रांस रक्षा संबंधों पर फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों ने कहा, अतिरिक्त अनुबंध और खरीद आने वाले महीनों और वर्षों में होंगी।

भारत दुनिया में एक असाधारण महत्वपूर्ण अर्थव्यवस्था : ट्रूडो

भारत–कनाडा संबंधों पर कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा हम मानते हैं कि भारत दुनिया में एक असाधारण महत्वपूर्ण अर्थव्यवस्था है और जलवायु परिवर्तन से लड़ने से लेकर

भारत अपने सिद्धांतों के प्रति वफादार है व उसने एकजुटता व शांति का संदेश देने के लिए समूह की मेजबानी के लिए अपनी पूरी कोशिश की : इमैनुएल मैक्रों

नागरिकों के विकास और समृद्धि तक हर चीज में कनाडा का एक महत्वपूर्ण भागीदार है। हम काम करना जारी रखेंगे। खालिस्तानी आतंकवादियों और विदेशी हस्तक्षेप पर उन्होंने कहा, दोनों मुद्दे सामने आए। वर्षों से पीएम मोदी के साथ हमने उन दोनों मुद्दों पर कई बार बातचीत की है। कनाडा हमेशा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, विवेक की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण विरोध की स्वतंत्रता की रक्षा करेगा और यह हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

साथ ही हम हिंसा को रोकने और नफरत को कम करने के लिए हमेशा मौजूद हैं। मुझे लगता है कि कुछ लोगों के काम पूरे समुदाय या कनाडा का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। इसका दूसरा पक्ष यह है कि हमने कानून के शासन का सम्मान करने के महत्व पर जोर दिया है और हमने विदेशी हस्तक्षेप के बारे में बात की है।

यूक्रेन में रूसी आक्रामकता के मुद्दे को कमजोर करने से जी–20 में सहयोग की नींव हिल रही है : किशिदा

जी–20 शिखर सम्मेलन द्वारा दिल्ली घोषणा को अपनाने के एक दिन बाद, जापानी प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने कहा कि इसमें रूस का उल्लेख नहीं है और पिछले साल की बाली घोषणा से एक प्रमुख विचलन में यूक्रेन संकट को यूक्रेन में युद्ध के रूप में वर्णित किया गया है। जापानी प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने कहा कि आज जब दुनिया जटिल संकट का सामना कर रही है, अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के प्रमुख मंच के रूप में जी–20 में सहयोग तेजी से महत्वपूर्ण होता जा रहा है। यूक्रेन पर रूस की आक्रामकता जी–20 में सहयोग की नींव को हिला रही है। आगे चलकर यह विश्व अर्थव्यवस्था पर भारी प्रभाव डालेगा। जापानी प्रधानमंत्री ने कहा कि जी–20 शिखर सम्मेलन की बैठकों के दौरान, उनके देश ने यूक्रेन में सैनिकों की तत्काल वापसी और स्थायी शांति का आह्वान किया।

जापानी प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने कहा कि पूरी बैठकों के दौरान जापान ने रूसी सैनिकों की तत्काल वापसी के लिए दबाव डाला था। यूक्रेन में न्यायसंगत और टिकाऊ शांति की बात कही थी। हमने अपनी स्थिति को रेखांकित किया कि रूस के परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने की बात तो दूर, इसकी धमकी देना भी बिल्कुल अस्वीकार्य है। मैंने संघर्ष के बीच कमजोर लोगों को वैश्विक समुदाय से सहायता के महत्व पर भी प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने भारत की जी–20 अध्यक्षता की सराहना करते हुए कहा कि इस वर्ष के अध्यक्ष के रूप में भारत के नेतृत्व में हम जी–20 नेताओं की घोषणा पर सहमत होने में सक्षम थे जो वास्तव में एक सार्थक उपलब्धि है। जापानी प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने कहा कि पिछले पांच दिन में मैंने जकार्ता में आसियान–संबंधित शिखर सम्मेलन और जी–20 नई दिल्ली शिखर सम्मेलन में भाग लिया।

सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण, मैं दोनों सम्मेलनों के अध्यक्ष के रूप में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको और यहां प्रधानमंत्री (नरेंद्र) मोदी तथा दोनों सरकारों के सदस्यों के प्रति अपना गहरा सम्मान और सराहना व्यक्त करता हूं।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में किया सुधार का आह्वान

नई दिल्ली। विश्व में बहुपक्षवाद को मजबूत करने और संयुक्त राष्ट्र सहित सभी बहुपक्षीय संस्थानों में सुधार के आह्वान के साथ जी–20 शिखर सम्मेलन रविवार को संपन्न हो गया और भारत ने जी–20 समूह की अध्यक्षता ब्राजील को सौंप दी। मोदी ने सुरक्षा परिषद में सुधार की वकालत करते हुए कहा कि आज हर वैश्विक संस्था को अपनी प्रासंगिकता बढ़ाने के लिए सुधार करना आवश्यक है। इसी सोच के साथ हमने कल ही अफ्रीकी संघ को जी–20 का स्थायी सदस्य बनाने की ऐतिहासिक पहल की है। इसी तरह, हमें बहुपक्षीय विकास बैंकों के कार्यक्षेत्र का विस्तार भी करना होगा। इस दिशा में हमारे फैसले तत्काल और प्रभावी भी होने चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नवंबर में जी–20 के नेताओं के एक वर्चुअल शिखर बैठक बुलाने की बात कही और सभी नेताओं से उसमें शिरकत करने की अपील की। इससे पहले अपने संबोधन में मोदी ने कहा कि कल हमने एक पृथ्वी और एक परिवार सत्रों में व्यापक चर्चा की। मुझे संतोष है कि आज जी–20, एक पृथ्वी, एक परिवार और एक साझा भविष्य के विज़न को लेकर, आशावादी प्रयासों का प्लेटफॉर्म बना है। यहां हम ऐसे भविष्य की बात कर रहे हैं, जिसमें हम ग्लोबल विलेज से आगे बढ़कर वैश्विक परिवार को हकीकत बनता देखें। एक ऐसा भविष्य, जिसमें देशों के केवल हित ही नहीं जुड़े हों, बल्कि हृदय भी जुड़े हों। उन्होंने ने कहा कि तेजी से बदलते विश्व में हमें परावर्तन के साथ–साथ सातत्य और स्थिरता की भी उतनी ही जरूरत है। उन्होंने आह्वान किया कि हमें प्रण लेना चाहिए कि हरित विकास करार, सतत विकास लक्ष्यों पर कार्ययोजना, भ्रष्टाचार रोधी उच्चस्तरीय सिद्धांत, डिजीटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा और बहुपक्षीय बैंकों में सुधार के अपने संकल्पों को सिद्धि तक लेकर जाएंगे। संयुक्त राष्ट्र के गठन से आज तक दुनिया हर लिहाज से बहुत बदल चुकी है। परिवहन हो, संचार हो, स्वास्थ्य, शिक्षा, हर क्षेत्र का कायाकल्प हो चुका है। ये नयी वास्तविकताएं हमारे नये वैश्विक ढांचे में प्रतिबिंबित होनी चाहिए। ये प्रकृति का नियम है कि जो व्यक्ति और संस्था समय के साथ स्वयं में बदलाव नहीं लाती है, वो अपनी प्रासंगिकता खो देती है। हमें खुले मन से विचार करना होगा कि आखिर क्या कारण है कि बीते वर्षों में अनेक क्षेत्रीय मंच अस्तित्व में आए हैं, और वो प्रभावी भी सिद्ध हो रहे हैं।

रूस को अलग–थलग करने का कोई भी प्रयास निश्चित रूप से विफल होगा : एर्दोगन

नई दिल्ली, 10 सितम्बर (एजेंसियां)। दिल्ली जी–20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयब एर्दोगन ने रविवार को काला सागर अनाज पहल को तत्काल बहाल करने का आह्वान किया गया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि विकासशील और कम विकसित देशों, विशेष रूप से अफ्रीका के देशों को नुकसान न हो। उन्होंने कहा कि रूस को अलग–थलग करने की कोई भी पहल निश्चित रूप से विफल होगी। जी–20 शिखर सम्मेलन के समापन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद संवाददाताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, हमारा मानना है कि रूस को अलग–थलग करने वाली कोई भी पहल निश्चित रूप से विफल होगी। इसकी सफलता की बहुत कम संभावना है। हमारा मानना है कि कोई भी कदम जो काला सागर में तनाव बढ़ा सकता है, उससे बचा जाना चाहिए। वैश्विक खाद्य सुरक्षा, खाद्य आपूर्ति सुरक्षा का समर्थन करने के लिए हम खाद्य आपूर्ति सुरक्षा अध्ययन समूह, रूस, यूक्रेन, साथ ही संयुक्त राष्ट्र और हमारे साथ लाने जा रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आने वाले हितधारकों के साथ हम लगातार बातचीत करते रहेंगे।

खाद्य व ऊर्जा सुरक्षा को बनाए रखने के महत्व पर दिया जोर

शिखर सम्मेलन में अपनाई गई दिल्ली घोषणा में कहा गया कि जी–20 ने रूसी खाद्य उत्पादों को बढ़ावा देने पर रूस और संयुक्त राष्ट्र के बीच समझौता ज्ञापन के पूर्ण, समय पर और प्रभावी कार्यान्वयन का आह्वान किया। साथ ही, विश्व बाजारों में उर्वरक और यूक्रेनी बंदरगाहों से अनाज और खाद्य पदार्थों के सुरक्षित परिवहन पर पहल की अपील की गई। घोषणा में कहा गया, इस संदर्भ में, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा को बनाए रखने के महत्व पर जोर देते हुए हमने प्रासंगिक बुनियादी ढांचे पर सैन्य विनाश या अन्य हमलों को रोकने का आह्वान किया। रूस ने 17 जुलाई को कहा था कि वह उस समझौते में अपनी भागीदारी को रद्द कर देगा, जिसने युद्ध के कारण उत्पन्न खाद्य संकट से निपटने के लिए अनाज को यूक्रेन से अफ्रीका और एशिया में ले जाने की अनुमति दी थी, जिससे कीमतें आश्चर्यजनक स्तर तक पहुंच गईं।

- **तुर्की के राष्ट्रपति ने काला सागर अनाज पहल को तत्काल बहाल करने का किया आह्वान**

रूस ने कहा था कि रूस से संबंधित काला सागर समझौते का हिस्सा लागू होने के बाद वह इस समझौते का सम्मान करेगा। इस बीच एर्दोगन ने भारत को धन्यवाद देते हुए कहा मैं राष्ट्रपति पद के शानदार और बेहद सफल कार्यकाल के लिए भारत को धन्यवाद देता हूं। मैं मुझे, मेरे जीवनसाथी और मेरे पूरे तुर्की प्रतिनिधिमंडल को दिखाए गए भव्य आतिथ्य के लिए पीएम मोदी को धन्यवाद देना चाहता हूं। इस साल, हमारा विषय था एक विश्व, एक परिवार और एक भविष्य। और शिखर सम्मेलन के पहले सत्र में, हमने उन पर्यावरणीय चुनौतियों के बारे में बात की थी जिनका सामना हमारा ग्रह वर्तमान में कर रहा है। जलवायु परिवर्तन, जैविक विविधता का नुकसान और विशेष रूप से व्यापक प्रदूषण का आयाम है। यह चुनौतियों की तिकड़ी है जिसे हम अब और भी अधिक गहराई से महसूस कर सकते हैं।

भारत एशिया में हमारे सबसे बड़े व्यापार साझेदारों में से एक

तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयब एर्दोगन ने कहा कि भारत एशिया में हमारे सबसे बड़े व्यापार साझेदारों में से एक है और इस साझेदारी में काफी संभावनाएं हैं। प्रस्तावित भारत–यूएई–यूरोप आर्थिक गलियारे पर एर्दोगन ने कहा कि जहां तक गलियारे को लेकर हमारे काम की बात है तो इसमें सबसे पहले खाड़ी देश शामिल हैं. इराक भी इसका हिस्सा है। तुर्की के माध्यम से एक गलियारा खोलने का मतलब होगा खाड़ी को ऊपर उठाना और इसे यूरोप में पूरे रास्ते खोलना और इसे पूरे यूरोप में बांधना। अब, ऐसे गलियारे के संबंध में विशेष रूप से संयुक्त अरब अमीरात, इराक और तुर्की संवेदनशील और तेज़ तरीके से कार्य कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि हम इस परियोजना को लागू करने में सक्षम होंगे। हम इस पर काम कर रहे हैं, और जैसा कि हम बोलते हैं, हमारे मंत्री विदेशी संबंध और परिवहन मंत्री मिलकर काम करते हैं। और हम आने वाले कुछ महीनों में इसे लागू करने में सक्षम होने का प्रयास करेंगे। मोदी ने एर्दोगन से मुलाकात के बाद एक्स पर पोस्ट किया, राष्ट्रपति ञ्चआरटीईरडोगन से मुलाकात की। हमने भारत और तुर्किये के बीच व्यापार और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के तरीकों के बारे में बात की।

जी–20 शिखर सम्मेलन में होते तो मजबूती से रखते अपनी बात : यूलिया क्लीमेंको

नई दिल्ली। यूक्रेनी सांसद यूलिया क्लीमेंको ने कहा कि यूक्रेन की बात यूक्रेन के बिना ही कर दी गई। जबकि इस समय युद्ध की असली स्थिति क्या है, यह हम ज्यादा और सटीक तरीके से बता सकते हैं, लेकिन हमारी बात सुने बिना ही जी 20 ने इस पर अपना मत व्यक्त कर दिया। यूलिया ने कहा कि जी–20 की इस शीर्ष स्तरीय बैठक में यूक्रेन को न बुलाया जाना दुखद है। यदि हमें इस बैठक में बुलाया गया होता तो हम अपनी बात ज्यादा मजबूती के साथ रखते। विशेषकर जब इस बैठक में रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने न आने की स्पष्ट जानकारी दे दी थी, यूक्रेन को बुलाने पर कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए थी। इसे (यूक्रेन को जी 20 में न बुलाने को) बहुत अच्छा कूटनीतिक कदम नहीं कहा जा सकता। चर्चा है कि नई दिल्ली घोषणा पत्र के मसौदे पर अंतिम रूप से सर्वानुमति बनाने के लिए हरियाणा में 3 सितंबर को एक उच्च स्तरीय बैठक हुई थी। इसमें शुरूआती दौर में कुछ सदस्य देशों के द्वारा कुछ मुद्दों पर अपनी आपत्तियां जाहिर की गई थी। इसके बाद इसे संशोधित रूप में पेश किया गया जिसे सर्वानुमति से स्वीकार कर लिया गया। इसमें यूक्रेन मामले पर रूस के रुख का मुद्दा भी शामिल था।जी–20 नई दिल्ली घोषणा पत्र में चार बार यूक्रेन शब्द का उपयोग किया गया। घोषणा पत्र में यूक्रेन के विरुद्ध युद्ध जैसे शब्दों के स्थान पर यूक्रेन में चल रहे युद्ध शब्द का इस्तेमाल किया गया। इसे जी–20 के मसौदे पर रूस–चीन सहित सभी देशों से सर्वानुमति पाने के लिए भारत द्वारा नरम रुख अपनाना कहा जा रहा है। यूलिया क्लीमेंको ने कहा कि अंतिम रूप से घोषित नई दिल्ली घोषणा पत्र अपेक्षाओं के अनुरुप नहीं रहा है। यह अपेक्षाकृत कमजोर है। यह रूस को युद्ध अपराधी के रूप में पेश भी नहीं कर सका है। यूक्रेन के लोगों की अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहा है। यूक्रेन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने भी इसी तरह का रुख जाहिर किया है। माना जा रहा है कि रूस के साथ अपने लंबे ऐतिहासिक संबंधों के कारण भारत ने घोषणा पत्र में शब्दावली को लेकर काफी सतर्कता बरती। जबकि पिछले वर्ष बाली में नवंबर 2022 में हुई जी–20 की बैठक में रूस के विरुद्ध कड़े शब्दों का उपयोग किया गया था।

सार संक्षेप

कश्मीर में दो कुख्यात तस्कर की संपत्ति जब्त

श्रीनगर। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में पुलिस ने रविवार को नार्कोटिक ड्रग एंड साइकोट्रॉपिक सबस्टांस अधिनियम के तहत कुख्यात ड्रग तस्कर दंपति की संपत्ति जब्त की। पुलिस ने बताया कि बांदीपोरा के वार्ड नंबर पांच के निवासी दो कुख्यात ड्रग तस्कर खुर्शीद अहमद वाजा और उसकी पत्नी पोशा बेगम की 56.60 लाख रुपए की संपत्ति जब्त कर ली गई है।

किसान आत्महत्या रोकने में सरकार विफल : पाटिल

मुंबई। महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी-शरद पवार समूह) की राज्य इकाई के अध्यक्ष जयंत पाटिल ने रविवार को राज्य सरकार पर किसानों की आत्महत्या की बढ़ती संख्या को रोकने में विफल रहने का आरोप लगाया। पाटिल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स'पर लिखा, वर्तमान राज्य सरकार चाहे कितनी भी कोशिश कर लें, अपने सिर पर लगे किसान आत्महत्या के कलंक को नहीं मिटा सकती। उन्होंने याद दिलाया कि राज्य विधानसभा में दिए अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने घोषणा की थी कि महाराष्ट्र किसान आत्महत्याओं से मुक्त होगा लेकिन इसके विपरीत, मराठवाड़ा में किसान की आत्महत्याएं नहीं रुक रही हैं।

देश को अच्छा बनाने के लिए इंडिया को जिताएं : स्टालिन

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन ने रविवार को कहा कि अगर देश को अच्छा बनाना है तो विपक्ष के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन को 2024 के लोकसभा चुनाव में सभी 40 सीटों पर (तमिलनाडु में 39 और पुदुचेरी में एक सीट) जीत दिलानी होगी।

मध्य प्रदेश में में चल रहा घोटाला जी-18 : कमलनाथ

भोपाल,10 सितम्बर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में पक्ष–विपक्ष को लेकर आरोप प्रत्यारोप को लेकर सियासत जारी है। इसी कड़ी में कमलनाथ ने ट्वीट कर भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने रविवार को ट्वीट किया कि दिल्ली में जी–20 हुआ। एमपी में भाजपा सरकार के राज में घोटाला (जी)–18 चल रहा है। पीसीसी चीफ कमलाथन ने ट्वीट किया कि दिल्ली में जी–20 हुआ, पर मध्य प्रदेश में भाजपा सरकार के राज में जी–18 चल रहा है। एमपी में भाजपा के कुशासन के साल तो पूरे हो गए हैं 18, और राज तो घोटालों (जी) का ही चल रहा है। नाथ ने आगे लिखा कि 225 महीने की सरकार में 225 से ज्यादा तो महा घोटाले हो गए हैं, और छोटे घोटालों की तो गिनती नहीं हैं। शिवराज सरकार का जी–18 घोटालों (जी) से भरपूर 18 साल।

देश में भी वासुदेव कुटुम्बकम की भावना बनी रहे

दिग्विजय सिंह के भाई और चाचौड़ा से विधायक लक्ष्मण सिंह ने भी ट्वीट कर बड़ी नसीहत दी है। उन्होंने लिखा कि जी–20 का अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन भारत में वासुदेव कुटुम्बकम की भावना से संपन्न होना गौरव की बात है। इसके साथ साथ हमारे अपने देश में भी वासुदेव वासुदेव कुटुंबकम की भावना बनी रहे, जाति, धर्म में देश न विभाजित हो, यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है।

नगालैंड विधानसभा का सत्र आज से

कोहिमा, 10 सितम्बर (एजेंसियां)। नगालैंड विधानसभा के सोमवार से शुरू होने वाले मानसून सत्र में पूर्वोत्तर राज्य में वन संरक्षण (संशोधन) अधिनियम और समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के कार्यान्वयन के खिलाफ प्रस्ताव पारित होने की संभावना है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। विधानसभा सूत्रों ने कहा कि 14वें विधानसभा सत्र में, जिसमें तीन बैठकें होंगी, सरकार नया नगरपालिका विधेयक लाएगी। 1 सितम्बर को शीर्ष आदिवासी निकायों और नागरिक समाज संगठनों (सीएसओ) के साथ राज्य सरकार की परामर्शी बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया था कि सरकार वन संरक्षण (संशोधन) अधिनियम और यूसीसी के कार्यान्वयन के खिलाफ राज्य विधानसभा में प्रस्ताव अपनाएगी। सभी महत्वपूर्ण सलाहकार बैठक में नगालैंड में प्रचलित प्रथागत कानूनों और विशेष संवैधानिक प्रावधानों पर विचार करते हुए नए नगरपालिका विधेयक को पेश करने का भी निर्णय लिया गया। नगालैंड में नगर निगम चुनाव पहली बार 2004 में हुए थे और नगर निकायों का कार्यकाल 2009–10 में समाप्त हो गया था।

- **यूसीसी, वन अधिनियम के खिलाफ प्रस्ताव पारित होने के आसार**

जम्मू–कश्मीर में लोकतांत्रिक अधिकारों की बहाली के लिए हों चुनाव : अल्ताफ बुखारी

श्रीनगर, 10 सितम्बर (एजेंसियां)। जम्मू–कश्मीर में अपनी पार्टी के अध्यक्ष अल्ताफ बुखारी ने रविवार को केंद्र सरकार से आग्रह किया कि केंद्र शासित प्रदेश में लोगं के लोकतांत्रिक अधिकारों की बहाली के लिए बिना किसी देरी के विधानसभा चुनाव कराया जाए। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, बुखारी ने केंद्र सरकार से बिना किसी देरी के यहां तत्काल विधानसभा चुनाव कराने का आग्रह किया। बुखारी ने मोदी सरकार से आग्रह किया कि जम्मू–कश्मीर के लोगों के संवैधानिक अधिकारों को बहाल किया जाए, जिसमें विधानसभा चुनाव के माध्यम से अपने प्रतिनिधि चुनने का अधिकार भी शामिल है। उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा 5 अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 के अधिकांश प्रावधानों को समाप्त करने से बहुत पहले से ही राजनीतिक राजवंश के नेता इस क्षेत्र की राजनीतिक और संवैधानिक स्थिति को खत्म करने के लिए जिम्मेदार रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये लोग वर्षों और दशकों से इस क्षेत्र और यहां के लोगों के हितों को नुकसान पहुंचाने में आत्मसंतुष्टि महसूस करते रहे हैं।

- **केंद्र सरकार से तत्काल विधानसभा चुनाव कराने का किया आग्रह**

बुखारी ने वादा किया कि अगर अपनी पार्टी को आगामी विधानसभा चुनावों में लोगों की सेवा करने का जनादेश प्राप्त होता है, तो वह जम्मू–कश्मीर के सामाजिक–राजनीतिक और आर्थिक परिदृश्य को बेहतर बना देंगे।

लोगों के संवैधानिक अधिकारों को बनाए रखना अनिवार्य

अल्ताफ बुखारी ने कहा कि जम्मू–कश्मीर में लंबे समय से चल रही उथल–पुथल और अस्थिरता को देखते हुए, केंद्र शासित प्रदेश में लोकतंत्र और लोकतांत्रिक मूल्यों की मजबूती के लिए लोगों के संवैधानिक अधिकारों को बनाए रखना अनिवार्य है। अपनी पार्टी के अध्यक्ष ने लोगों से पारंपरिक दलों, विशेष रूप से उन लोगों के झांसे में नहीं आने की अपील की, जो राजवंश पर आधारित हैं। उन्होंने कहा कि अनंतनाग जिले को राजनीतिक रूप से जागरुक होने का गौरव प्राप्त है, क्योंकि यहां के लोग हमेशा अपनी राजनीतिक गतिविधियों में जीवंत रहे हैं।

बदलाव | *2024 में होने वाली सीबीएसई का बोर्ड परीक्षाओं को लेकर बड़ा फैसला*

परीक्षा पैटर्न से लेकर मार्किंग स्कीम तक में किया बदलाव

नई दिल्ली, 10 सितम्बर (एजेंसियां)। सीबीएसई की बोर्ड परीक्षा पैटर्न में कई महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिल सकते हैं। सीबीएसई ने यह बदलाव अगले वर्ष 2024 में होने वाली बोर्ड परीक्षाओं में करने का फैसला किया है। छात्रों को बदलाव के बारे में समझाने के लिए बकायदा नए सैम्पल पेपर भी रिलीज कर दिए गए हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक।

जो छात्र अगले वर्ष बोर्ड परीक्षा में शामिल होने जा रहे हैं, वे छात्र जारी किए गए इन सैम्पल पेपर्स की मदद से इन बदलावों को जान सकते हैं।

सीबीएसई के यह सैंपल पेपर छात्रों को अभी से जानकारी देंगे कि आने वाली परीक्षा में किस प्रकार के सवाल पूछे जाएंगे। प्रश्नों के अलावा छात्रों को यह भी पता लग सकेगा की परीक्षा में किस प्रकार की मार्किंग रहेगी। सीबीएसई ने अपने यह नए सैंपल पेपर आधिकारिक वेबसाइट पर जारी किए हैं। बोर्ड परीक्षा में सबसे बड़ा बदलाव यह है कि अब 50 प्रतिशत सवाल कंपीटेंसी बेस्ड होंगे। वर्ष 2024 में बोर्ड परीक्षा देने वाले छात्र सीबीएसई की आधिकारिक वेबसाइट से इन सैंपल पेपर का पीडीएफ डाउनलोड कर सकते हैं। वर्ष 20 24 से लागू होने वाले सीबीएसई परीक्षा में एनालिटिकल, कॉन्सेप्ट बेस्ड सवाल ज्यादा आएंगे। विशेषज्ञों के मुताबिक, इसके अलावा एमसीक्यू, शॉर्ट आंसर्स सभी में सवालों की वेरायटी यही रहेगी। तकरीबन 50 प्रतिशत सवाल एमसीक्यू, और एक से दो मार्क्स के रूप में बदल दिए गए हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक, अब बोर्ड परीक्षाओं का उद्देश्य छात्रों में विषयों की समझ का मूल्यांकन करना होगा।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस नई पद्धति से कोचिंग और याद रखने की आवश्यकता में कमी आएगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने बताया कि बोर्ड परीक्षाओं के अलावा स्कूली शिक्षा पद्धति में और भी कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। इन बदलावों के अंतर्गत11वीं और 12वीं कक्षा में पढ़ाई के दौरान विषयों का चयन सीमित नहीं रहेगा। आने वाले दिनों में छात्रों को 11वीं और 12वीं कक्षा में अपनी पसंद के विषय चुनने की सुविधा मिलेगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक, कक्षा 11 और 12 के छात्रों को कम से कम दो भाषाएं पढ़नी होंगी।

मंत्रालय का कहना है कि 11वीं और 12वीं कक्षा में पढ़ाई जाने वाली इन भाषाओं में से एक भारतीय भाषा होनी चाहिए।

- **सीबीएसई के नए सैंपल पेपर से मिलेगी जानकारी**
- **छात्रों में विषयों की समझ का मूल्यांकन करना होगा परीक्षाओं का उद्देश्य**

कैपिटल ज़ोन

उल्टा पुल्टा

पति : तुम्हारे पापा मानते क्यों नहीं ? जले पर नमक छिड़कने की आदत गई नहीं अब तक उनकी।
पत्नी : क्यों क्या हुआ ?
पति : आज फिर से पूछ रहे थे कि मेरी बेटी से शादी करके खुश तो हो न ?

भारत मंडपम में नहीं हुआ जलभराव : सक्सेना

■ 15 मिनट में साफ कर दिया गया पानी, तैनात रहे अधिकारी
■ उपराज्यपाल ने शिखर सम्मेलन को सफल बनाने के लिए लोगों का किया धन्यवाद

नई दिल्ली, 10 सितम्बर (देशबन्धु)। जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान आई बारिश के बाद भी आयोजन में किसी प्रकार की परेशानी नहीं हुई। भारत मंडपम पर राष्ट्रपति के रात्रिभोज के दौरान बारिश हुई थी। बारिश को देखते हुए उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने आकस्मिक योजना को तुरंत सक्रिय कर दिया। आईटीपीओ अधिकारियों ने उपराज्यपाल को बताया कि रविवार को सुबह पांच बजे भारत मंडपम के गेट नंबर 5 के पास पार्किंग क्षेत्र में रात भर हुई बारिश के कारण कुछ जलभराव हो गया। ऐसे में तत्काल हेवी ड्यूटी आकस्मिक पंपों का इस्तेमाल कर जलभराव दूर कर दिया गया। सुबह 10 बजे से शुरू होने वाले सम्मेलन के दूसरे सत्र के लिए कार्यक्रम स्थल को पहले की तरह साफ कर दिया गया। उपराज्यपाल कार्यालय के मुताबिक, बाढ़ की आशंका वाले कुछ स्थानों पर हुए जलभराव के लिए, पंपों को तुरंत चालू कर दिया गया और रात में ही केवल 15 मिनट के भीतर उसे साफ कर दिया गया। इसी प्रकार बारिश और तेज हवा के कारण गिरे हुए गमलों को भी तुरंत बदला गया। एनडीएमसी क्षेत्र में पेड़ गिरने की एक घटना का तुरंत निराकरण किया गया। ऐसे ही नोजल बंद होने के कारण फव्वारे के काम न करने की समस्या का भी तुरंत समाधान किया गया। सभी फव्वारे लगातार काम करते रहे। सभी विभागों के अधिकारी मुस्तैद रहे। सभी अधिकारी समस्याओं के समाधान के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में समय-समय पर उपराज्यपाल को रिपोर्ट कर रहे थे। यह प्रक्रिया पूरी रात जारी रही। वहीं, राजघाट पर श्रद्धांजलि देने के लिए आने वाले अतिथियों को कोई असुविधा न हो, इसके लिए सुनिश्चित किया गया कि प्रत्येक अतिथि के आने के बीच के 90 सेकंड के अंतराल में बारिश से गीले हो चुके फर्श को पूरी तरह से साफ कर दिया गया। उन्होंने एनडीएमसी, डीडीए, दिल्ली पुलिस, एनएचएआई, दिल्ली कैंटोनमेंट बोर्ड, पीडब्ल्यूडी, वन विभाग, एमसीडी, डीआईएएल, आईएएफ, एएसआई और अन्य कामों में लगे हजारों कर्मचारियों और अधिकारियों के प्रति भी आभार व्यक्त किया, जिन्होंने चौबीसों घंटे कड़ी मेहनत की। पिछले कुछ महीनों के परिणामस्वरूप दिल्ली आने वाले गणमान्य व्यक्तियों के लिए स्वच्छ और सुंदर मेजबान शहर बन गया है।

सक्सेना ने कहा कि इस दौरान मौसम ने भी पूरा साथ दिया, जिससे तापमान में कमी के देखने को मिली। आईटीपीओ कॉम्प्लेक्स के गेट नंबर 5 के पास लगातार बारिश से पार्किंग क्षेत्र में जलभराव हो गया था। सुबह 6 बजे इसकी सूचना मिलने पर तैनात किए गए हेवी ड्यूटी आकस्मिक पंपों का उपयोग करके जलभराव की समस्या को दूर किया गया। जब दूसरे दिन के सत्र के लिए सुबह 10 बजे गणमान्य व्यक्ति कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे, तो क्षेत्र पहले की तरह साफ, हरा-भरा और सजा हुआ था। इन सभी ऑपरेशनों के दौरान इस उद्देश्य के लिए नियुक्त अधिकारियों द्वारा साइटों की पहले और बाद की तस्वीरें एलजी को भेजी गईं। उपराज्यपाल शहर में साफ-सफाई पर नजर रखते हुए मुख्य सचिव, एनडीएमसी अध्यक्ष और एमसीडी आयुक्त के भी संपर्क में रहे। उन्होंने पिछले दिनों शहर में सड़कों, फुटपाथों और सेंट्रल वर्ज पर लगातार छिड़काव और सफाई के जरिए धूल प्रदूषण को नियंत्रण में रखने के प्रयासों की सराहना की। मालूम हो कि मुख्य सचिव ने सभी आईएएस/दानिक्स प्रोबेशनर्स को व्यक्तिगत रूप से इस अभ्यास की निगरानी करने के लिए कहा था।

भारत मंडपम के पास भैरव मंदिर के गेट पर लगी आग

■ दमकलकर्मियों ने तुरंत पाया काबू

नई दिल्ली। जी-20 सम्मेलन के बीच रविवार सुबह भारत मंडपम के नजदीक आग लगने की सूचना से हड़कंप गया। आग प्रगति मैदान के नजदीक भैरव मंदिर के गेट पर लगी थी। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग के अलावा पुलिस व दूसरी एजेंसियां भी अलर्ट हो गईं। दमकल की दो गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। कुछ ही देर बाद आग पर काबू भी पा लिया गया। आग गेट पर मौजूद बिजली के तारों में लगी थी। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। बारिश के दौरान शार्ट सर्किट की वजह से तारों में आग लगने की आशंका है। बिजली विभाग को बुलाकर तारों को दुरुस्त कर दिया गया। अग्निशमन विभाग के अधिकारी ने बताया कि भैरव मंदिर भारत मंडपम के नजदीक सड़क के दूसरी ओर है। सुबह करीब 7.01 बजे टीम को सूचना मिली कि भैरव मंदिर के मुख्य गेट पर आग लग गई है। सूचना के बाद दमकल की दो गाडियों को भेजा गया। चंद ही मिनटों बाद आग पर काबू पा लिया गया। किसी सुरक्षाकर्मी ने ही अग्निशमन विभाग को आग लगने की सूचना दी थी। पांच मिनट के भीतर कनॉट प्लेस से गाड़ी मौके पर पहुंच गई। हालांकि, प्रगति मैदान में छह गाड़ियां मौजूद थीं, लेकिन उन्हें बैठक स्थल के लिए सुरक्षित रखा गया था।

संगम विहार में चाकू से ताबड़तोड़ वार कर युवक की हत्या की

■ पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आठों नाबालिगों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, 10 सितम्बर (देशबन्धु)। राजधानी दिल्ली के संगम विहार इलाके में आठ नाबालिग आरोपितों ने मिलकर करीब एक साल पहले हुए झगड़े का बदला लेने के लिए एक 20 वर्षीय युवक की चाकू से ताबड़तोड़ वार कर हत्या कर दी। मामले की सूचना पर संगम विहार पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आठों नाबालिगों को पकड़ लिया है। मृतक की पहचान संगम विहार के गली संख्या-523 के मो. दिलशाद के रूप में हुई। हत्या में इस्तेमाल चाकू बरामद कर लिया गया है। दक्षिणी जिले की पुलिस उपायुक्त चंदन चौधरी ने बताया कि नौ सितंबर की शाम करीब 07:30 बजे मजीदिया अस्पताल से सूचना मिली थी कि तुगलकाबाद एक्सटेंशन के पास एक युवक को कुछ लोगों ने चाकू मार दिया है। पीड़ित को घायल हालत में अस्पताल लाया गया है। सूचना के बाद अस्पताल पहुंचने पर वहां पुलिस को मो. दिलशाद मिले। उनकी हालत गंभीर थी। उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था। वह बयान देने की स्थिति में नहीं थे। उनके छाती और शरीर के अन्य हिस्सों पर चाकू से कई वार किए गए थे। हालत गंभीर होने के कारण दिलशाद को सफदरजंग अस्पताल में रेफर कर दिया गया। जहां पर रविवार को दिलशाद ने दम तोड़ दिया। इसके बाद हत्या का मामला दर्ज कर आठों नाबालिग आरोपितों को पकड़ लिया गया। पूछताछ में नाबालिगों ने बताया कि करीब एक साल पहले उनके ग्रुप के लोगों का जाट धर्मशाला के पास कुछ डीजे वालों से झगड़ा हुआ था। उनमें दिलशाद भी शामिल थे। शनिवार शाम दिलशाद ने उनके समूह के एक लड़के के साथ उसी झगड़े को लेकर मारपीट की। इसके बाद सभी नाबालिगों ने मिलकर उन पर चाकू से वार कर पीड़ित को गंभीर रूप से घायल कर दिया और इलाज के दौरान रविवार को उनकी मौत हो गई।

सार संक्षेप

दिल्ली में तीन दिन कैब-ऑटो ने उठाया मजबूरी का फायदा

नई दिल्ली। जी-20 शिखर सम्मेलन के कारण कई सड़क मार्गों को बंद कर दिया गया था। ऐसे में सड़क बंद होने के नाम पर कैब व ऑटो चालकों ने तीन दिन तक जमकर यात्रियों से मनमाना किराया वसूला। यहां तक की यात्रियों को थोड़ी दूरी के भी लिए दो से तीन गुना किराया देने को मजबूर होना पड़ा। इससे यात्रियों की मजबूरी को देख ऑटो व कैब चालकों ने अधिक किराया लिया। आरके पुरम से सरोजनी नगर तक जहां 60 रुपये लगते हैं वह ऑटो चालकों ने 150 रुपये से अधिक किराया लिया। यही नहीं रविवार को ऑटो चालक सड़क मार्ग बंद होने का हवाला देने के साथ ही रूट लगने के बारे में कहते सुनाई दिए। मालवीय नगर से लोधी रोड की ओर जा रहे पुष्पेंद्र ने बताया कि उन्हें जरूरी काम के सिलसिले में ऑफिस जाना है, वह कहते हैं ऑटो चालक थोड़ी ही दूरी के लिए 250 रुपये मांग रहे हैं। वह कहते हैं कि यह यात्रियों की मजबूरी का फायदा ले रहे हैं। इसके साथ कैब चालकों ने भी खूब चांदी की। नेताजी नगर से नई दिल्ली रेलवे स्टेशन की ओर जाने के लिए जहां 180 से 200 रुपये किराया लगता है वहां कैब चालकों ने यात्रियों से 400 रुपये से अधिक मांगें। यात्री हेमंत ने बताया कि उन्हें पटना गांव जाना है, उनकी माता बीमार हैं। वह कहते हैं कि कैब चालक यात्रियों की मजबूरी का फायदा उठा रहे हैं। वह कहते हैं कि उनकी मजबूरी है कि उन्हें यह किराया देना होगा। सम्मेलन को लेकर नई दिल्ली इलाके में दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की बंद की गई सेवाएं सोमवार से फिर से एक बार सामान्य होंगी। नई दिल्ली इलाके में चलने वाली बसें सोमवार से अपने रूट में चलेंगी। ऐसे में बस से सफर करने वाले यात्रियों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर आने-जाने में आसानी होगी। बता दें बीते दिनों से नई दिल्ली इलाके में बस सेवाएं प्रतिबंध थी, जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

अधेड़ व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या

नई दिल्ली। जी-20 शिखर सम्मेलन को लेकर दिल्ली में सुरक्षा के कड़े इंतजामों के दावों के बीच एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। हत्या की यह सनसनीखेज वारदात दक्षिण-पूर्व दिल्ली के ओखला औद्योगिक क्षेत्र एरिया में हुई। मृतक की शिनाख्त मो.हनीफ खान (42) के रूप में हुई है। दरअसल गली में कुछ लोगों का मृतक के नाबालिग बेटे से झगड़ा हुआ था। पिता बीच-बचाव कराने के लिए वहां पहुंच गया। आरोपियों ने पत्थरों व लात-घूंसों से पीट-पीटकर उसे बुरी तरह जख्मी कर दिया। इलाज के लिए उसे एम्स ट्रामा सेंटर ले जाया गया, जहां देर शाम उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी भेजा दिया है। मामले में कुछ महिलाओं समेत पांच लोगों को हिरासत में लिया गया है। घटना को लेकर एरिया में खासा रोष है। हनीफ की मौत के बाद भारी संख्या में लोगों ने ओखला औद्योगिक क्षेत्र थाने का घेराव किया। बाद में पुलिस ने सभी को समझाकर वापस भेजा।

यूएई क्राउन प्रिंस के होटल में घुसी बाइडेन के काफिले की कार

नई दिल्ली। जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान उस समय सुरक्षा चूक की बात सामने आई जब अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के काफिले का एक वाहन अनजाने में होटल ताज के परिसर में प्रवेश कर गया, जहां यूएई के क्राउन प्रिंस ठहरे हुए थे। रिपोर्ट की गई इस सुरक्षा चूक ने शुरू में सुरक्षा एजेंसियों के बीच काफी चिंताएं पैदा कर दीं। हालांकि, बाद की जांच से पता चला कि उल्लंघन इसलिए हुआ क्योंकि ड्राइवर ने राष्ट्रपति बाइडेन के आवास पर जाने से पहले किसी अन्य ग्राहक के अनुरोध पर होटल ताजा जाना स्वीकार कर लिया।

इस सप्ताह दिल्लीवासी लेंगे साफ हवा में सांस

■ राजधानी में साल का सबसे साफ दिन रहा रविवार

नई दिल्ली, 10 सितम्बर (देशबन्धु)। राजधानी में बारिश और जी-20 शिखर सम्मेलन को लेकर वाहनों पर लगाई गई रोक की वजह से रविवार साल का सबसे साफ दिन रहा। रविवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक 45 दर्ज किया गया। इससे पहले 29 जुलाई को एक्यूआई 59 दर्ज किया गया था। इसके अलावा गाजियाबाद और नोएडा का प्रदूषण स्तर एनसीआर में सबसे कम दर्ज किया गया, जबकि गुरुग्राम का प्रदूषण स्तर सबसे ज्यादा संतोषजनक स्तर पर दर्ज किया गया। मौसम अनुकूल रहने और सड़कों पर कम हुए वाहनों के कारण दिल्ली में प्रदूषण का स्तर इस साल में सबसे निचले स्तर पर रहा। सोमवार को तेज हवाएं और हल्की बारिश के कारण प्रदूषण स्तर में कुछ और गिरावट होने की उम्मीद है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक इससे पहले एक सितंबर को दिल्ली का प्रदूषण सूचकांक 140 दर्ज किया गया था। उसके बाद से प्रदूषण स्तर में लगातार गिरावट दर्ज हो रही है। एनसीआर की बात करें तो रविवार को फरीदाबाद का प्रदूषण स्तर 62, गाजियाबाद का 34, ग्रेटर नोएडा का 51, गुरुग्राम का 70 और नोएडा का 32 सूचकांक दर्ज किया गया। मौसम विभाग की माने तो आने वाले दिनों में मौसम अनुकूल बने रहने के संभावना है। ऐसे में उम्मीद है कि दिल्ली में वायु प्रदूषण का स्तर बेहतर श्रेणी में ही बना रह सकता है। एनसीआर में भी प्रदूषण स्तर मध्यम से संतोषजनक श्रेणी में बने रहने की संभावना है। भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान के मुताबिक रविवार को दिल्ली की ओर आने वाली हवाओं की चाल उत्तर-पूर्वी हो गई है। वहीं, दिन में 20 किमी की गति से मध्यम स्तर की हवाएं चली। इसके साथ ही आसमान में बादल छाए रहे। दिल्ली में हुई बरसात से किराड़ी के 70 फुटा रोड की हालत से जगजाहिर है और यहां जलभराव की लोगों को आदत हो चुकी है। रविवार को भी यहां 2 से तीन फुट पानी भरा रहा। इस दौरान मुंडका रोहतक रोड, मेट्रो स्टेशन से मुंडका मोड़ तक काफी लंबा जाम लग गया। जलभराव की वजह से लोग जाम में फंस गए। वाहन तीन घंटों तक जाम में फंसे रहे। मुंडका में रोहतक रोड पर अक्सर जाम की समस्या रहती है। यहां के रास्ते और फुटपाथ की जर्जर हालत भी इसकी मुख्य वजह है। इसके बावजूद ट्रैफिक पुलिस की तैनाती यहां न के बराबर रहती है।

■ नई दिल्ली में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन को लेकर सुरक्षा के चलते कनॉट प्लेस में सूनसान पड़ी सड़क का दृश्य। फोटो इम्तियाज खान

जामा मस्जिद के बाहर बम की खबर से अफरा-तफरी

नई दिल्ली, 10 सितम्बर (देशबन्धु)। जी-20 शिखर सम्मेलन के बीच जामा-मस्जिद के बाहर बम रखा होने की सूचना मिलने पर पुलिस के होश उड़ गए। आनन-फानन में पुलिस के अलावा डॉग और बम स्क्वायड समेत तमाम बाकी एजेंसियां मौके पर पहुंची। काफी देर तलाश करने के बाद कॉल को हॉक्स करार दे दिया गया। कॉलर ने बताया कि उसने एक लावारिस बैग देखकर पुलिस को खबर दी थी। जामा मस्जिद पर बम की खबर मिलने के बाद आसपास भी अफरा-तफरी मच गई। लोग काफी परेशान हो गए। कई घंटे की जांच के बाद पुलिस ने जब लोगों को बताया कि बैग में कोई बम नहीं मिला है तो लोगों ने राहत की सांस ली। पुलिस कॉल करने वाले लड़के से पूछताछ कर रही है। पुलिस ने आम लोगों से पुलिस की आंख और कान बनने की अपील की है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार सुबह करीब 8.00 बजे उनकी टीम को सूचना मिली कि जामा मस्जिद गेट नंबर-1 के पास एक बैग में बम रखा हुआ है। सूचना मिलते ही तुरंत पुलिस अधिकारी वहां पहुंच गए। आसपास के एरिया को खाली करवा लिया गया।

ट्रैक पर दौड़ेंगी दो सौ से अधिक निरस्त ट्रेनें

■ विमान व पार्सल सेवा भी होगी शुरू

नई दिल्ली, 10 सितम्बर (देशबन्धु)। आंशिक रूप से निरस्त विमान व ट्रेन सेवा सोमवार से फिर पटरी पर लौटेगी। शुक्रवार से रविवार तक प्रतिदिन निरस्त रहने वाली दो सौ से अधिक ट्रेनें और विमान अपनी रफ्तार से चलेंगी। पार्सल और कार्गो सेवा भी बहाल कर दी जाएगी। इसके लिए रेल प्रशासन और एयरपोर्ट संचालित करने वाली एजेंसी ने तैयारी पूरी कर ली है। इसी तरह सोमवार को बंद रहने वाले बाजार को छोड़कर दिल्ली की सभी बाजार और सरकारी व निजी कार्यालय खुल जाएंगे। विदेशी मेहमानों के लिए सजे बाजार मॉल में दिल्ली वाले भी खरीदारी के लिए निकलेंगे। जी-20 के सफल आयोजन और सप्ताह शुरू होने के साथ दिल्ली वापस अपने मिजाज में लौट आएगी। प्रगति मैदान में कार्यक्रम आयोजित होने की वजह से नई दिल्ली स्टेशन की कई ट्रेन आनंद विहार से संचालित की जा रही थी। लंबी दूरी की की ये ट्रेन सोमवार से नई दिल्ली स्टेशन से संचालित होगी।

पति-पत्नी के झगड़े में बीच-बचाव करने गए शख्स की चाकू मारकर हत्या

नई दिल्ली, 10 सितम्बर (देशबन्धु)। दिल्ली के किशनगढ़ में 25 वर्षीय एक नेपाली व्यक्ति की उसके दोस्त ने चाकू मारकर हत्या कर दी, क्योंकि उसने आरोपी की पत्नी को बचाने की कोशिश की थी, जिस पर बेरहमी से हमला किया जा रहा था। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि उन्हें सुबह करीब 5:48 बजे घटना के बारे में फोन आया। फोन करने वाले ने बताया कि किशनगढ़ में एक व्यक्ति को चाकू मार दिया गया है। सूचना पाकर पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। तथ्यों की पुष्टि करने पर पुलिस को पता चला कि मृतक 25 वर्षीय रॉबिन श्रेष्ठ एक नेपाली नागरिक था, जो दो साल से अपनी प्रेमिका के साथ उस स्थान पर रह रहा था। वह नोएडा के एक कॉल सेंटर में काम करता था। रॉबिन ने अपने दोस्त मिंगचांग उर्फ जिमी को अपने घर बुलाया था, क्योंकि जिमी की पत्नी और दो साल का बेटा बीमार थे और उनके घर में एयर कंडीशनर की कमी थी। पुलिस ने कहा कि जिमी ने रॉबिन के घर पर बीयर पी और अपनी पत्नी के साथ गाली-गलौज और मारपीट शुरू कर दी। रॉबिन और उसकी प्रेमिका ने हस्तक्षेप किया और जिमी से पत्नी के साथ बुरा व्यवहार करने से मना किया।

सतर्क — *जी-20 को लेकर अलर्ट मोड में रहे एनडीएमसी के कर्मचारी*

जलजमाव की शिकायतों का मिनटों में किया समाधान

नई दिल्ली, 10 सितम्बर (देशबन्धु)। जी-20 शिखर सम्मेलन के सफल आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए एनडीएमसी के उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय ने हुमायूं रोड पर एनडीएमसी के आपदा प्रबंधन केंद्र का दौरा किया। यह दौरा आगामी जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए की जा रही सावधानीपूर्वक तैयारियों को रेखांकित करती है। उपाध्याय ने कहा कि शनिवार रात भर लगातार भारी बारिश के साथ, 1000 से अधिक समर्पित एनडीएमसी कर्मचारियों और त्वरित प्रतिक्रिया टीमों क्यूआरटी ने अपना 100 प्रतिशत समर्पण देने के लिए उल्लेखनीय कार्य किया औरजी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन के दौरान राष्ट्राध्यक्षों द्वारा उपयोग के लिए नामित प्रमुख सड़कों पर

जलभराव को रोकने के लिए चौबीसों घंटे अथक प्रयास किया। उन्होंने कहा कि रात 1 से 3 बजे के बीच, एनडीएमसी टीम के इन गुमनाम नायकों ने यह सुनिश्चित करने के लिए तेजी से काम किया कि सड़कें साफ हों और हाई-प्रोफाइल वीआईपी काफिलों के लिए सुबह तक चलने योग्य हों। मानवीय उद्देश्य के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता स्पष्ट थी क्योंकि उन्होंने प्रतिकूल मौसम की स्थिति से जूझते हुए शहर की प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए बारिश में भी अथक प्रयास किया।

बारिश के कारण एक ही दिन में 44 शिकायतों का किया निपटारा

अब तक आपदा प्रबंधन केंद्र को कुल 70 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से 26 पिछले शनिवार रात तक प्राप्त हो थी और शेष 44 आज सुबह 11 बजे तक मिली। रिपोर्ट किए गए मुद्दों में मामूली जलभराव, गिरे हुए पेड़ के पत्ते और खराब रोड लाइटें शामिल थीं, जिसके लिए त्वरित और प्रभावी कार्रवाई की आवश्यकता के अनुसार बेहतर कार्य दक्षता का प्रदर्शन किया गया।

■ एनडीएमसी उपाध्यक्ष ने हुमायूं रोड पर एनडीएमसी के आपदा प्रबंधन केंद्र का किया दौरा

जलजमाव की 19 शिकायतें मिनटों में दूर की गई

दक्षता के एक उल्लेखनीय प्रदर्शन में, जनपथ, सिकंदरा रोड, सी हेक्सागोन, कॉपरनिकस मार्ग, बाराखंबा रोड, हरीश चंदर माथुर लेन और कौटिल्य मार्ग सहित महत्वपूर्ण स्थानों पर जलभराव की 19 घटनाओं का तुरंत समाधान किया गया। पानी के ठहराव को हटाने का काम मानवीय प्रयासों और सुपर सकर मशीनों के उपयोग से किया गया। इसके अतिरिक्त, प्रमुख क्षेत्रों में गमलों में लगे पौधों में पानी के ठहराव को प्रभावी ढंग से हटाया गया। यहां महत्वपूर्ण रूप से उल्लेख किया गया है कि महिला कार्यकर्ता भी पूरे समर्पण और मैदान पर अथक उत्साह के साथ सड़कों पर इन अभियानों का हिस्सा रही।

भारत मंडपम में जी-20 नेताओं ने किया प्रतीकात्मक पौधरोपण

■ शिखर सम्मेलन के उपलक्ष्य में किया पौधरोपण

नई दिल्ली, 10 सितम्बर (देशबन्धु)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रविवार को जी-20 के नेताओं ने भारत मंडपम में प्रतीकात्मक पौधरोपण किया। दो दिवसीय जी-20 शिखर सम्मेलन के उपलक्ष्य में यह पौधरोपण किया गया। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो और उनके ब्राजीलियाई समकक्ष लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा ने शिखर सम्मेलन के तीसरे सत्र एक भविष्य की शुरुआत में अपने देशों के मूल वृक्षों के कलम प्रधानमंत्री मोदी को भेंट किए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने बताया कि जी-20 शिष्टमंडलों के प्रमुखों ने भारत मंडपम में एक प्रतीकात्मक पौधरोपण समारोह में भाग लिया। जी-20 भारत में यह पर्यावरण चेतना को बढ़ावा देने का एक सामूहिक प्रयास है। इससे पहले, एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया था कि जी-20 देशों के राष्ट्रीय या वहां के देसी वृक्षों की ए कलम भारत मंडपम में लगाई जाएंगी, जहां एक जी-20 उद्यान बनाया जाएगा।

कैपिटल ज़ोन

उवाच "डेंगू का संक्रमण एडीज मच्छर के काटने से फैलता है, यह मच्छर अधिकतर घर के अंदर पाया जाता है और साफ व रुके हुए पानी में पनपता है। यह दिन में काटता है। मलेरिया का संक्रमण फैलाने वाला मादा एनाफ़िलीज मच्छर घर के बाहर गंदे और रुके हुए पानी में पैदा होता है।
डॉ. आरके गुप्ता, जिला सर्विलांस अधिकारी

कोठी के अंदर बाथरूम में मिला महिला अधिवक्ता का शव, हत्या की आशंका

नोएडा, 10 सितम्बर (देशबन्धु)। सेक्टर-30 निवासी महिला अधिवक्ता का शव बाथरूम में लहूलुहान हालत में मिला है। मृतका के भाई ने जीजा पर हत्या का शक जाहिर करते हुए सेक्टर-20 थाने में शिकायत की है। घटना के बाद से मृतका का पति फरार है। जिस महिला वकील की हत्या हुई है उसका नाम रेणू सिन्हा है और वह सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता है। सूचना

- **मृतका के भाई ने जीजा पर लगाया हत्या का आरोप**
- **घटना के बाद से मृतका का पति फरार**

पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस दौरान डीसीपी हरीश चंदर, एडिशनल डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी और एसीपी रजनीश वर्मा सहित अन्य अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। मामले का पर्दाफाश करने के लिए पुलिस की तीन टीमें गठित की गई हैं। डीसीपी हरीश चंदर ने बताया कि 61 वर्षीय रेणु सिन्हा सेक्टर-30 के डी ब्लॉक स्थित कोठी में पति नितिननाथ सिन्हा संग रहती थीं। उनका बेटा अमेरिका में नौकरी कर रहा है और साल में एक से दो बार ही नोएडा आता है। रेनू के भाई ने रविवार को कई बार बहन को कॉल की। कॉल रिसीव नहीं होने पर वह अपने साथी संग रेणु के घर पहुंच गया। घर में ताला लगा हुआ था और लाइट जल रही थी। अनहोनी की आशंका में भाई ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस की टीम के मौके पर पहुंचने के बाद जब घर का ताला तोड़ा गया तो रेणु का शव बाथरूम में पड़ा हुआ था। इसका पूरा वीडियो भी पुलिस की टीम ने बनाया। शरीर पर चोट के निशान बताए जा रहे हैं। सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर पुलिस मामले की जांच कर रही है। रेणू के भाई का आरोप है कि उनका जीजा नितिन उनकी बहन को प्रताड़ित करता था, उसे शक है कि उसके जीजा ने ही उसकी बहन रेणू की हत्या कर दी है। इस दौरान फोरेंसिक टीम, डॉग स्क्वायड की टीम तथा एलआईयू मामले की छानबीन में जुट गई है।

पति से रहती थी अनबन

पड़ोसियों ने बताया कि रेणू की पति से अनबन रहती थी। कई बार दोनों में लड़ाई भी हो चुकी थी। रेणू के बेटे की भी अपने पिता से नहीं बनती थी। वह नोएडा आने पर भी पिता से बात नहीं करता था। आशंका है कि इसी के चलते पति ने रेणू की हत्या की और फरार हो गया। शव एक से दो दिन पुराना होने की बात कही जा रही है। हालांकि असल स्थिति पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही साफ होगी। हत्या के कारणों की जांच भी पुलिस कर रही है। मृतका के भाई का कहना है कि उसने जब जीजा को कॉल की तो उसने खुद को लोधी रोड पर होने की बात कही। इसके बाद से मृतका के पति का नंबर बंद आ रहा है। अंतिम लोकेशन के आधार पर पुलिस की टीमों ने दबिश देनी शुरू कर दी है। मोबाइल नंबर के आधार पर पति की तलाश जारी है।

कैंसर से पीड़ित थी महिला

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि महिला कैंसर से पीड़ित थी। लंबे समय से उसका एक निजी अस्पताल में उपचार चल रहा था। एक माह पहले ही महिला के कैंसर से ठीक होने की बात कही जा रही है। बीमारी की वजह से भी पति अक्सर रेणु से लड़ाई करता था। पति बिजनेसमैन है। आसपास के लोगों का कहना है नितिन पड़ोसियों से भी कम ही बात करता था। बीते दो दिनों से किसी ने पति को नहीं देखा था। मृतका के बेटे को भी मां की मौत होने की जानकारी दे दी गई है। सोमवार को मृतका का अंतिम संस्कार किया जाएगा।

वृहद स्तर पर फॉगिंग कराने के नगर आयुक्त ने निर्देश दिए

- **फॉगिंग मशीनो की मरम्मत व संख्या बढ़ाई जाए**

गाजियाबाद, 10 सितम्बर (देशबन्धु)। गाजियाबाद नगर निगम सीमा अंतर्गत समस्त बाजारों में तथा आंतरिक वार्डों में वृहद स्तर पर फॉगिंग का कार्य दिखाई दे रहा है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश अनुसार उपकरणों की मरम्मत करने के लिए संबंधित अधिकारी को आदेश दिए गए हैं। साथ ही फॉगिंग मशीनों की संख्या बढ़ाने के लिए भी निर्देशित किया गया है। जनहित में प्रत्येक वार्ड में प्रतिदिन फॉगिंग अभियान वृहद स्तर पर चलाया जाएगा इसके लिए नगर आयुक्त महोदय द्वारा नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मिथिलेश तथा संबंधित जोनल सैनिटरी ऑफिसर को निर्देश दिए हैं।

विक्रमादित्य सिंह मलिक नगर आयुक्त द्वारा समस्त पार्षदों से फॉगिंग की रिपोर्ट सुनिश्चित करने के लिए भी संबंधित को आदेशित किया गया है। पार्षदों की देखरेख में वार्ड के अंदर फॉगिंग कराई जा रही है बाजारों तथा अन्य बाहर के क्षेत्र में भी टेंपो के माध्यम से फॉगिंग का कार्य किया जा रहा है।

न हो लापरवाही : नगर आयुक्त

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक फॉगिंग तथा एंटी लारवा छिड़काव को लेकर बेहतर कार्य करने के लिए संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों को भी निर्देशित कर रहे हैं।

सफाई नायक अपने-अपने वार्डों में स्वयं उपस्थित होकर फॉगिंग का कार्य कर कर फोटो सहित कार्रवाई अखया प्रस्तुत करें इस प्रकार की कार्य योजना बनाई गई है, अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार यादव तथा नगर स्वास्थ्य प्रभारी डॉ. मिथिलेश को भी प्रतिदिन फॉगिंग की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए आदेशित किया गया है।

सार संक्षेप

रविवार को बारिश से मौसम हुआ सुहावना

नोएडा। दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में शनिवार रात से हो रही झमाझम बारिश से मौसम का मिजाज बदल गया है। रविवार सुबह भी तेज बारिश का सिलसिला बदस्तूर जारी रहा। बारिश के साथ चल रही हवाओं ने मौसम को ठंडा कर दिया। हालांकि, कुछ जगह सड़कों पर जलभराव भी देखने को मिला। दिल्ली-एनसीआर के आसमान में शनिवार से ही बादल छाए हुए हैं। मौसम विभाग (आईएमडी) ने भविष्यवाणी की है कि सोमवार को भी कुछ स्थानों पर बारिश होगी। बारिश के समय अधिकतम तापमान 28 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं नमी की मात्रा 90 प्रतिशत से ज्यादा रिकार्ड की गई। हवा की रफ्तार 7 से 10 किमी प्रति घंटा रही। बारिश की वजह से नोएडा में कुछ एक स्थानों पर लोकल फाल्ट हुई। जिससे बिजली सप्लाई बाधित रही। हालांकि इनको ठीक कर दिया गया।

13 से आयोजित होगा आयुष्मान भवः कार्यक्रम

नोएडा। आयुष्मान भवः कार्यक्रम के संबंध में रविवार को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में एक बैठक हुई। जिसमें मुख्य विकास अधिकारी, जिला पंचायती राज अधिकारी, डीपीओ आईसीडीएस, नोएडा और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी व स्वास्थ्य विभाग के समस्त अपर एवं उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी उपस्थित रहे। आयुष्मान भवः कार्यक्रम का शुभारंभ 13 सितम्बर को सुबह करीब 11 बजे राष्ट्रपति द्वारा किया जाएगा। जिसका सजीव प्रसारण टीवी पर किया जाएगा। इसके उपरांत मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में इस कार्यक्रम की शुरुआत की जाएगी। इसी प्रकार इस कार्यक्रम का शुभारंभ ब्लॉक स्तर पर भी किया जाएगा। कार्यक्रम के अंतर्गत 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक निम्नलिखित गतिविधियां आयोजित की जाएगी जिसमें सेवा पखवाड़ा स्वच्छता अभियान स्वैच्छिक रक्तदान शिविर एवं मानव अंग दान के लिए शपथ कार्यक्रम होंगे। इसके अलावा आयुष्मान आपके द्वार 3.0, आयुष्मान सभा, आयुष्मान स्वास्थ्य मेलों का आयोजन और आयुष्मान ग्राम व पंचायत आयुष्मान अर्बन वार्ड का चयन किया जाएगा।

सीसीटीवी कैमरों से बैटरी चुराने वाला तूफानी गैंग गिरफ्तार

नोएडा। थाना सेक्टर-39 नोएडा पुलिस ने टाटा ऐस व ई-रिक्शा में सवार होकर जनपद में रात और सुबह के समय

एक्सप्रेस-वे, चौराहे पर लगे सीसीटीवी कैमरो की बैटरी को चोरी करने वाले तूफानी गैंग के चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 54 बैट्री, अवैध हथियार, एक टाटा ऐस गाड़ी, एक ई-रिक्शा, एक इलैक्ट्रिक स्कूटी व अन्य सामान बरामद किया है। इनकी पहचान राजकुमार, तूफानी गुप्ता, संदीप गैंसेला, राम सिंह हुई है। पुलिस ने इन चारों को सेक्टर-96 अंडरपास के पास से गिरफ्तार किया है।

सपा नोएडा महानगर की मासिक बैठक संपन्न

नोएडा, 10 सितम्बर (देशबन्धु)। सपा नोएडा महानगर इकाई की मासिक बैठक का आयोजन नोएडा सेक्टर-31 स्थित बारात घर में राजेश अंबावता द्वारा व गौतम बुद्ध नगर के लोकसभा प्रभारी वीर सिंह यादव की अध्यक्षता व सपा नोएडा महानगर अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता के नेतृत्व में किया गया। वीर सिंह यादव ने वर्तमान सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आज केंद्र और राज्य सरकार की जन विरोधी नीतियों से आम

जनता पूरी तरह से प्रताड़ित है। बेलगाम होती महंगाई एवं बेरोजगारी पर सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है। महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता ने नोएडा महानगर से प्रदेश व राष्ट्रीय कार्यकारिणी में नियुक्त किए गए सभी नेताओं को बधाई व शुभकामनाएं दी, और कहा कि सपा कार्यकर्ताओं को पूरी मेहनत के साथ प्रत्येक बूथ स्तर पर वोट बढ़ाने का काम करना चाहिए, लोकसभा चुनाव भाजपा सरकार समय से न करा कर जल्दी करवा सकती है, इसलिए पार्टी कार्यकर्ताओं को अभी से ही कमर कस लेनी चाहिए। साथ ही साथ उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन की तरफ से जो भी प्रत्याशी गौतम बुद्ध नगर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ेगा समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर इकाई पूरी मेहनत के साथ उसको जीतने का काम करेगी।

किसानों व महिलाओं की समस्याओं को लेकर महापंचायत

नोएडा, 10 सितम्बर (देशबन्धु)। भारतीय किसान यूनियन मंच ने गढ़ी शाहपुर और शाहपुर गोवर्धनपुर में किसानों के साथ पंचायत की और किसानों व महिलाओं से उनकी समस्या पर चर्चा की। गढ़ी शाहपुर में पंचायत के अध्यक्षता बाबा धर्मवीर सिंह और गांव शाहपुर गोवर्धनपुर में पंचायत के अध्यक्षता सुरज प्रधान ने की। भारतीय किसान यूनियन मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुधीर चौहान ने सभी मुद्दों जैसे की आबादी विनिमतिकरण, 10 प्रतिशत व वर्ष 1997 से 64.7 अतिरिक्त प्रतिकर, 5 प्रतिशत के मूल प्लॉट, वर्ष 1976 से 1997 के बीच के सभी किसानो को किसान कोटा स्कीम आदि किसने की समस्याओं पर बारी-बारी से चर्चा हुई। सुरज प्रधान ने कहा कि नोएडा प्राधिकरण गांव शाहपुर गोवर्धनपुर के जिन किसानों के 5 प्रतिशत के प्लॉट नहीं दिए गए हैं। उन्हें तत्काल नोएडा प्राधिकरण भूलेख से बनाकर प्लानिंग विभाग में भेजें जिससे किसानों को अति शीघ्र प्लॉट मिल सके। भारतीय

किसान यूनियन मंच के राष्ट्रीय महासचिव गौतम लोहिया ने कहा कि जिन किसानों की आबादी केवल 440 मीटर तक ही विनियमितीकरण होनी है उनकी आबादी का नियमितीकरण तत्काल शुरू किया जाए। पेरिफेरल रोड के अंदर की गैर पुश्तैनी आबादी व 5 प्रतिशत के प्लाटों में कमर्शियल एक्टिविटी पर बनी कमेटी का भी अब निर्णय आना चाहिए। इस अवसर पर भाकियू मंच के संरक्षक सुरेंद्र प्रधान, सूरज प्रधान, चरण सिंह प्रधान, प्रमोद त्यागी विक्रम यादव वरिष्ठ उपाध्यक्ष, गौतम लोहिया राष्ट्रीय महासचिव,आशीष चौहान राष्ट्रीय अध्यक्ष युवा मोर्चा, मास्टर वीर सिंह संगठन मंत्री आदि मौजूद रहे।

नए सीईओ के बाद भी नहीं बदला प्राधिकरण का मिजाज : नोवरा

नोएडा, 10 सितम्बर (देशबन्धु)। नोएडा प्राधिकरण की सिटीजन चार्टर वेबसाइट और शिकायत प्रणाली अब भी ठप्प है। सिटीजन चार्टर की वेबसाइट में 'पब्लिक रिपोर्ट' आप्शन एक साल से बंद है। इससे कोई जानकारी नहीं मिल रही है। इसके आप्शन से प्राधिकरण को कितने समय में कितनी समस्याएं आम जनता से प्राप्त हुई, कितनी का समय से निराकरण हुआ और कितनी यू ही लटकी हुई हैं की जानकारी मिलती है। नोएडा के समाजसेवी रंजन तोमर ने मार्च में इसकी शिकायत लिखकर भारत सरकार से की, केंद्र सरकार ने आईजीआरएस के माध्यम से यह सवाल प्राधिकरण तक पहुंचाया, प्राधिकरण ने जवाबी पत्र में कहा था की वर्तमान में पब्लिक रिपोर्ट सेक्शन में तकनीकी समस्या होने के कारण वह ठीक प्रकार से काम नहीं कर रहा है, जिसके लिए नई संस्था के चयन किये जाने हेतु विभागीय स्तर पर निविदा व अन्य प्रक्रिया पर कार्यवाही की जा रही है, जिसमें लगभग 3 माह का समय लगना संभावित है। यह जवाब प्राधिकरण की सहायक महाप्रबंधक शोभा कुशवाहा ने आवेदक रंजन तोमर एवं विशेष कार्याधिकारी नोएडा प्राधिकरण को भेजा था। लेकिन आज छह माह होने पर भी शिकायत का निराकरण नहीं हुआ है।

नोवरा अध्यक्ष रंजन तोमर ने का कहा कि प्राधिकरण जान बूझकर सिटिज़न चार्टर के इस आप्शन पर काम नहीं कर रहा है। क्योंकि इससे प्राधिकरण की जवाबदेही बढ़ती है और प्राधिकरण ऐसे किसी भी काम से पीछे हटना चाहता है जिसमें उसे जवाबदेही का सामना करना पड़े।

सेवानिवृत आईएएस अजय शंकर पांडेय की माता जी का निधन

गाजियाबाद, 10 सितम्बर (देशबन्धु)। सेवानिवृत आईएएस अजय शंकर पांडेय माता त्याग की मूर्ति श्रीमती अमरावती देवी पाण्डेय का निधन हो गया। उनकी आयु 91 साल थी। वह अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गए।

श्री अमरावती पत्नी स्व. श्री रामप्रकाश पाण्डेय (पूर्व जिला जज) ने एक सफल, पारदर्शी, ममतामयी, करुणार्द्र, तपस्वी जीवन यात्रा पूर्ण करने के उपरान्त रविवार को इस नश्वर संसार को अलविदा कहा। आज वे अपने पीछे एक शिक्षित, प्रतिष्ठित भरापूरा परिवार छोड़ कर गई हैं। श्रीमती अमरावती देवी के 5 पुत्र एवं 4 पुत्रियां है, जो सभी उच्च पदों पर पदस्थापित है। उनके संस्कारों के बदौलत ही आज उन्होंने राज्य में ही नहीं सम्पूर्ण देश में परिवार का नाम रोशन किया है। इनके भरेपूरे परिवार में हरि शंकर पाण्डेय (आई.ए.एस.), विजय शंकर पाण्डेय, (आई.ए.एस.), डॉ. अजय शंकर पाण्डेय (आई.ए.एस.), संजय शंकर पाण्डेय (पूर्व जिला जज), विनय शंकर पाण्डेय (आई.ए.एस.) (पुत्र) श्रीमती उषा त्रिपाठी, शशि मिश्रा, कनक त्रिपाठी (आई.ए.एस.) अन्नु मिश्रा (पुत्री), डॉ. विप्र पाण्डेय, आई.एफ.एस., डॉ. मोहित पाण्डेय, डॉ. कनिष्क पाण्डेय, मिलिन्द पाण्डेय, सिद्धान्त शंकर पाण्डेय, अविरल पाण्डेय (पौत्र) है। इनका अंत्योष्टि कार्यक्रम 11 सितम्बर, 2023 सोमवार को प्रात: 09.00 बजे प्रयागराज स्थित रसूलाबाद घाट पर सम्पन्न होगा।

भारतीयता की अनूठी पहचान है भारतीय सिनेमा

नोएडा, 10 सितम्बर (देशबन्धु)। प्रेरणा शोध संस्थान न्यास और गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के तत्वावधान में भारत का आत्मबोध विषय पर आधारित प्रेरणा विमर्श 2023 का 1 से 3 दिसम्बर तक आयोजन होने जा रहा है। विमर्श के अंतर्गत मीडिया की सभी विधा के साथ लेखक विमर्श, मीडिया शिक्षक एवं छात्र विमर्श के साथ ही प्रेरणा चित्रभारती फिल्मोत्सव पर आधारित एक विशेष सत्र का भी आयोजन होने जा रहा है। इस संदर्भ में रविवार को लखनऊ में यूपी उत्तराखण्ड के संयुक्त प्रचार प्रमुख कृपा शंकर के नेतृत्व में प्रेरणा चित्र भारती फिल्म फेस्टिवल के पोस्टर का लोकार्पण लखनऊ की फिल्म सोसाइटी अवध चित्र साधना की ओर से किया गया।

- **1 से 3 दिसम्बर भारत का आत्मबोध पर किया जाएगा मंथन**

गार्डेनिया बिल्डर के खिलाफ ग्लोरी निवासियों ने खोला मोर्चा

नोएडा, 10 सितम्बर (देशबन्धु)। गार्डेनिया एम्स ग्लोरी सेक्टर-46 समिति के निवासियों ने रविवार को एक बड़ी मीटिंग करके बिल्डर मनोज राय के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। समिति के निवासियों का आरोप है कि बिल्डर में ऐसे लोगों को मैनेजमेंट सौंप दिया है जिन्होंने बिना स्थानीय निवासियों को भरोसे में लेकर चुपचाप एक एओए का गठन कर लिया। समिति के निवासियों ने सैकड़ों लोगों के हस्ताक्षर करके एक राजिनामा नोएडा प्राधिकरण के सीईओ और जिलाधिकारी को दिया है। गार्डेनिया ग्लोरी सोसायटी के बिल्डर ने अथॉरिटी का करोड़ों रुपया नहीं चुकाया है। इस वजह से निवासी पहले से ही परेशान है और अब बिल्डर मनोज राय के इस कदम ने लोगों के मन में आक्रोश भर दिया है। रेजिडेंट्स का प्रतिनिधित्व कर रहे आशीष सिन्हा का कहना है कि इस तरह की हरकतों से बिल्डर गार्डेनिया ग्लोरी के निवासियों में फूट डालने का काम तो कर ही रहा है साथ ही अथॉरिटी के निर्देशों का भी उल्लंघन

कर रहा है। ग्लोरी के निवासी और संघर्ष समिति के महासचिव अनुराग द्विवेदी के मुताबिक बिल्डर की मनमानी के खिलाफ रविवार को स्थानीय लोग जमा हुए और उन्होंने भारी तादाद में दस्तखत करके इस हरकत का विरोध किया। ग्लोरी के निवासियों ने तय किया है कि वह फिलहाल मेंटेनेंस नहीं चुकाएंगे और आगे और भी बड़े कदम उठाए जा सकते हैं। संघर्ष समिति के लोग इस बार आर पार की लड़ाई के मूड में है और उन्होंने चुनौती देते हुए कहा है कि वह इस लड़ाई को सड़क से लेकर अदालत तक लड़ेंगे।

- **बड़ी संख्या में रेजिडेंट्स ने मेंटेनेंस चुकाने से किया इनकार**

जागरूकता कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वालों को अतिरिक्त सावधानी की जरूरत

डेंगू से बचाव के लिए मच्छर जनित परिस्थितियां पैदा न होने दें : सीएमओ

गाजियाबाद, 10 सितम्बर (देशबन्धु)। यह मौसम डेंगू के लिहाज से अति संवेदनशील है। हर बीमारी की तरह डेंगू के मामले में भी बचाव और समय रहते उपचार के लिए लक्षणों की पहचान जरूरी है। विशेषज्ञों का कहना है कि बच्चों-बुजुर्गों और किसी बीमारी के चलते कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वालों को बिना बुखार आए भी डेंगू के मामले सामने आ रहे हैं। ऐसे मामलों में थकान और शरीर में दर्द होता है, रोगी का ब्लड प्रेशर कम हो जाता है, सांसें तेज चलने लगती हैं। मधुमेह रोगियों को शुगर लेबल बढ़ जाता है। सीएमओ डॉ. भवतोष शंखधर बताते हैं कि डेंगू समेत तमाम मच्छर जनित बीमारियों से बचाव का सबसे बेहतर उपाय है।

कि मच्छर जन्य परिस्थितियां ही पैदा न होने दें, इसके लिए डोमेस्टिक ब्रीडिंग चेकर (डीबीसी) संवेदनशील क्षेत्रों में घर-घर मच्छर जनित स्रोत नष्ट करने और लोगों को जागरूक करने का काम कर रहे हैं। डेंगू के लक्षण आने पर चिकित्सक से परामर्श लेने में देर न करें। सीएमओ ने कहा कि संतुलित और पौष्टिक आहार लें और नियमित अंतराल पर पानी और अन्य पेय पदार्थ पीते रहें। डेंगू के मामले में सावधान रहने की जरूरत है। समय से उपचार न होने पर स्थिति बिगड़ सकती है। इसलिए डेंगू के लक्षण आने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर चिकित्सक से परामर्श लें, बिना चिकित्सक से परामर्श लिए केमिस्ट से दवा लेकर न खाएं। तरल पदार्थ ज्यादा लें। जिला एमएमजी चिकित्सालय में 24 घंटे डेंगू जांच की सुविधा उपलब्ध है।

जिला सर्विलांस अधिकारी (डीएसओ) डॉ. आरके गुप्ता ने कहा कि डेंगू का संक्रमण एडीज मच्छर के काटने से फैलता है, यह मच्छर

- **बच्चों-बुजुर्गों और डायबिटीज, रक्तचाप व कैंसर रोगियों की प्रतिरोधक क्षमता होती है कमजोर**

अधिकतर घर के अंदर पाया जाता है और साफ व रुके हुए पानी में पनपता है।

यह दिन में काटता है। मलेरिया का संक्रमण फैलाने वाला मादा एनाफ़िलीज मच्छर घर के बाहर गंदे और रुके हुए पानी में पैदा होता है। अंडे से मच्छर बनने में एक सप्ताह का समय लगता है। इसलिए हर सप्ताह पानी के कंटेनर जैसे कूलर, फ्रिज और एसी की ट्रे साफ करते रहने की सलाह दी जाती है। मच्छरों से बचाव के लिए पूरे शरीर को ढकने वाले ढीले कपड़े पहनें और सोने के लिए मच्छरदानी का प्रयोग करें।

कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वालों को विशेष रूप से सावधान रहने की जरूरत है। बच्चों- बुजुर्गों और डायबिटीज, रक्तचाप, हृदय रोगियों, टीबी रोगियों और कैंसर रोगियों की प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है। कुछ मामलों में बुखार नहीं होता और अन्य लक्षण भी थोड़े हल्के होते हैं, ऐसे में कई बार डॉक्टर के पास जाने में देर हो जाती है, और वही खतरे का कारण बन सकती है। डेंगू में प्लेटलेट्स कम होने के साथ ही रेड और व्हाइट ब्लड सेल समेत कई चीजें डिस्टर्ब हो जाती हैं और सांस लेने में भी दिक्कत हो सकती है। बीपी और शुगर के रोगी खासतौर पर सचेत रहें, बीपी कम होने या शुगर बढ़ने पर चिकित्सक से परामर्श जरूर लें।

सामान्य डेंगू के लक्षण

तेज बुखार, शरीर में तेज दर्द, उल्टियां, शरीर पर चकत्ते, कमजोरी।

स्पेक्ट्रम मेट्रो में सबसे बड़े पारिवारिक मनोरंजन केंद्रों का अनावरण

नोएडा, 10 सितम्बर (देशबन्धु)। नोएडा के सेक्टर-75 में स्थित स्पेक्ट्रम मेट्रो ने नोएडा के सबसे विशाल पारिवारिक मनोरंजन केंद्र की शुरुआत की है, जो 71000 वर्ग फुट के प्रभावशाली क्षेत्र को कवर करता है। इसकी शुरुआत होने से स्पेक्ट्रम मेट्रो को पारिवारिक मनोरंजन और अलग-अलग गतिविधियों के केंद्र के रूप में स्थापित किया है। सुविधा की बात करें तो यहां मनोरंजन पार्क, फिटनेस और खेल के अनुभवों के साथ-साथ फैमिली एंटरटेनमेंट सेंटर और शारीरिक गतिविधियों के लिए बेहतरीन माहौल है। स्पेक्ट्रम मेट्रो जन्मदिन पार्टियों, स्कूल की सैर और कॉर्पोरेट समारोहों जैसे विविध कार्यक्रमों के लिए एक आदर्श स्थान बनाता है। यह इनडोर खेल और पारिवारिक मनोरंजन पार्क फर्श और दीवारों पर 100 से अधिक इंटरकनेक्टेड ट्रैम्पोलिन का नेटवर्क समेटे हुए है। उत्साही लोग अपने मन की इच्छानुसार उछल-कूद कर सकते हैं और रोमांचक ट्रैम्पोलिन गेम्स में शामिल हो सकते हैं, जिनमें डॉजबॉल,

बास्केटबॉल हुप्स, वॉल क्लाइम्बिंग, बीम बोतल, रस्सी सीढ़ी, निंजा सर्किट, टॉप वॉलीबॉल, टाइट रोप वॉकिंग, जिम्नास्टिक लेन और वॉल वॉक ऑन परफॉर्मेंस ट्रैम्पोलिन शामिल हैं। पार्क का मुख्य आकर्षण इसका विशाल फोम पिट है, जो आगंतुकों को इसकी गद्दीदार गहराई में कूदने और डूबने के रोमांच का अनुभव करने के लिए आमंत्रित करता है। लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए स्पेक्ट्रम मेट्रो के वाइस प्रेसिडेंट (सेल्स एंड मार्केटिंग) अजेंद्र सिंह ने कहा कि हम फैमिली एंटरटेनमेंट सेंटर पेश करते हुए रोमांचित हैं।

उवाच

कन्या शिक्षित हों, आगे बढ़े, उनमें ऊर्जा का संचार हो, निडर बने तथा उनका मार्ग दर्शन कर उन्हे इस लायक बनाया जाए, जिससे वह स्वयं को अपने परिवार के साथ-साथ मजबूत समाज का निर्माण कर सके। विधायक ने छात्राओं से जब पूछा कि वह क्या बनना चाहते है, तो कुछ ने वकील, पुलिस, इंजीनियर तथा टीचर बनने की तमन्ना जाहिर की। **धीरेंद्र सिंह, विधायक**

कैपिटल ज़ोन

लखनऊ में होने वाली महापंचायत को लेकर किसानों ने की बैठक

ग्रेटर नोएडा,10 सितम्बर (देशबन्धु)। लखनऊ में होने वाली 18 सितम्बर को राष्ट्रीय महापंचायत एवं किसानों की समस्याओं को लेकर बैठक तिरूपति बालाजी भट्टा, दनकोर में हुई। जिसकी अध्यक्षता सूबेदार ने तथा संचालन राजीव मालिक ने किया। इस दौरान किसानों की समस्या को लेकर चर्चा की गई, जिसमें किसानों ने अपने-अपने सुझाव दिए। बैठक में कई पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिसमें राजे प्रधान, पवन खटाना, अनित कसाना, सुरेंद्र ढाक, रोबिन नागर जिलाध्यक्ष, विनोद शर्मा, जगत प्रधान, भगतसिंह प्रधान, ललित चौहान, बृजपाल, सुनहरा रन्हेरा, महेश खटाना, प्रीतम नागर, डेरिन बली भाटी, अरविंद लोहिया, बाबूजी लाल यादव, विक्रांत चौधरी, जित्ते गुर्जर, पीतम अटटा, रियासत चेची, अरविंद भाटी, साकिर सैफी, सोनू कसाना, नगेश चपराना मौजूद रहे।

यीडा के अपैरल पार्क में भूखंडों के लिए उद्यमियों में लगी होड़

ग्रेटर नोएडा,10 सितम्बर (देशबन्धु)। उत्तर प्रदेश में पहली बार कलस्टर के रूप में औद्योगिक क्षेत्रों को विकसित करने की शुरुआत की गई है। यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) में अपैरल पार्क क्लस्टर की स्थापना कर रही है। ये यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण द्वारा स्थापित पहला औद्योगिक कलस्टर है। इस कल्स्टर में अपने उद्योग लगाने को लेकर उद्यमियों में जबर्दस्त उत्साह देखा जा रहा है। उसका उदाहरण ये है कि भूखंड आवंटित होने के बावजूद अभी भी 70 से अधिक औद्योगिक इकाइयों द्वारा यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण में टेक्स्टाइल क्लस्टर के भूखंडों की मांग की जा रही है। उल्लेखनीय है कि सेक्टर 29 में इस अपैरल पार्क कलस्टर की स्थापना की गई है, जिसका कुल क्षेत्रफल 175 एकड़ है। इसमें कुल 89 भूखंड है जिनमें से 81 भूखंड आवंटित किए जा चुके हैं तथा 64 भूखंडों का लीज प्लान तथा चेक लिस्ट जारी की जा चुकी है। इनमें से 39 भूखंडों पर भौतिक कब्जा पत्र भी आवंटियों को वितरित किया जा चुका है। इस अपैरल पार्क के कारण ही गौतमबुद्धनगर को सिटी ऑफ अपैरल के नाम से भी जाना जाता है।

दिल्ली-नोएडा एक्सप्रेस-वे से जोड़ा जा रहा अपैरल पार्क

प्राधिकरण के औद्योगिक क्षेत्र के अंदर कन्वेन्शन सेंटर, एग्जिबिशन सेंटर वा डेडिकेटेड कार्गो की स्थापना की जाएगी। जेवर में निर्माणाधीन नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट में डेडिकेटेड कार्गो विकसित किया जाएगा। वर्तमान में कार्गो के अंदर सबसे अधिक हिस्सेदारी करीब 37 फीसदी वस्त्र उद्योग की है। जेवर से कार्गो दिल्ली से भी सस्ता पड़ेगा क्योंकि यहां पर फ्यूल पर केवल 1 फीसदी का वैट सरकार द्वारा लगाया जा रहा है। प्राधिकरण के सीईओ अरुणवीर सिंह के अनुसार प्राधिकरण के इस अपैरल पार्क को बल्लभगढ़ के पास से दिल्ली-नोएडा एक्सप्रेस-वे से जोड़े जाने पर एनएचएआई द्वारा कार्य शुरू कर दिया गया है। प्राधिकरण क्षेत्र में रैपिड रेल एनसीआरटीसी की स्टडी भी प्रारंभ करा दी गई है। इस क्षेत्र में देश का पहला और विश्व का छठा पॉड टैक्सी सिस्टम बनाया जाएगा, जिसके लिए प्राधिकरण द्वारा अंतरराष्ट्रीय निविदा भी जारी की जा चुकी है। साथ ही पीआरटी सिस्टम की प्री बिड बैठक में विश्व की सभी सर्वश्रेष्ठ कंपनियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

- प्रदेश में कलस्टर के रूप में औद्योगिक क्षेत्रों को विकसित कर रही योगी सरकार
- सेक्टर 29 में 175 एकड़ भूमि में हो रही अपैरल पार्क कलस्टर की स्थापना
- कुल 89 भूखंडों है में से 81 भूखंड किए जा चुके हैं आवंटित
- 64 भूखंडों का लीज प्लान तथा चेक लिस्ट प्राधिकरण कर चुका है जारी
- औद्योगिक क्षेत्र में कन्वेन्शन सेंटर, एग्जिबिशन सेंटर व डेडिकेटेड कार्गो की होगी स्थापना

स्किल डेवलपमेंट सेंटर के लिए नि:शुल्क मिलेगी भूमि

प्राधिकरण द्वारा उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में औद्योगिक भूखंडों पर दी जा रही 1.5 एफएआर को बढ़ाकर 2.0 करने का फैसला लिया गया है जिसपर शासन स्तर से जल्द मंजूरी मिलने की संभावना है। साथ ही औद्योगिक भूखंडों में ग्राउंड कवरेज को बढ़ाकर 60 फीसदी करने का भी निर्णय लिया गया है। सीईओ द्वारा प्रदेश के अंदर और बाहर के उद्योगपतियों से निवेदन किया गया है कि अपने उद्योगों में स्थानीय युवाओं को रोजगार प्रदान करें तथा रोजगार प्रदान करने के लिए स्किल डेवलपमेंट सेंटर की स्थापना करें। यदि इसके लिए भूमि की आवश्यकता पड़ती है तो प्राधिकरण नि:शुल्क जमीन उपलब्ध कराने को तैयार है।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने शुरू किया मेरी माटी मेरा देश अभियान

जेवर,10 सितम्बर (देशबन्धु)। भाजपा के जेवर मंडल अध्यक्ष अशोक शर्मा की अध्यक्षता में रविवार को मेरी माटी मेरा देश अभियान की शुरुआत की गई। इस अभियान मे देश के शहीदों के नाम अमृत महोत्सव के अवसर पर कलश में प्रत्येक घर से दो चुटकी माटी व चावल को एकत्रित किया गया। अभियान के संयोजक मंडल के महामंत्री रोहित ठाकुर रहे। अभियान के तहत रविवार को गांव धनसिया, दस्तमपुर, मिलक करीमावाद, गढ़ी, शमशमनगर, झुप्पा आदि गांव से की गई। इस मौके पर बूथ अध्यक्ष दीपक ठाकुर, उमेश,तारा चंद, रोहित शर्मा, ज्वाला प्रसाद आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सार संक्षेप

घर से सामान लेने निकली छात्रा संदिग्ध परिस्थिति में गायब

ग्रेटर नोएडा। बादलपुर कोतवाली क्षेत्र स्थित एक कॉलोनी से घर से बाहर सामान लेने गई छात्रा के संदिग्ध परिस्थिति में गायब होने का मामला सामने आया है। इस मामले रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस छात्रा की तलाश में लगी है। पुलिस के मुताबिक जीटी रोड स्थित छपरौला गांव के पास कॉलोनी में एक परिवार रहता है। बीते 6 सितम्बर को 12वीं की छात्रा दोपहर के समय घर से सामान लेने के लिए बाहर गई थी। जब वह शाम तक घर वापस नहीं लौटी तो परिजनों को चिंता हुई। उसके बाद परिजनों ने आसपास तलाश किया, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। परिजनों ने सगे संबंधियों के यहां संपर्क कर जानकारी ली गई, लेकिन कुछ पता नहीं चला। इस मामले में कोतवाली बादलपुर में छात्रा के संदिग्ध परिस्थिति में गायब होने के मामले में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस छात्रा की तलाश में लगी है।

बारिश के कारण पानी भर जाने से दंगल का आयोजन रद्द

दनकौर। दनकौर कस्बा स्थित श्री गुरु द्रोणाचार्य मंदिर परिसर में श्री कृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष में प्रत्येक वर्ष 10 दिवसीय मेले का आयोजन होता है। इस बार यह मेल सात सितम्बर से 17 सितम्बर तक चलेगा। शनिवार से सोमवार तक चार दिवसीय दंगल का आयोजन घोषित किया गया था। इस दंगल में भाग लेने के लिए कई प्रदेशों के खिलाड़ी भी मेला परिसर में पहुंचे। लेकिन शनिवार और रविवार को बारिश के कारण आयोजकों को दंगल रद्द करना पड़ा। दंगल रद्द होने के चलते लोगों में मायूसी रही। गौशाला समिति के अध्यक्ष और मेला आयोजक रजनीकांत अग्रवाल ने बताया कि सोमवार और मंगलवार को दंगल का आयोजन कराया जाएगा। शनिवार की रात वीर हकीकत राय नाटक का मंचन किया गया, जबकि रविवार की रात मायावी सरोवर और झलकारी बाई नाटक का मंचन किया गया। मेला और नाटकों को देखने के लिए क्षेत्र समेत दूरदराज से हजारों लोग पहुंचे।

इंटर कॉलेज रन्हेरा की छात्राओं को विधायक ने पहनाई घड़ियां

जेवर,10 सितम्बर (देशबन्धु)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के दूसरे चरण मे विस्थापित होने वाले गांव रन्हेरा के इंटर कॉलेज में रविवार को जेवर विधायक ने इंटर की छात्राओं के हाथ मे घड़िया बांधकर हौंसला अफजाई की। विधायक धीरेंद्र सिंह रविवार को गांव रन्हेरा के इंटर कॉलेज मे पहुंचे और उन्होंने रक्षाबंधन माह में राखी बंधन के साथ-साथ 27 छात्राओं के हाथ में घड़ी बांधकर उनका हौंसला बढ़ाया। जिससे छात्राओं में ऊर्जा का संचार हुआ तथा उनमें अधिक कर गुजरने का जज्बा भर दिया। विधायक ने कहा कि छात्राओं का हौंसला बढ़ाने से वह राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की लिए तैयार हो सकेंगी। उन्होंने कहा कि कन्या शिक्षित हों, आगे बढ़े, उनमें ऊर्जा का संचार हो, निडर बने तथा उनका मार्ग दर्शन कर उन्हे इस लायक बनाया जाए, जिससे वह स्वयं को अपने परिवार के साथ-साथ मजबूत समाज का निर्माण कर सके। विधायक ने छात्राओं से जब पूछा कि वह क्या बनना चाहते है, तो कुछ ने वकील, पुलिस, इंजीनियर तथा टीचर बनने की तमन्ना जाहिर की। धीरेंद्र सिंह ने छात्राओं की मर्जी के अनुरूप उनके भविष्य की पढ़ाई और करियर निर्माण में हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया। इस मौके पर विद्यालय के अध्यापक लेखराज सिंह, महेंद्र शर्मा, रवि शर्मा, इंजीनियर केपी सिंह, कुलदीप सिंह, भोला शर्मा, डॉली मास्टर, ओमप्रकाश सिंह, सुधीर त्यागी, गौरी, ज्योति, सपना, प्रियंका, सलोनी, तनु, पायल गर्ग, चांदनी, काजल, अफसाना, मोनिका, पायल आदि छात्राएं मौजूद रहीं।

बड़े बेटे ने पहले पिता की हत्या की, फिर दी मुखाग्नि

दनकौर,10 सितम्बर (देशबन्धु)। दनकौर कोतवाली क्षेत्र के बल्लूखेड़ा गांव में बीते बुधवार की रात दोहरा हत्याकांड हुआ था। घटना के बाद से ही पुलिस की चार टीमें में आरोपी की तलाश में जुटी थी। रविवार को पुलिस ने इस मामले में खुलासा करते हुए एक मृतक के बड़े बेटे को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने प्रेस वार्ता कर बताया कि प्रॉपर्टी का विवाद और मां को तलाक देने के बाद ही उसने अपने पिता की हत्या को अंजाम दिया। साथ ही दूसरे मृतक को गलती से मारने की बात भी स्वीकार की। पुलिस द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

ज्ञात होगी बीते बुधवार की रात बल्लूखेड़ा गांव में एक फार्म हाउस पर सो रहे दो दोस्तों रामकुमार (62) और विक्रमजीत (45) की फावड़े से गर्दन काट कर हत्या कर दी गई थी। हत्या के बाद मौके पर पहुंची पुलिस फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉड ने घटनास्थल की गहनता से जांच की जहां से कुछ सबूत हाथ लगे। उन्हीं सबूतों के आधार पर पुलिस की टीम आरोपी की पहचान करने में जुटी थी। रविवार की सुबह पुलिस द्वारा मृतक विक्रमजीत के बेटे जैसमीन को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया। जब पुलिस द्वारा सख्ती से पूछताछ की गई तो आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। जैसमीन ने पुलिस को बताया कि उसका पिता बीते कई वर्षों से अय्याशी कर रहा था जिसके चलते काफी प्रॉपर्टी बेच चुका था। हाल ही में उसके पिता विक्रमजीत के द्वारा टप्पल में करीब डेढ़ बीघे जमीन को 30 लाख रुपए में बेचा गया था जिसको अय्याशी में खर्च कर दिया। इसके अलावा किसी अन्य महिला से भी विक्रमजीत के अवैध संबंध थे जिससे वह जल्द ही शादी करने वाला था। जबकि जैस्मिन की मां मजदूरी कर बच्चों का पालन पोषण कर रही थी। जब भी जैस्मिन अपनी मां को मजदूरी और पिता को अय्याशी करते देखता तो उसे अपने पिता पर गुस्सा आ जाता था। करीब 1 वर्ष पहले वह अपने पिता की हत्या करने की ठान चुका था लेकिन इसके बारे में परिवार के किसी सदस्य को जानकारी नहीं दी।

बुधवार को जिस समय उसका पिता अपने दोस्त रामकुमार के साथ फार्म हाउस पर सो रहा था तो जैस्मिन ने जाकर वहां रखे हावड़ा से अपने पिता की गर्दन काट दी। आहट के बाद जब रामकुमार के जैन की आशंका हुई तो उसे पर भी फावड़े से हमला कर दिया। दोनों इस हमले से जिंदे न बच जाए इसके लिए उनके सिर पर बसूली से भी कई बार किए गए। हालांकि रामकुमार की हत्या करने का जैस्मिन को अफसोस है।

जैस्मिन ने पुलिस को बताया की हत्या करने के बाद उसके कपड़े खून से गंदे हो गए थे जिन्हें उसने अपने घर में ही छुपा दिया। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने खून से सने कपड़े और घटना में प्रयुक्त फावड़ा और वसूली को अपने कब्जे में ले लिया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया जहां से जेल भेज दिया गया है।

- बल्लूखेड़ा में हुए दोहरे हत्याकांड का पुलिस ने किया खुलासा
- पारिवारिक विवाद में पिता ने मां को दिया था तलाक
- जमीन बेचने के मिले पैसे की फिजूल खर्ची लेकर हुआ था विवाद

साईं अक्षरधाम स्कूल के बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

ग्रेटर नोएडा,10 सितम्बर (देशबन्धु)। इनर व्हील क्लब नवीन ग्रेटर नोएडा ने साईं अक्षरधाम स्कूल में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें सभी छात्रों ने बढ़-चढ़ के हिस्सा लिया। इस अवसर पर क्लब की सदस्य सुनीता गर्ग कार्यक्रम की चेयरपर्सन रही। कार्यक्रम में प्रधान अनीता सिंगला ने बच्चों को पढ़ने के लिए प्रेरित किया एवं उनका मार्गदर्शन करते हुए बताया कि कैसे वे पढ़ कर अलग-अलग रोजगार पाकर जीवन में आगे बढ़ सकते हैं। इस अवसर पर क्लब के सदस्य मोनिका दुआ, एडिटर, शैली गर्ग आदि रहे। क्लब ने संचालिका लक्ष्मी सूर्यकला का विशेष रूप से धन्यवाद किया। रिफ्रेशमेंट के तौर पर बच्चों को खाद्य सामग्री भेंट किया गया।

गांवों के साथ यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में कस्बों की बदलेगी सूरत

ग्रेटर नोएडा,10 सितम्बर (देशबन्धु)। यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण गांवों के साथ-साथ कस्बों की भी सूरत बदलेगा। कस्बों का सौंदर्यीकरण होगा और पुरानी विरासत को सहेजा जाएगा। इसके लिए आगामी बोर्ड बैठक में प्रस्ताव रखा जाएगा। यमुना प्राधिकरण अपने अधीन आने वाले गांवों को स्मार्ट विलेज में तब्दील कर रहा है। गांवों में शहर जैसी सुविधाओं को दिए जाने का दावा किया जा रहा है। प्राधिकरण क्षेत्र में दनकौर, रबूपुरा, जेवर और जहांगीरपुर नगर पंचायत आती है। इन स्थानीय निकायों में विकास कार्य होते रहते हैं। यह क्षेत्र अपने में महाभारतकालीन इतिहास को समेटे हुए है। दनकौर का द्रोण मंदिर इसका बड़ा उदाहरण है। जेवर महर्षि जाबालि ऋषि की धरती है। यह इलाका यमुना प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में आता है। प्राधिकरण अब इन कस्बों की सूरत बदलेगा। यहां पर विकास कार्य कराए जाएंगे। प्राधिकरण की 13 सितम्बर को बोर्ड बैठक है। बैठक में इन कस्बों को और विकसित करने के लिए प्रस्ताव रखा जाएगा। अगर प्रस्ताव पास होता है तो इस पर काम शुरू हो जाएगा।

स्वास्थ्य जांच शिविर में लोगों ने बढ़चढ़कर लिया हिस्सा

ग्रेटर नोएडा,10 सितम्बर(देशबन्धु)। शारदा वेलफेयर फाउंडेशन ने ममूरा स्थित बारात घर में आईटेल मोबाइल कंपनी के सहयोग से ग्रामीणों के लिए नि:शुल्क जांच शिविर लगाया। कैंप में करीब 300 लोगों की जांच की गई। जिसमें पुरुष के मुकाबले महिलाओं की संख्या ज्यादा रही। इस दौरान 3 डॉक्टर की टीम में डेंटिस्ट, गाइनकॉलजिस्ट और जनरल फिजिशियन रहे। डॉक्टर ने लोगों की दांतों और महिलाओं में होने वाली बीमारियों की जांच की और उनके उपाय भी बताए। इस दौरान शारदा हॉस्पिटल के डॉक्टर मोनिका उपध्याय, डॉ अक्षय चुग, डॉ साक्षी शुक्ला, शारदा वेलफेयर फाउंडेशन के अस्सिटेंट रजिस्ट्रार देश राज सिंह और आईटेल मोबाइल कंपनी के अधिकारी मौजूद रहे।

रिश्वत की मांग करते एक और ऑडियो वायरल

रबूपुरा,10 सितम्बर (देशबन्धु)। कबाड़ी से रिश्वत मांगने का ऑडियो वायरल होने पर पुलिसकर्मियों के विरुद्ध हुई कार्रवाई होने का मामला अभी शांत नहीं हुआ है तथा इसी बीच खनन माफिया से हजारों की रिश्वत मांगने का एक और ऑडियो सामने आ गया। सोशल मीडिया पर वायरल ऑडियो में खनन माफिया और सिपाही की बातचीत होने का दावा किया जा रहा है। जिसमें कथित सिपाही खनन माफिया को समय से पैसे नहीं देने पर हड़काते हुए कह रहा है कि मैं तुम्हारे बाप की नौकरी नहीं करता हूं। सोशल मीडिया पर प्रसारित ऑडियो के मुताबिक पहला व्यक्ति दूसरे व्यक्ति पर फोन करता है जिसमें वह उससे 10 हजार रुपए मांग रहा है। बातचीत में दूसरा व्यक्ति कह रहा है कि उसने पैसे भेज दिए हैं लेकिन जो पैसे लेकर गया है वह शराब पीकर घर पर सो गया होगा मैं आपको पैसे सुबह भिजवा दूंगा। उक्त बात पर खनन माफिया को हड़कते हुए कह रहा है कि मैं आपके बाप का नौकरी नहीं करता हूं। जो आपके डंपरों को बार-बार बंद करता रहूं। क्षेत्र में चर्चा है कि यह ऑडियो कोतवाली क्षेत्र में सक्रिय खनन माफिया व कोतवाली में तैनात एक सिपाही के बीच हुई वार्ता का है।

हालांकि इसकी अभी पुष्टि नहीं हो सकी है ऑडियो किस सिपाही का है। जबकि सूत्रों का दावा है कि क्षेत्र में खनन का कारोबार पुलिस संरक्षण में धड़ल्ले से किया जाता है। गौरतलब है दो 2 दिन पूर्व कबाड़ी से एक लाख की रिश्वत मांगने के आरोप में कोतवाली में तैनात सिपाही को पुलिस सेवा से बर्खास्त करते हुए उप निरीक्षक को निलंबित किया गया है तथा थाना प्रभारी के खिलाफ जांच की जा रही है। इसी दौरान एक और ऑडियो वायरल होने से पुलिस कार्यशैली फिर सुर्खियों में है।

यूपी के 12 शहरों की उत्कृष्ट शिल्प कलाओं का भी किया जाएगा प्रदर्शन

ग्रेटर नोएडा,10 सितम्बर (देशबन्धु)। योगी सरकार प्रदेश के स्टार्टअप्स, उद्योगों और सूक्ष्म लघु मध्यम उद्यम (एमएसएमई) व स्थानीय शिल्प कलाओं को अंतरराष्ट्रीय फलक पर पहचान दिलाने के लिए 21 से 25 सितम्बर तक यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2023 का आयोजन करने जा रही है। ग्रेटर नोएडा में आयोजित होने वाले इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में उत्तर प्रदेश के दो हजार से ज्यादा एग्जीबिटर्स अपने अपने उत्पादों का प्रदर्शन करेंगे। इसमें प्रदेश की शिल्पकलाओं के साथ ही नव उद्यमियों की मेधा से सृजित उत्पादों से दुनियाभर के बायर्स तक पहुंच बनाने का प्रयास होगा। इसके अलावा इंटरनेशनल ट्रेड शो परिसर में हॉल ऑफ टाउन ऑफ एक्सपोर्ट एक्सिलेंस में यूपी के 12 शहरों की उत्कृष्ट शिल्प कलाओं का भी प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही प्रदेश में मौजूद हेल्थ एंड वेलनेस सेक्टर के मजबूत आधार को भी इस ट्रेड शो के जरिए दुनियाभर के बायर्स के सामने प्रदर्शित किया जाएगा।

- यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में 2 हजार से ज्यादा एग्जीबिटर्स प्रस्तुत करेंगे अपने उत्पाद
- एग्रीकल्चर, डिफेंस, फिल्म, ओडीओपी, आईटी क्षेत्र के नवीन उत्पादों को प्रदर्शित करेंगे एग्जीबिटर्स
- हॉल ऑफटाउन ऑफ एक्सपोर्ट एक्सिलेंस में दिखेगी यूपी के शहरों की उत्कृष्ट शिल्पकारी
- उत्तर प्रदेश के समृद्ध हेल्थ एंड वेलनेस सेक्टर का बड़े स्तर पर होगा प्रदर्शन
- रंगारंग आयोजनों से भव्य होगा तीन दिवसीय यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2023

इन सेक्टर्स के एग्जीबिटर्स प्रदर्शित करेंगे अपने प्रोडक्ट

ग्रेटर नोएडा में आयोजित होने जा रहे इंटरनेशनल ट्रेड शो के दौरान प्रदेश के दो हजार से भी ज्यादा एग्जीबिटर्स अपनी कलाओं के साथ मौजूद होंगे। इनमें एग्रीकल्चर और हॉर्टीकल्चर, डिफेंस कॉरिडोर, ई कॉमर्स, बैंकिंग और फाइनेंशियल सर्विस, एजुकेशन सेक्टर (विश्वविद्यालय, साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और गणित), इन्फ्रा, इंजीनियरिंग और मैन्यूफैक्चरिंग, फिल्म सेक्टर, फूड प्रॉसेसिंग एंड डेयरी प्रोडक्ट, जीआई टैग प्रोडक्ट, हैंडलूम, हैंडीक्राफ्ट, टेक्सटाइल्स, रिटेल, हेल्थ एंड वेलनेस (आयुष, योग, यूनानी, नेचुरोपैथी), आईटी, आईटीईएस, एमएसएमई, नमामी गंगे और जल शक्ति, ओडीओपी, रिन्यूवेबल एनर्जी और ई-व्हीकल, स्पोर्ट्स सेक्टर, टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी सेक्टर, खिलौना उद्योग, वेयरहाउस एंड लॉजिस्टिक्स, महिला उद्यम सहित अन्य सेक्टर से जुड़े लोग अपने अपने उत्पादों के साथ इंटरनेशनल ट्रेड शो में मौजूद रहेंगे।

सीधे-सीधे बायर्स से जुड़ेंगे ओडीओपी आर्टिजन्स

इसके अलावा इस ट्रेड शो के जरिए एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) को अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान करने पर योगी सरकार का सबसे ज्यादा फोकस है। ओडीओपी के लिए यहां न सिर्फ प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा, बल्कि बिजनेस और कस्टमर (बी2सी) के बीच प्रॉपर चैनल भी विकसित किया जाएगा, जिससे खरीदार सीधे आर्टिजन्स से संपर्क स्थापित करें और उत्पादों के लिए ऑर्डर दें। सिर्फ इतना ही नहीं उत्तर प्रदेश के जायके के लिए इंटरनेशनल ट्रेड शो में विशेष तौर पर तैयारी की जा रही है। यहां प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में बनने वाले स्वादिष्ट और लजीज व्यंजनों का लुत्फ बायर्स उठा सकेंगे। खास बात ये है कि यहां पर मिलेट्स कैंटीन भी बनाई जाएगी, जिसमें मोटे अनाज से निर्मित तमाम व्यंजनों को सर्व किया जाएगा।

फैशन शो से लेकर शहनाई नाइट तक रंगारंग कार्यक्रम बनाएंगे आयोजन को भव्य

इंटरनेशनल ट्रेड शो को विविध रंगारंग आयोजनों के जरिए भव्य रूप देने की तैयारी हैं। इसमें आर्ट एंड पेंटिंग शो, यूपी फैशन शो, यूपी कल्चरल परफॉर्मेंस, आर्टिसियन्स परफॉर्मेंस, साउंड एंड लाइट शो, लेजर एंड ड्रोन शो, यूपी बैंड परफॉर्मेंस और शहनाई नाइट विशेष आकर्षण है। इसके अलावा यहां एक एक्सपीरिएंस जोन भी होगा जिसमें कन्नौज का इत्र, मेरठ का ब्रास और बिजनौर के पेंट ब्रश निर्माण का लाइव डेमो भी प्रदर्शित किया जाएगा। वहीं यूपी के हेल्थ एवं वेलनेस सेक्टर को समर्पित पूरा का पूरा एक हॉल भी होगा, जहां प्रदेश में चिकित्सा से जुड़े विभिन्न विधाओं की समृद्ध परंपरा और विरासत का प्रदर्शन भी दुनियाभर के बायर्स के सामने होगा।

नेफोवा के सदस्यों ने लद्दाख मैराथन किया पूरा

ग्रेटर नोएडा,10 सितम्बर (देशबन्धु)। नेफोवा के दो समर्पित सदस्य और फिटजोन के उत्साही धावक, ग्रेटर नोएडा वेस्ट में साया जियोन सोसायटी के रहने वाले प्रवीण वर्मा और इको विलेज 1 के निवासी शैलेश सिंह ने लद्दाख मैराथन में भाग लेकर अपने अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया। चुनौतीपूर्ण लद्दाख में 2 घंटे और 30 मिनट से कम समय में पूरी की गई हाफ मैराथन स्पर्धा में अपने असाधारण प्रदर्शन से, प्रतिकूल परिस्थितियों, अपेक्षाकृत अपरिचित जलवायु और कम ऑक्सीजन स्तर के बावजूद दौड़ पूरी कर एक संदेश देने में कामयाब रहे। लद्दाख मैराथन, जो अपने कठिन इलाके और उच्च ऊंचाई वाली चुनौतियों के लिए प्रसिद्ध है, उसे प्रवीण वर्मा और शैलेश सिंह जैसे एथलीटों ने पूरा कर ये प्रमाणित कर दिया कि अगर उद्देश्य सही हो और लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रयास किया जाय तो हर असंभव सा लगने वाला कार्य संभव हो जाता है। दोनों धावकों ने ऊंचाई से उत्पन्न कठिनाइयों पर काबू पाया, खुद को नई जलवायु और निम्न ऑक्सीजन स्तर के अनुकूल बनाया। उनका समर्पण और फिट जोन में प्रशिक्षण के साथ कठिन अपरिष्टम प्रेरणादाई है।

वर्मा और सिंह ने एक महत्वपूर्ण संदेश को ध्यान में रखते हुए लद्दाख मैराथन में भाग लिया। 'हम ऊंचाई पर सांस लेने की मुश्किल के बावजूद दौड़ रहे हैं, दिल्ली एनसीआर में सांस लेना आसान बना रहे इसके लिए कृपया वातावरण स्वच्छ रखने और वृक्ष लगाने में अपना योगदान दें। उनका उद्देश्य दिल्ली एनसीआर में शुद्ध हवा और ऑक्सीजन की उपलब्धता के महत्व को बताना था, खासकर ग्रेटर नोएडा पश्चिम में, जहां हवा की गुणवत्ता एक चिंता का विषय रही है।

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
पश्चिमी उतर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोन:- 0120-4270009

देशबन्धु
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा
Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

{ संपादकीय }

नई दिल्ली, सोमवार 11 सितम्बर 2023

संस्थापक-सम्पादक : स्व. मायाराम सुरजन

जी-20 में कही बातें देश में तो लागू हों

जी-20 के बहुत ही भव्य दो दिवसीय सम्मेलन का रविवार को समापन हुआ जिसके दौरान अनेक अच्छी-अच्छी बातें कही गयीं। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' से लेकर महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने, जलवायु परिवर्तन सम्बन्धी चिंताओं से लेकर ग्लोबल साऊथ पर काम करने के निश्चयों के साथ भागीदार हुए देशों के राष्ट्राध्यक्ष लौट तो गये हैं परन्तु कुछ सवाल भी लेकर गये हैं। इनमें सम्भवत: सबसे प्रमुख यही होगा कि विश्व का नेतृत्व करने का आकांक्षी भारत क्या इन अच्छी-अच्छी बातों का स्वयं अपने देश में अमल कर रहा है। बेशक, सारे मुद्दों का संबंध देश की आंतरिक नीति व प्रणाली से नहीं है लेकिन एक अच्छे समाज के जो अनिवार्य गुण हैं क्या उन्हें पाने का प्रयास यह महादेश कर रहा है? दिल पर हाथ रखकर अगर जवाब टटोला जाये तो शायद वहां बहुत बड़ा 'ना' ही मिलेगा। खासकर, भारत को कई तरीकों से और अनेक अवसरों पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 'लोकतंत्र की जननी' कहा जाना कितना विश्वसनीय रह गया है, यह भी इस मौके पर देखा जाना चाहिये।

'वसुधैव कुटुम्बकम्' पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का काफी जोर रहता है पर उसका अमलीकरण पहले देश के भीतर तो हो। भारतीय जनता पार्टी के शासन काल में जहां एक ओर वर्णवाद बढ़ा है वहीं साम्प्रदायिकता में भी बेतहाशा इज़ाफ़ा हुआ है। अगड़े-पिछड़ों का झगड़ा जो मोदी राज में देखा गया है वह कम से कम आजाद भारत में तो कभी भी नहीं देखा गया था। बेशक, भारतीय समाज में वर्ण व्यवस्था के कारण बड़ा विभाजन पहले से है जहां कथित ऊंची-निचली जातियों के बीच टकराव होते रहे हैं लेकिन सरकारों ने कभी उसे बढ़ावा नहीं दिया व उन्हें खत्म करती आई हैं। विश्व देख रहा है कि भारत की सरकार में सत्तारुढ़ पार्टी इन्हें बढ़ावा देती है तथा संरक्षित भी करती है।

जो संकीर्णता इस दौरान भारत देख रहा है वह अभूतपूर्व है। दुनिया का ऐसे भारत से परिचय नहीं था। बहुत शोर-शराबा किये बगैर भारत की इसलिये वैश्विक स्वीकार्यता थी क्योंकि उसका केन्द्रीय भाव मानवीय संवेदना थी। मौजूदा भारत संकीर्ण, है क्रूर भी- ऐसा समाज जो बहुत थोड़े से लोगों का है। सदियों से रहते आये अल्पसंख्यक, जिन्होंने एक दूजे का सुख-दुख में साथ निभाया, स्वतंत्रता की लड़ाई मिलकर लड़ी, आजादी पाने की प्रक्रिया से उपजे दर्द को एक सा झेला और संघर्ष करते हुए जो हासिल किया उसका वितरण बगैर भेदभाव के आपस में किया। अचानक एक वर्ग बाहरी हो गया जिन्हें यहां से चले जाना चाहिये। वे पिछले 9 वर्षों से देश की तमाम समस्याओं के मूल कारण बने हुए हैं और आये दिन उनसे देशभक्ति के प्रमाणपत्र मांगे जाते हैं। कष्टों में पड़ी मानवीयता को बरसों से सहानुभूति और सहायता देने वाला भारत केवल मोदी एवं उनकी पार्टी के वोटरों का होकर रह गया है। अपने भीतर के समाज को ही उदार न बना सकने वाला देश आखिर सारी दुनिया को कैसे अपने आगोश में ले सकता है? भारत में बढ़ती जातीयता व धार्मिक विद्वेष की हकीकत दुनिया को ज्ञात हो चुकी है। मणिपुर, नूंह, जयपुर-मुंबई एक्सप्रेस में हुए खूँरेज़ हादसे तो हाल के हैं, पिछला लगभग एक दशक भारत की ऐसी कई कहानियों का काल रहा है जो दुनिया भर में गई हैं। हास्यास्पद यह है कि इस मौके पर लिखे अपने लेख में वसुधैव कुटुम्बकम की बात करने वाले प्रधानमंत्री अपने मंत्रियों को सनातनी वाला मुद्दा गरमाये रखने की अपील करते हैं।

पिछले कुछ समय से देश को 'मदर ऑफ डेमोक्रेसी' साबित करने पर आमादा पीएम शायद इस बात को नहीं जानते कि दुनिया का सबसे बड़े बड़ा लोकतंत्र धीरे-धीरे दम तोड़ रहा है। समतामूलक एवं न्यायपूर्ण समाज क्षरित हो गया है। बन्धुत्व और धर्मनिरपेक्षता लापता हो गई है। आर्थिक, सामाजिक तथा राजनैतिक तीनों ही स्तरों पर गैर बराबरी चरम पर है; और इसके लिये जिम्मेदार सरकार ही है। इसके पीछे वह विचारधारा है जो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा प्रवर्तित एवं संपोषित है। सुनियोजित तरीके से अमीरी-गरीबी की खाई को बढ़ाया गया है। समाज बदहाल है और विभाजित भी। राजनैतिक वर्चस्व के लिये वे सारे हथकण्डे अपनाये जाते हैं जो वास्तविक मायनों में जनतंत्र में भरोसा रखने वाली कोई सरकार नहीं अपना सकती।

अगर इन उदात्त बातों को देश में क्रियान्वित करने की कोशिशें मोदी सरकार नहीं करती तो यही माना जायेगा कि जनता के टैक्स के पैसों से आयोजित इस विलासितापूर्ण आयोजन का मकसद केवल सियासी है। जिस वसुधैव कुटुम्बकम् के सिद्धांत का बारंबार उल्लेख होता आया है, यदि उसके अमल की अपने देश में ही मंशा नहीं है तो यही माना जायेगा कि यह बेहद खर्चीली कवायद सिर्फ इसलिये की गई है कि इससे ब्रांड मोदी को और दमकाया जाये ताकि उसका उपयोग केन्द्र सरकार की आगामी चुनावों में कर सके।

ऐसा नहीं कि भारत में पहले कोई बड़ा अंतरराष्ट्रीय आयोजन न हुआ हो। इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री रहने के दौरान हुए गुट निरपेक्ष देशों के सम्मेलन में भारत का कूटनयिक दबदबा बुलंदियों पर था। आपस में टकराते दो देश भी उसके एक जैसे कायल थे। अपनी आंतरिक कमजोरियों के बावजूद भारत की ताकत अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बड़े रूप में पहचानी जाती थी। मौजूदा वैदेशिक नीति केवल बड़े देशों से हथियारों व कबाड़ बनती टेक्नालॉजी की खरीदी, मेहमानों को झप्पी से गले लगना, उन्हें सोने-चांदी के बर्तनों में खाना खिलाने तक रह गई है। भारत की बातों को दुनिया नतमस्तक होकर सुने, इसके लिये ज़रूरी है कि वह बड़े देशों का पिछलग्गू न बने। इन महाशक्तियों के समकक्ष उसे बैठना है तो वह गुट निरपेक्ष आंदोलन को फिर से खड़ा करे। पहले अपने नागरिकों को सशक्त बनाये। गोदी मीडिया की अतिरंजित हेडलाइनों और चकाचौंध आयोजन को ही सफलता का पैमाना मानना शायद खुद को कमजोर करना है।

शाहरूख की हिम्मत का कमाल है 'जवान'

आज के इस दौर में जहां सच लिखना, बोलना, दिखाना तो दूर की बात है झूठ न बोलना भी एक अपराध हो गया हो वहां जवान जैसी फिल्म बनाना वाकई एक बड़ी हिम्मत की बात है।

क्या नहीं कहा है फिल्म में! सब तो कह दिया। सबसे बड़ी बात जिस पर यह सरकार चल रही है वह भी कि धर्म के नाम अब वोट मत देना। और दूसरी ऐसी ही बड़ी बात कि नेक्स्ट स्टेज कारपोरेट को खुद सरकार बनाना होगा। नेता इसके लिए तैयार हो गए हैं।

इसके बाद अब और क्या बचता है?

हमें लगता है जी-20 की वजह से फिल्म पर कार्रवाई नहीं की गई। अब इस पर बैन भी लगीया जा सकता है। जी-20 में जो अन्तरराष्ट्रीय नेता आए थे उनमें से अधिकांश क्रिश्चियन और मुसलमान थे। अगर उनके सामने फिल्म को मुद्दा बनाया जाता तो उनकी उत्सुकता जाग सकती थी कि ऐसा फिल्म में क्या दिखाया गया है। वे फिल्म देख सकते थे। और अगर ऐसा हो जाता तो उन्हें भारत की जो सच्ची तस्वीर मिलती वह उससे बहुत उलट होती जो उन्हें बताने की कोशिश की जा रही थी।

फिल्म में जो शाहरूख खान धर्म का नाम लेता है तो फिर उनका ध्यान इस पर जाता कि मणिपुर में जो हो रहा है और जिसे होने दिया जा रहा है वह धर्म के नाम पर ही हो रहा है। वहां चर्चों को जलाया जा रहा है। और ईसाइयों को मारा जा रहा है। बाकी देश में भी मुसलमानों के खिलाफ इतनी नफरत फैला दी गई है कि सिर्फ नाम सुनते ही लोग रिएक्शन करने लगते हैं। हर चीज में इस्लाम को निशाना बनाया जाता है और नफरत फैलाने वाले लोग उसी के आधार पर ध्रुवीकरण करते हैं।

कल तो जो सामान्य लोग हिन्दू-मुसलमान की बात भी नहीं करते थे वे भी आज हर बात में यही मुद्दा ले आते हैं। पहले पुल होते थे। सिर्फ हिन्दू-मुसलमान ही नहीं सभी समुदायों के बीच की दूरियां पाटने को। मेल-मिलाप की बातें होती थीं। एक दूसरे पर सवाल नहीं किए जाते थे। इंसान एक है कहकर सबको साथ लिया जाता था।

अभी जी-20 के सारे नेता बापू की समाधि पर पहुंचे। मोदी सरकार के लिए बहुत तकलीफदेह बात होती होगी। जिन गांधी के खिलाफ इतना प्रचार कर रहे हैं वह खतम होने के बदले और लोकप्रिय होते चले जा रहे हैं। राहुल गांधी ने अपने यूरोप दौरे पर गलत नहीं कहा कि लड़ाई गांधी और गोडसे की है।

वैसे तो देश में हमेशा से गांधी की हत्या के बाद से गोडसे को बचाने की कोशिश होती रही। हत्या के बदले संघ परिवार के लोग इसे वध कहते रहे। वध का मतलब होता है हत्या का जस्टिफिकेशन। उसे उचित ठहराना। पिछले साढ़े 9 सालों में इस काम को और तेज कर दिया गया। भोपाल की लोकसभा सदस्य प्रज्ञा सिंह सहित कई और बड़े नेता गोडसे को महान बताने लगे। और इस प्रक्रिया में कुछ लोग गांधी को गाली भी देने लगे। मगर जब दुनिया भर के अन्तरराष्ट्रीय नेता भारत आए तो वे गांधी की समाधि पर ही पहुंचे। किसी ने नहीं कहा कि हम गोडसे को श्रद्धांजलि देना चाहते हैं उसके लिए कहां ले चलेंगे! ऐसा तो नहीं है कि यह लोग गोडसे के बारे में अन्तरराष्ट्रीय नेताओं को उस समय नहीं बताते होंगे जब इनकी उनके साथ वन टू वन (अलग से) बात होगी। वन टू वन बातचीत का बड़ा हिस्सा अनौपचारिक होता है। एक दूसरे के घर परिवार से लेकर सब तरह की होती हैं। तो क्या गोडसे जो इनका सबसे बड़ा हीरो है उसकी तारीफें ये विदेशी नेताओं के सामने नहीं करते होंगे? लेकिन वे प्रभावित नहीं होते। एक हत्यारे को हमारे यहां तो इन्होंने हीरो बनाने में कुछ हद तक सफलता पा ली मगर दुनिया में हत्यारे को हत्यारा ही माना जाता है।

शकील अख्तर

> **इस दौर में जब पत्रकार, साहित्यकार समझौते कर रहे हैं। तब केवल मनोरंजन के लिए फिल्म बनाने वाले मुंबई के फिल्म वालों से तो कोई अपेक्षा थी ही नहीं। वहां तो सरकारी अजेंडे को आगे बढ़ाने वाली फिल्में कश्मीर फाइल्स, केरला फाइल्स, गदर टू जैसी प्रोपेगंडा फिल्में बन रही थीं। जवान को आप प्रोपेगंडा फिल्म नहीं कह सकते।**

तकलीफ तो बहुत होती होगी कि इतनी कोशिशें करने के बावजूद दुनिया, जिसका वे खुद को गुरु भी कहने लगे हैं, बात गांधी और नेहरू की ही करती है. गोडसे जिसका पिछले साढ़े 9 सालों में इतना प्रचार और तारीफ की उसे कोई नहीं पूछ रहा। सब इकट्ठा होकर गांधी की समाधि पर पहुंच रहे हैं। और ग्रुप फोटो भी खिंचवा रहे हैं।

मोदी सरकार आने के बाद यह पहला अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन था। और गोडसे बिल्कुल ही चर्चा में नहीं आ पाया। जबकि इस दौरान देश में कई जगह उसकी पूजा की गई, मूर्ति लगाई गई। जय जयकार की गई। गांधी को जो मुंह में आया वह गाली दी गईं। और इनमें इनकी विचारधारा के संत साधु तो थे ही सांसद और मंत्री भी थे।

साढे 9 साल में यह देश बहुत बदल गया है। और यही फिल्म जवान में दिखाया गया है। किसानों की आत्महत्या, उनसे फसल खराब हो जाने के बावजूद जबर्दस्ती कर्जा वसूली, दूसरी तरफ बड़े उद्योगपतियों के कर्जे माफ। फिल्म देखकर सबकी समझ में आ रहा है कि कहानी किसकी है। देश में किन उद्योगपतियों के कर्जे माफ किए जा रहे हैं। और किसानों के साथ कैसे अत्याचार हो रहे हैं।

कोरोना में जब मनमाने लॉकडाउन के बाद मजदूरों को पैदल हजारों किलोमीटर दूर उनके गांवों की तरफ खदेड़ा गया तो हमने इस त्रासदी के बारे में लिखते हुए कहा था कि दुनिया के इतिहास में सरकार द्वारा बनाई गई ऐसी किसी और त्रासदी का जिक्र नहीं मिलता। केवल दोनों विश्व युद्धों में ही ऐसी मानवीय त्रासदी देखने को मिली थी। लेकिन उन के बारे में विश्व साहित्य और विश्व सिनेमा में कई अच्छी किताबें और फिल्म देखने में आईं। उसी समय हमने लिखा था कि-कोई बड़ी कृति शायद इन लाखों मजदूरों के जिनमें औरतें, बच्चे, बुजुर्ग, बीमार सब थे-के महीनों पैदल चलते चले जाने पर आए।

जब दौर बहुत प्रतिकूल हो तो आप कलात्मक्ता और विचार के इस स्तर को पैमाना नहीं बना सकते जो सामान्य समय में होता है। मुश्किल समय में बात कहना ही बड़ी बात होती है।

जवान फिल्म को इसी तरह देखा जाना चाहिए। अगर शोरशराबा, मारधाड़, रंग रोशनी, शाहरुख का नायकत्व और साउथ की फिल्म तकनीक नहीं होती तो क्या लोग इतनी बड़ी तादाद में थियेटरों में पहुंचते?

थियेटर में बैठा हुआ हर शख्स शाहरूख के फिल्म के आखिरी हिस्से में दिए टी वी संदेश को दिल से सुनता रहा। धर्म पर वोट मत दो, जाति पांति पर वोट मत दो, को सहमति के साथ सुनता रहा। आज के दौर में कैसे भी हो इतना बड़ा संदेश शाहरूख खान ने लोगों तक पहुंचा दिया।

हिम्मत का काम है। सेना को किस तरह कमजोर किया जा रहा है जैसे नाजुक विषय को भी बिना पुलवामा का नाम लिए सामने रख दिया। गोरखपुर में किस तरह आक्सीजन सिलेंडर न होने की वजह से बच्चे तड़प-तड़प कर मरे। और उनके लिए आक्सीजन सिलेंडर का इंतजाम करने वाले डॉक्टर को कैसे बदनाम किया गया? जेल भेजा गया, यह भी बिना डा1. कफील का नाम लिए प्रभावी तौर पर दिखा दिया गया।

देश के लिए लड़ने वालों, काम करने वालों के पूरे परिवार को किस तरह तबाह किया जाता है। पत्नी तक को फांसी पर चढ़ा दिया जाता है, यह दर्दनाक मगर हकीकत के बहुत पास का मंजर भी दिखाया गया है।

इस दौर में जब पत्रकार,साहित्यकार समझौते कर रहे हैं। तब केवल मनोरंजन के लिए फिल्म बनाने वाले मुंबई के फिल्म वालों से तो कोई अपेक्षा थी ही नहीं। वहां तो सरकारी अजेंडे को आगे बढ़ाने वाली फिल्में कश्मीर फाइल्स, केरला फाइल्स, गदर टू जैसी प्रोपेगंडा फिल्में बन रही थीं।

जवान को आप प्रोपेगंडा फिल्म नहीं कह सकते। प्रोपेगंडा सरकार का होता है। ताकतवर का होता है। जनता का नहीं होता। जनता की तो आवाज होती है। जवान जनता की आवाज ही है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

2024 के पहले हिंदू भावनाएं भड़काने की संघ-भाजपा की रणनीति

■ **सुशील कुट्टी**

हर प्रधानमंत्री देश को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर उतना दु:साहसी और निरंकुश नहीं होता जितना भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु के खेल मंत्री उदयनिधि की सनातन धर्म के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी पर 'उचित प्रतिक्रिया' के लिए जनता का आह्वान करने के लिए किया जो भड़कावा या उकसावा जैसा ही था, जो भारत के लिए अशुभ है, एक ऐसे समय जब संघ-भाजपा लोकसभा चुनाव के पहले हिंदू भावनाएं भड़का कर उनका राजनीतिक दोहन करने की रणनीति पर चल रही है। प्रधानमंत्री की जिम्मेदारी तो देश को शांति और समृद्धि के रास्ते पर ले जाना होता है। उदयनिधि, जो तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे हैं, ने जाति-ग्रस्त सनातन धर्म के विनाश का आह्वान किया था।

स्वाभाविक रूप से, हंगामे ने 'उत्तर भारत' को अपनी चपेट में ले लिया, जहां साल खत्म होने से पहले मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान जैसे राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। कुछ ही महीनों में तेलंगाना में भी चुनाव होने हैं और भारतीय जनता पार्टी को उम्मीद है कि वह उदयनिधि स्टालिन की भड़काऊ टिप्पणियों का अपनी पूरी क्षमता से उपयोग करके इन सभी राज्यों में हिंदू मतदाताओं को एकजुट कर लेगी।

> **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए, उदयनिधि स्टालिन का सनातन धर्म के लिए अंतिम समाधान उन्हें तीसरा कार्यकाल जीतने का भी समाधान है। 'उचित प्रतिक्रिया' से उनका तात्पर्य मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में चुनावी मुद्दे के रूप में स्टालिन की टिप्पणियों का उपयोग करना हो सकता है और निर्भर करता है रणनीति सफल होती है या विफल, इस पर विचार करते हुए इसे 2024 के आम चुनाव तक आगे बढ़ायें।**

ठीक यही बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तब कही जब उन्होंने अपने मंत्रियों से भारत/इंडिया पर धीमी गति से आगे बढ़ने और सनातन धर्म पर उदयनिधि की अपमानजनक टिप्पणियों पर 'उचित प्रतिक्रिया' देने पर ध्यान केंद्रित करने को कहा। 'उचित प्रतिक्रिया' से प्रधानमंत्री का क्या तात्पर्य है?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'उचित प्रतिक्रिया' से क्या मतलब है, इस पर जूरी अभी भी असमंजस में है। अर्थ अलग-अलग हो सकते हैं। जो तुरंत दिमाग में आता है वह है 'जैसे को तैसा' या 'सड़कों पर हमला' और 'ईंट-बल्लेबाजी' आदि पर तुल जाना। उदयनिधि की सनातनी विरोधी टिप्पणियों का हवाला देकर 'सनातन धर्म के वोटों को मजबूत करना' एक और तरीका हो सकता है। अहम बात यह है कि क्या मोदी प्रधानमंत्री के तौर पर बोल रहे थे या भाजपा नेता के तौर पर अपनी बात रख रहे थे?

एक प्रधानमंत्री को सतर्क रहना चाहिए था और खुद को संयमित रखना चाहिए था, स्पष्ट रूप से और खुले तौर पर 'उचित प्रतिक्रिया की आवश्यकता है' इस प्रकार की प्रतिक्रिया नहीं देनी चाहिए थी,विशेषकर उनको जिनमें नागरिक को नागरिक के खिलाफ खड़ा करने की क्षमता है - सनातनी समर्थक बनाम सनातनी विरोधी।

नि:संदेह, उदयनिधि स्टालिन मुसीबत मोल ले रहे थे और उन्होंने न तो अफसोस जताया है और न ही पछतावा। इसके बजाय, उनका कहना है कि जब तक पर्दा नीचे नहीं आ जाता, वह इसे जारी रखेंगे। क्या एमके स्टालिन ने बच्चे को अनुशासन में न रखकर बिगाड़ दिया?

लेकिन स्टालिन से ज्यादा यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रणनीति है, जिस पर सवाल उठाया जाना चाहिए, क्योंकि वह दयानिधि से बहुत बड़े नेता हैं। लगता है कि मोदी और भाजपा के लिए सब कुछ चुनावी राजनीति तक सिमट कर रह गया है। मोदी और शाह की पार्टी लगातार अपना रुख इस आधार पर बदल रही है कि उसकी चुनावी जरूरतें क्या हैं और कहां हैं? इसलिए, जब तक उदयनिधि स्टालिन सनातन धर्म पर जहर नहीं उगल रहे थे, तब तक भाजपा द्रविड़ आइकनईवीरामास्वामी नायकर, उदयनिधि स्टालिन के वैचारिक 'तानथाई' की प्रशंसा कर रही थी, जो 'पिता' के लिए तमिल है।

भाजपा के लिए, पेरियार को एक महान इंसान और सुधारक के रूप में प्रतिष्ठित करना पूरी तरह से दलित तक राजनीतिक पहुंच बनाने के लिए है। वही भाजपा अब 'पेरियार' के प्रति नफरत से भरी हुई है, जिसे प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू 'पागलखाने' में भेजना चाहते थे। नेहरू पेरियार की हिंसक हरकतों को पचा नहीं सके, लेकिन मोदी सरकार ने- उदयनिधि स्टालिन की समाधि तोड़ने से पहले- पेरियार को 'महान भारतीयों' की कतार में ऊपर रख दिया।

डीएमके भ्रमित नहीं है। द्रमुक के लिए, पेरियार 'पिता' और आदर्श हैं। विशेष रूप से उदयनिधि पूरी तरह से पेरियार के वश में हैं। हिंदू धर्म पर पेरियार के 'विचारों का समूह' खोखला है। उदयनिधि स्टालिन की सनातन धर्म विरोधी टिप्पणियां सीधे तौर पर पेरियार की विचारधारा से निकली हैं। अब प्रधानमंत्री का कहना है कि उदयनिधि स्टालिन की टिप्पणी को 'उचित प्रतिक्रिया की आवश्यकता है'।

प्रधानमंत्री को रोकने वाली एकमात्र चीज़ जी-20 शिखर सम्मेलन ही है। मोदी का झुंड पहले ही प्रतिक्रिया दे चुका है। कैलिब्रेटेड प्रतिक्रिया ऑनएयर है। टीवी स्टूडियो में प्रचारित किया जा रहा है। मोदी सरकार के अनुकूल मीडिया उदयनिधि स्टालिन के खिलाफ हर संभव प्रयास कर रहा है और भाजपा आईटी सेल हिंसा भरी धमकियां दे रहा है- एक एफआईआर के लिए एक एफआईआर। क्या मोदी को तीसरा कार्यकाल न देने की जिम्मेदारी तमिलनाडु और डीएमके पर आ गई है? ईश्वरविहीन द्रमुक बनाम ईश्वर से डरने वाली भाजपा- उत्तर और दक्षिण का युद्ध।

डीएमके के प्रवक्ता कॉन्स्टेंटाइन रवींद्रन का कहना है कि यह 'शिक्षित दक्षिण' और 'अशिक्षित उत्तर' की लड़ाई है। उनके लिए, उत्तर प्रदेश और बिहार सनातन धर्म के अशिक्षित अनुयायियों का घर है, ऐसे लोग जो न तो शिक्षित हैं और न ही बुद्धिमान। शेष भारत, विशेष रूप से दक्षिणी राज्यों के निवासी, 'सभ्य' लोग हैं जो बुतपरस्त मान्यताओं के धर्म से बच गये हैं। सनातन धर्म में सुधार करना भारत में पनप रहे इब्राहिम धर्म के प्रचारकों का कर्तव्य बन गया है। कॉन्स्टेंटाइन रवींद्रन जैसे सज्जन इस बात का प्रमाण हैं कि 'धर्मनिरपेक्षता' संविधान में एक शब्द के अलावा और कुछ नहीं है। उनके विचार में शायद धर्मनिरपेक्ष सनातनी हिंदुओं के लिए यह कहीं अधिक सार्थक है कि वे दिखावा छोड़ दें और किसी न किसी इब्राहिम धर्म को अपना लें। धर्मनिरपेक्षता से काम नहीं चलता।

लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए, उदयनिधि स्टालिन का सनातन धर्म के लिए अंतिम समाधान उन्हें तीसरा कार्यकाल जीतने का भी समाधान है। 'उचित प्रतिक्रिया' से उनका तात्पर्य मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में चुनावी मुद्दे के रूप में स्टालिन की टिप्पणियों का उपयोग करना हो सकता है और निर्भर करता है रणनीति सफल होती है या विफल, इस पर विचार करते हुए इसे 2024 के आम चुनाव तक आगे बढ़ायें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपना चुनाव जीतने का फॉर्मूला बताया। इसके साथ ही वह यह भी स्वीकार कर रहे हैं कि उनकी पसमांदा मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति ख़त्म हो चुकी है।

गुरवाणी विचार

जो सुख को चाहे सदा-सरण राम की लेह

जा कै सिमरणि होई अनंदा विनसै जनम मरण मैं दुखी।
चारि पदारथ नवनिघि पावहि बहुरि न त्रिसना भुखी।
जा को नाम्र लैत तू सुखी-सामिस सासि धिआवहु ठकुर।
कउ मन तक जीअरे सुखी (रहाओ)
सांति पावहि होनहि मन सीतल अगनि न अंतरि धुखी।
गुरुनानक कउ प्रभु दिखाइआ जल थलि त्रिभुवणि दुखी।।

गुरवाणी की यह पक्तियां सोरठि राग से ली गई हैं जो श्री गुरु ग्रंथ साहिब के 617 अंग पर सुशोभित है। इन पंक्तियों द्वारा पांचवें नानक गुरु अर्जुन देव मानव मन को समझाईश देते हुए फरमा रहे हैं कि हे भाई, जिस प्रभु परमात्मा के सिमरन करते रहने पर आप खुशी से भरा जीवन व्यतीत कर सकते हो। जनम-मरण के सारे दुखों का अंत हो सकता है सारे संसार के चारों पदार्थ-(धर्म अर्थ काम और (मोख) हासिल कर सकता है। नवनिधियां अठारह सिधियां तेरे कदम चूमती रहेंगी। ऐसे प्रभु परमात्मा का सिमरन सदा करते रहना चाहिए।

जो सुख को चाहो सदा-सरण राम की लेह।। जिस प्रभु के सिमरन करने मात्र से माया की भूख-प्यास तुम्हें कभी भी नहीं सताएगी। इसीलिए उसका सिमरन श्वांस श्वांस करते रहना चाहिए। अगली पंक्ति में आप समझा रहे हैं कि सिमरन करते रहने पर हर वक्त तुझे सुखों की प्राप्ति होती रहेगी। अतएव इंसान को चाहिए कि उस परमपिता परमात्मा जो सारे संसार की रचना करते हैं और सारे संसार की पालना कर रहे हैं । उसकी सिमरन भक्ति में हर वक्त रमे रहना चाहिए। उनके सिमरन करते रहने पर हर तरह से आनंद ही आनंद और सुखों की व धन दौलत की प्राप्ति होती रहती है-

सांस सांस सिमरो गोविंद मन अंतर की उतरे चिंद।

प्रभु परमात्मा के सिमरन करते रहने से हमारी तृष्णा भी खत्म हो जाएगी। हर प्रकार के दुखों से निजात हो जाएगी। इसीलिए हमें गुरवाणी द्वारा पग पग परस मझाया गया है कि

अविनाशी जीवन को दाता सिमरन सब मल खोई।
गुण निधान भगवन को बरतन बिरला पावै कोई।।

सिमरन भी हम तभी कर पाएंगे जब प्रभु परमात्मा की हम पर विशेष कृपा होगी। शुरु शुरु में हमारा मन प्रभु भक्ति में न लगे पर धीरे-धीरे अभ्यास करते रहने पर यह सम्भव हो जाएगा। हमें अपने मन को सिमरन रूपी मथनी से मथना पड़ेगा। इसलिए हर वक्त अपना कार-विहार करते रहना है पर मन निरंकार से जुड़ा रहना चाहिए। तभी हम अपने अंदर विराजमान प्रभु परमात्मा में मन लगा पाएंगे तभी हमारा इस संसार में आना सफल हो सकेगा।

घटि घटि में हरि जू बसै संतन कहियो पुकार।

सिमरन करते रहने से हमें हर वस्तु में जीव जंतु में प्रभु के दर्शन होने लग जाएगा। फिर हमें वन कंदराओं उसे ढूंढने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसलिए हमें प्रभु परमात्मा से प्रार्थना करते रहना चाहिए।

बिसर नाहीं दातार अपना नाम देओ।
गुण गावां दिन रात नानक चाओ ऐहो।।

इंदर सिंह आहुजा

आपके पत्र

बुजुर्गों को मिलें गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार!

धर्मराज यह भूमि किसी की, नहीं क्रीत है दासी,
है जन्मना समान परस्पर, इसके सभी निवासी।

यानी सबको मुक्त प्रकाश चाहिए, सबको मुक्त समीकरण, बाधारहित विकास, मुक्त आशंकाओं से जीवन। रामधारी सिंह दिनकर की ये पंक्तियां आधुनिक होती युवा पीढ़ी के लिए कई सवाल खड़े करती है। तथाकथित व्यक्तिवादी एवं सुविधावादी सोच ने वर्तमान दौर में समाज की संरचना को असभ्य, अशालीन, बदसूरत एवं संवेदनहीन बना दिया है। अब रिश्तों का मर्म बस इतना रह गया है कि जरूरत के हिसाब से लोग रिश्ते निभा रहे हैं। जरूरत ख़त्म होते ही घर के बड़े-बुजुर्ग भी बोझ समझे जाने लगे हैं। डिजरायली का मार्मिक कथन है कि, 'यौवन एक भूल है, पूर्ण मनुष्यत्व एक संघर्ष और वार्धक्य एक पश्चाताप' ऐसे में माता-पिता के जीवन को पशचाताप का पर्याय न बनने दें। आज हर घर की यही कहानी है कि घर के बड़े बुजुर्ग अकेलेपन, तिरस्कार, परिवार के सदस्यों द्वारा उपेक्षा और भय से अपमानित जीवन जीने को मजबूर है। आधुनिकता के इस दौर में उपभोक्तावादी संस्कृति तथा महानगरीय अधुनातन बोध के चलते सामाजिक मूल्यों के बदलते परिवेश में नई पीढ़ी की सोच में परिवर्तन आ गया है। एकीकृत जीवनशैली ने बड़े-बूढ़ों के लिए अनेक समस्याएं खड़ी कर दी है।

संविधान का अनुच्छेद- 21 प्रत्येक मनुष्य को गरिमापूर्ण जीवन जीने का अधिकार देता है, लेकिन जब अपने ही इस अधिकार में बाधक बन जाए तो हम किस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं? ये कोई बताने या समझाने वाली बात नहीं! वैसे हमारे समाज की यह बहुत बड़ी विडम्बना है कि हम बेटों की चाहत में इतने अंधे हो गए हैं कि बेटियों को वो प्यार ही नहीं दे पाते जिसकी वे असल हकदार होती हैं। आज भी हमारे समाज में पुरुषवादी मानसिकता भरी हुई है। हम आज भी बेटे को कुलदीपक मानते हैं तो वहीं बेटियों को पराया धन माना जाता है, लेकिन अक्सर यही कुलदीपक अपने ही जन्मदाता को वृद्धा आश्रम छोड़ कर चले आते हैं।

हम च्वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना रखने वाले देश के लोग हैं। फ़िर आधुनिकता की दौड़ में इतना अंधे कैसे हो रहें कि अपने संस्कारों को ही तिलांजलि देने पर तुले हैं। क्या यही आधुनिकता है, जिसमें अपनों का सम्मान करना ही भूल जाए? हम तो विश्वगुरु बनने की राह में आगे बढ़ रहे हैं फिर कैसे अपने जीवन के प्रथम गुरु के साथ बदसलूकी पर उतर आए? ये सच है कि भागदौड़ भरी ज़िंदगी में हम अपने लिए ही समय नहीं निकाल पाते हैं, तो फिर अपनों की जिम्मेदारियों का ख्याल कैसे रखें? लेकिन जिस मां- बाप ने जन्म दिया उसकी जिम्मेदारी से मुंह तो मोड़ नहीं सकते। हम यह क्यों भूल जाते है कि जिस मां ने अपनी जिंदगी का सबसे बड़ा दर्द सहन कर हमें इस दुनिया में जन्म दिया है। जिस पिता ने हमें उंगली पकड़कर चलना सिखाया। जिसने हमें इस लायक बनाया कि हम सही गलत का फर्क समझ सके। फ़िर जिस वक्त उन्हें हमारे सहारे की ज़रूरत फ़िर हम कैसे मुकर सकते हैं?

पिछले कुछ दशकों में हमारे सामाजिक मूल्यों में काफ़ी बदलाव आ गया है, तभी सरकार को साल 2007 में 'माता-पिता और वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण और कल्याण' कानून ही नहीं बनाना पड़ा। बल्कि वरिष्ठ नागरिकों के हितों की रक्षा और सम्मानपूर्वक जीवन के लिए न्यायपालिका को भी कड़े कदम उठाने पड़े। यह वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा के लिए सम्बल तो दे रहा है। बावजूद इसके आए दिन देश के किसी न किसी कोने से मां-बाप पर अत्याचार की खबरें भी आ रही हैं। इसके लिए सिर्फ सरकार ही नहीं. परिवार को भी अपने बुजुर्ग माता-पिता की जिम्मेदारी उठानी होगी।

- सोनम लववंशी

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव, (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोन: 011-23718195,23357784, फैक्स: 011-43581404, नोएडा कार्यालय: फोन: 0120-4114404 फैक्स: 0120-4273770

ई-मेल: deshbandhudelhi@gmail.com वेब: www.deshbandhu.co.in

चीन ने भारी बारिश के लिए येलो अलर्ट जारी किया

बीजिंग। चीन के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि देश के कुछ हिस्सों में भारी बारिश होने के आसार हैं। राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र ने रविवार को येलो चेतावनी जारी करते हुए कहा कि रविवार सुबह आठ बजे से सोमवार सुबह आठ बजे तक गुआंग्डोंग, हांगकांग, मकाओ, गुआंग्शी, हैनान, ताइवान और सिचुआन के कुछ हिस्सों में भारी बारिश होने का अनुमान है। इन क्षेत्रों में भारी बारिश हो सकती है, मौसम रिपोर्ट में प्रति घंटा वर्षा 80 मिलीमीटर से अधिक वर्षा होने के अनुमान जताये गए हैं।

जी-20 सम्मेलन में फर्राटेदार हिन्दी में बोली अमेरिकी अधिकारी

नई दिल्ली, 10 सितम्बर (एजेंसियां) जी -20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने आये अमेरिकी दल में शामिल विदेश

- **वैश्विक मुद्दों पर मीडियाकर्मियों के साथ की बात**
- **मार्गरेट ने दिल्ली विश्वविद्यालय में की है पढ़ाई**

मंत्रालय की प्रवक्ता मार्गरेट मैकलियोड भारतीय मीडिया कर्मियों के साथ सहज रूप से फर्राटेदार हिन्दी में बात करने के लिए खासी चर्चा में रही। सुश्री मैकलियोड ने प्रगति मैदान में जी -20 के लिए बनाये गये मीडिया केंद्र में भारत-अमेरिकी संबंधों तथा वैश्विक मुद्दों पर मीडियाकर्मियों के साथ बातचीत में हिन्दी में सवालों के जवाब दिये। वह बीच-बीच में उर्दू के शब्दों का भी बखूबी इस्तेमाल करती हैं। उन्होंने कहा, हमारे (अमेरिका और भारत के) नेताओं के आपसी संबंध बहुत मधुर हैं, जो हमारे लोगों के बीच बढते संबंधों का प्रतीक है। भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक दोनों देशों के आपसी रिश्तों को जीवंत बनाये रखने की प्रेरणा शक्ति हैं। दुनिया भर के देशों के बीच परस्पर विश्वास की बढती कमी और जी 20 सम्मेलन में इस पर चिंता व्यक्त किये जाने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि कूटनीति में बातचीत का बहुत महत्व है और विश्वास की इस कमी को पूरा करने के लिए बातचीत और एक दूसरे को समझकर आगे बढना ही सबसे बड़ी जरूरत है। भारत की जी 20 अध्यक्षता के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि भारत आबादी के लिहाज से बड़ा देश है और उभरती हुई बड़ी अर्थव्यवस्था है। भारत ने सम्मेलन के एजेन्डे में अनेक महत्वपूर्ण मुद्दों को शामिल किया है। सम्मेलन के दौरान सभी देश एक दूसरे के साथ अपने नजरिये को साझा कर रहे हैं जिसके आधार पर मुद्दों पर सहमति बनती है।

मुखर्जी नगर इलाके में रहती थी मार्गरेट

सुश्री मार्गरेट ने दिल्ली विश्वविद्यालय में अध्ययन किया है और इस दौरान वह उत्तरी दिल्ली के मुखर्जी नगर इलाके में रहती थी। उसी समय उन्हें अपने भारतीय मित्रों और पास-पड़ोस के लोगों के सम्पर्क में आने पर हिन्दी सीखने का अवसर मिला। बाद में उन्होंने अमेरिकी विदेश सेवा विभाग के शिक्षकों से हिन्दी सीखी और हिन्दी की किताबें पढ़ कर अपना ज्ञान बढाया। सुश्री मार्गरेट ने कहा कि अमेरिका में कई विद्यालय हैं जहां हिन्दी सिखायी जाती है। वहां लोग हिन्दी समझना, पढना और बोलना सीख सकते हैं।

कलाकारों ने दुनिया के सामने देश की वाद्य परंपराओं का जादू बिखेरा

नई दिल्ली। राजधानी में जी-20 शिखर सम्मेलन में आए राष्ट्राध्यक्षों और शासनाध्यक्षों के सम्मान में राष्ट्रपति दौपदी मुर्मु की ओर से शनिवार को आयोजित रात्रिभोज में भारत के विभिन्न भागों से आए कलाकारों ने दुनिया के समक्ष देश की समृद्ध शास्त्रीय एवं लोक संगीत तथा वाद्य परंपराओं का जादू बिखेरा। भारत मंडपम में आयोजित इस कार्यक्रम के लिए पारंपरिक संगीत और विभिन्न राज्यों के लोक-गीत चुने गए थे। इस संगीत लहरी का मुख्य आकर्षण गंधर्व अतोद्यम था। यह एक अद्वितीय संगीतमय मिश्रण है जिसमें पूरे भारत के संगीत वाद्ययंत्रों की एक उत्कृष्ट संगति दिखती है। गंधर्व अतोद्यम में शास्त्रीय वाद्ययंत्रों के समूह के साथ हिंदुस्तानी, कर्नाटक, लोक और समकालीन संगीत का प्रदर्शन किया जाता है। कार्यक्रम में प्रस्तुत किए गए हिंदुस्तानी संगीत के राग दरबारी कांदा और काफ़ी में 'खेलत होरी..का गायन , लोक संगीत में राजस्थानी- केसरिया बालम , घूमर और निम्बुरा निम्बुरा , कर्नाटक संगीत के राग मोहनम में स्वागतम कृष्ण , कश्मीर, सिक्किम के लोक संगीत और मेघालय का बोम्रू बोम्रू , हिंदुस्तानी संगीत के अंतर्गत राग देश और एकला चलो रे, महाराष्ट्र के अभंग में अबीर गुलाल, रेशमा चारे घानी (लावनी), गजर (वारकरी), कर्नाटक संगीत के राग मध्यमावती - लक्ष्मी बरम्मा , लोक संगीत में गुजरात का मोरबनी , पारंपरिक और भक्ति संगीत में पश्चिम बंगाल का भटियाली और अच्युतम केशवम (भजन), लोक संगीत में कर्नाटक के मदु मेकम कन्नै, कावेरी चिंदु और आद पम्बे , भक्ति संगीत में श्री राम चंद्र कृपालु..., वैष्णव जन और रघुपति राघव.. हिंदुस्तानी, कर्नाटक और लोक संगीत के अंतर्गत राग भैरवी- दादरा में मिले सुर मेरा तुम्हारा.. का सुमधुर गायन हुआ। संगीत व्यवस्था में देश की अद्वितीय और अद्वितीय संगीत विरासत को प्रदर्शित करने वाले विभिन्न दुर्लभ वाद्ययंत्रों का उपयोग शामिल था।कार्यक्रम में हुए वादन में रसिंगार, मोहन वीणा, जलतरंग, जोडिया पावा, धंगाली, दिलरुबा, सारंगी, कमाइचा, मट्टा कोकिला वीणा, नलतरंग, तुंगबुक, पखावज, रबाब, रावणहत्था, थाल दाना, रुद्र वीणा आदि जैसे वाद्ययंत्र शामिल थे।

सुडोकू 6313

					5		4	
		5		4		6		
4	3	8	2					
				2			6	
7		3				1		2
	4			8				
					2	7	9	4
		2		3		5		
	6		7					

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारूवाला

ग्रह स्थिति : सोमवार 11 सितम्बर, 2023 भाद्र कृष्ण पक्ष 12

राशिफल

मेष - आज आपको सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। भावुक रूप से आप थोड़े कमजोर बने रहेंगे। किसी भी बात से आपका मन दु-खी हो सकता है। माता के स्वास्थ्य की चिंता आपको रहेगी।

वृषभ - आपकी चिंता कम होने से राहत का अनुभव होगा। आपका मन प्रेम से परिपूर्ण रहेगा। आपकी सृजनशीलता और कल्पना शक्ति में भी वृद्धि होगी। कला और साहित्य में आप अपनी कुशलता बता सकेंगे।

मिथुन - आपके द्वारा निर्धारित किए गए काम पूरे हो जाने से आप खुशी का अनुभव कर सकेंगे। आर्थिक योजनाएं भी आप सरलतापूर्वक पूरा कर सकेंगे। व्यवसाय या नौकरी में मेल-जोल रहेगा और सहकर्मियों की मदद मिलती रहेगी।

कर्क - आज का दिन मित्रों और परिजनों के साथ आनंद में व्यतीत कर सकेंगे। उनसे मिलने वाले भेंट- सौगात से आपको खुशी महसूस होगी। घूमने- फिरने और स्वादिष्ट भोजन मिलने का योग है। कोई अच्छा समाचार प्राप्त कर सकेंगे।

सिंह - आज कानूनी मामलों में न पड़ना आपके हित में है। आप मानसिक चिंता और बेचैनी महसूस करेंगे। शरीर भी अस्वस्थ रहेगा। जीभ पर लगाम नहीं हो, तो किसी के साथ मनमुटाव या संघर्ष हो सकता है। प्रेम की मात्रा अधिक रहेगी।

कन्या - आप अनेक क्षेत्र में प्रतिष्ठा और सम्मान प्राप्त कर सकेंगे। आपको महिला मित्रों से लाभ होगा। मित्रों और बुजुर्गों के कारण आपका समय खुशी से व्यतीत होगा। आप घूमने जाने के बारे में विचार कर सकते हैं।

तुला - आज घर और ऑफिस में अच्छा वातावरण मिलने के कारण आप खुश होंगे। आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। नौकरी करने वाले लोग उच्च पद प्राप्त कर सकेंगे। अधिकारी आपके काम की कद्र करेंगे।

वृश्चिक - आज शरीर में सुस्ती के कारण उत्साह का अभाव रहेगा। इसका प्रभाव आपके काम पर भी पड़ेगा। आपके लिए समस्याएं बढ़ेंगी। अधिकारी आपके लिए अनुकूल नहीं होंगे। संतान के साथ अनबन हो सकती है।

धनु - आज का दिन नए काम करने के लिए अच्छा नहीं है। सर्दी, खांसी या पेट की तकलीफ हो सकती है। किसी भी तरह का ऑपरेशन कराने के लिए आज का दिन अच्छा नहीं है। आपके मन में चिंता और बेचैनी रह सकती है।

मकर - दैनिक कामों के अलावा आप अपना आज का समय मनोरंजन तथा मिलने जुलने में व्यतीत करेंगे। स्वादिष्ट भोजन प्राप्त होगा और दोस्तों के साथ घूमने जाएंगे। मित्रों के साथ अच्छा समय गुजरेगा। धन लाभ के प्रबल योग हैं।

कुंभ - आज का दिन काम में सफलता प्राप्त करने के लिए बहुत अच्छा है। आपके काम की कद्र होगी। परिवार में शांति और मेल-जोल बना रहेगा। आपके तन-मन में ताजगी महसूस होगी।

मीन - आज आपकी कल्पनाशक्ति में बहुत निखार आएगा। आप साहित्यसृजन कर सकेंगे। विद्यार्थियों के लिए दिन अच्छा है। आपके स्वभाव में प्रेम की मात्रा अधिक होगी। पेट की तकलीफ और मानसिक अस्वस्थता का अनुभव होगा।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

कुरान के अपमान के आरोप में ईसाई दंपत्ति गिरफ्तार

लाहौर, 10 सितम्बर (एजेंसियां)। पाकिस्तान में लाहौर के उत्तरी छावनी थाने के अधिकार क्षेत्र में कथित तौर पर कुरान का अपमान करने के आरोप में एक ईसाई दंपत्ति के खिलाफ ईशनिंदा का मामला दर्ज करने के बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया है।

स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट में कहा गया है कि हरबंसपुरा निवासी तैमूर ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि वह रेंजर्स मुख्यालय के पास एक सड़क पर एक खाद्य दुकान पर खड़ा था जब उसने देखा कि पास के एक घर की छत से कुछ पन्ने फेंके गये। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, उसने पन्ने उठाए, जो कुरान के पाए गए। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि वह घर के पास पहुंचा और दरवाजा खटखटाया। एक महिला ने दरवाज़ा खोला और उसने पूछा कि पन्ने किसने फेंके थे। उनके मुताबिक, महिला ने जवाब दिया कि उसकी नाबालिग बेटियों और बेटे ने पन्ने फेंके होंगे. डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, हालांकि, तैमूर ने घर की जांच करने पर जोर दिया, जिस पर महिला ने उसे घर में प्रवेश करने की इजाजत दे दी। शिकायतकर्ता घर की छत पर गया, जहां उसने दावा किया कि पानी की टंकी के पास रखे एक गुलाबी रंग के बैग में कुरान के और पन्ने थे। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने पुलिस से संपर्क किया, जो घटनास्थल पर आई और पन्ने ले गई। उत्तरी छावनी पुलिस ने पवित्र ग्रंथ को अपवित्र करने में कथित संलिप्तता के लिए महिला और उसके पति के खिलाफ ईशनिंदा का मामला दर्ज किया।

रूस के डेन्यूब के पास बड़े पैमाने पर हमले करने के संकेत नहीं : नाटो प्रमुख

ब्रूसेल्स, 10 सितम्बर (एजेंसियां)। नाटो के महासचिव जेन्स स्टोल्टेनबर्ग ने कहा है कि रोमानियाई सीमा के करीब यूक्रेन के डेन्यूब बंदरगाहों पर हाल के हमलों और नाटो सदस्य की धरती पर ताजा ड्रोन मलबा पाए जाने के मद्देनजर नाटो के पास इस बात का कोई संकेत नहीं है कि रूस गठबंधन पर हमला करने का इरादा रखता है। इससे पहले शनिवार को दिन में रोमानियाई रक्षा मंत्रालय ने कहा कि 'रूसी सेना द्वारा इस्तेमाल किए गए ड्रोन के समान' ड्रोन के टुकड़े प्लाउरू के सीमावर्ती गांव से लगभग 2.5 किलोमीटर (1.5 मील) दक्षिण-पूर्व में पाए गए जो एक सप्ताह में इस तरह की दूसरी घटना है। बुधवार को, एक संभावित ड्रोन का मलबा यूक्रेन के साथ रोमानिया की सीमा के करीब पाया गया था, लेकिन नाटो ने कहा कि उसके पास रूस की ओर से किसी जानबूझकर हमले का संकेत देने वाली कोई

जानकारी नहीं है। श्री स्टोलटेनबर्ग ने एक्स पर लिखा, डेन्यूब द्वारा यूक्रेन पर रूसी हमलों के बारे में और रोमानिया में पाए गए ड्रोन हिस्सों के बारे में रोमानियाई राष्ट्रपति क्लाउस इओहानिस से बात की। नाटो पर हमला करने के इरादे का कोई संकेत नहीं है, लेकिन हमले अस्थिर कर रहे हैं। नाटो प्रमुख ने कहा कि उन्होंने हवाई पुलिसिंग बढ़ाने के लिए अधिक एफ-16 जेट तैनात करने के अमेरिकी फैसले का स्वागत किया।

रूस ने ब्रांस्क क्षेत्र में यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराया

मॉस्को। रूस की वायुसेना ने देश के ब्रांस्क क्षेत्र में एक यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराया है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी। इससे पहले रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि रूसी वायुसेना ने क्रीमिया के पास काला सागर के ऊपर आठ यूक्रेनी ड्रोनों को नष्ट कर दिया। गौरतलब है कि यूक्रेन जून की शुरुआत में जवाबी कार्रवाई शुरू करने के बाद तकरीबन रोजाना रूसी क्षेत्र में ड्रोन भेज रहा है।

शीर्ष डीपीआरके नेता ने चीनी उपप्रधानमंत्री से मुलाकात की

प्योंगयांग, 10 सितम्बर (एजेंसियां)। चीन के उपप्रधानमंत्री लियू गुओझोंग ने उत्तर कोरिया की 75वीं स्थापना दिवस पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में भाग लेने के लिए शुक्रवार से रविवार तक पार्टी एवं सरकारी प्रतिनिधिमंडल के साथ देश के दौरे पर रहे। श्री गुओझोंग इस दौरे के दौरान वर्कर्स पार्टी ऑफ कोरिया (डब्ल्यूपीके) के महासचिव और डीपीआरके के राज्य मामलों के अध्यक्ष किम जोंग उन से मुलाकात की। श्री गुओझोंग चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के राजनीतिक ब्यूरो (सीपीसी) के केंद्रीय समिति सदस्य भी हैं। दोनों पक्षों ने चीन-डीपीआरके संबंधों और द्विपक्षीय आदान-प्रदान और विशिष्ट क्षेत्रों में सहयोग पर गहन विचारों का आदान-प्रदान किया। सीपीसी सेंट्रल कमेटी के महासचिव शी जिनपिंग की ओर से श्री लियू ने श्री किम को उत्तर कोरिया की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ पर हार्दिक बधाई दी। उन्होंने उत्तर कोरिया की निर्माण उपलब्धियों पर सकारात्मक टिप्पणियां कीं और समृद्ध भविष्य और इसके विकास, समाजवादी उद्देश्य के फलने-फूलने और इसके विकास पथ के व्यापक होने से लोगों का जीवन खुशहाल होने की कामना की। श्री लियू ने कहा कि चीन पारंपरिक चीन-डीपीआरके मित्रता की सराहना करता है और द्विपक्षीय संबंधों के निरंतर सुदृढ़ीकरण और विकास पर जोर देने को अग्रसर है। उन्होंने कहा कि कृषि और स्वास्थ्य देखभाल लोगों की आजीविका के लिए महत्वपूर्ण उपक्रम हैं। उन्होंने कहा कि चीन अपने लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए इन क्षेत्रों में उत्तर कोरिया के साथ सहयोग को मजबूत बनाने के इच्छुक है।

■ **किम को उत्तर कोरिया की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ पर बधाई भी दी**

बलूचिस्तान में छह फुटबॉल खिलाड़ियों का अपहरण

क्वेटा, 10 सितम्बर (एजेंसियां)। पाकिस्तान में बलूचिस्तान प्रांत के डेरा बुगती जिले में छह फुटबॉल खिलाड़ियों के अपहरण कर लिये जाने का मामला सामने आया है। डेरा बुगती के डिप्टी कमिश्नर ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि डेरा बुगती और सुई निवासी ये खिलाड़ी ऑल पाकिस्तान चीफ मिनिस्टर गोल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वालीफाइंग राउंड में हिस्सा लेने के लिए शनिवार को सिबी जा रहे थे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि हथियारबंद लोगों ने डेरा बुगती की कच्ची नहर के जानी बैर इलाके में खिलाड़ी के वाहनों को रोक लिया और बंदूक की नोक पर फुटबॉलरों को अपने साथ ले गए। इन खिलाड़ियों में आमिर बुगती, फैसल बुगती, सोहेल बुगती, यासर बुगती और शेराज़ बुगती शामिल हैं। बलूचिस्तान के कार्यवाहक गृह मंत्री मीर जुबैर अहमद जमाली ने कहा कि अपहृत खिलाड़ियों को जल्द से जल्द ढूंढने के लिए सुरक्षा बलों को इलाके में भेजा गया है। कार्यवाहक आंतरिक मंत्री सरफराज बुगती ने बताया कि खिलाड़ियों को ढूंढने के लिए अभियान छेड़ा गया है तथा फ्रंटियर कोर, डिप्टी कमिश्नर, कमिश्नर और लेवीज़ फोर्स की टीमें उनका पता लगाने के लिए काम कर रही हैं।

वर्ग पहेली 6313

१		२		■	■	३		४	
	■		■	५			■		■
६			■		■	७			८
	■		■	९			■	■	
■	१०		११		■	■	१२		
■		■		■	१३			■	
१४		१५		■		■	१६	१७	
	■		■	१८		१९	■		■
२०			■		■	२१			२२
	■	२३					■	■	

बायें से दायें:-

१. ठगी, धोखेबाजी धूर्तता
३. दीवारों पर बना चित्र
५. उम्मीद, चाह, इच्छा
६. जहरीला
७. मुठभेड़, भिड़ंत
९. देखने की क्रिया, दीदार
१०. मद्य निर्माण शाला
१२. मुखिया, प्रमुख
१३. श्रेष्ठ, उत्तम
१४. निरस्त करना, रद्द होना
१६. भरा-पूरा, संपन्न
१८. रसीला
२०. लाल कमल, चांदी, विष्णु, कपूर
२१. परिवर्तित करना
२३. एकाएक, सहसा (उर्दू)

ऊपर से नीचे:-

१. जिस पर असर पड़ा हो
२. जिसे खुशामद पसंद हो
३. भीख मांगते हुए घूमना
४. चित्रकार
५. आय
८. जिसने किसी से कोई वादा कर रखा हो
१०. इज्जत, सम्मान
११. वस्त्र
१२. कोशिश
१३. बहरा
१४. जिस पर कोई नियंत्रण या अंकुश या दबाव न हो
१५. संवेदनशील, भावुक
१७. कमल
१८. अभिप्राय, उद्देश्य, हेतु (उर्दू)
१९. सीख, अध्याय, पाठ, पुस्तक का उतना अंश जितना एक दिन में गुरु से पढ़ा जाए (उर्दू)
२२. तबाह, बर्बाद, अंत

वर्ग पहेली-6312

१ स	र्व	२ मं	ग	3 ला	■	४ म	नो	५ ब	ल
ह	■	ग	■	६ क्षा	री	य	■	ढ़ि	■
७ पा	ग	ल	■	भ	■	८ खा	मि	या	९ जा
ठी	■	का	■	१० व	र	ना	■	■	फ
■	११ चि	ल	१२ म	न	■	■	१३ अं	त	रा
■	रां	■	दि	■	१४ बे	हू	दा	■	न
१५ अ	ध	१६ म	रा	■	व	■	१७ ज	१८ रा	■
नि	■	क	■	१९ र	क्त	२० प	■	जि	■
२१ वा	जि	ब	■	ह	■	२२ ह	र	का	२३ रा
र्ण	■	२४ रा	ज	म	ह	ल	■	■	ज

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

आज का इतिहास

1893- अमेरिका के शिकागो में आयोजित विश्व धर्म सम्मेलन में स्वामी विवेकानंद ने सांप्रदायिकता, धार्मिक कट्टरता और हिंसा पर ऐतिहासिक भाषण दिया।

1895- महान स्वतंत्रता सेनानी, सामाजिक कार्यकर्ता और प्रसिद्ध गांधीवादी नेता विनोबा भावे का जन्म।

1906- महात्मा गांधी ने दक्षिण अफ्रीका में सत्याग्रह आन्दोलन आरंभ किया।

1919- अमेरिकी नौसेना ने होंडुरास पर आक्रमण किया।

1922- आस्ट्रेलिया के मेलबर्न में सचित्र दैनिक समाचार पत्र द सन न्यूज पेक्टोरियल की शुरूआत।

1939- इराक और सऊदी अरब ने जर्मनी के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।

1941- अमेरिकी रक्षा मंत्रालय मुख्यालय पेंटागन का निर्माण शुरू।

1948- ब्रिटिशकालीन भारत के प्रमुख नेता और 'मुस्लिम लीग' के अध्यक्ष मुहम्मद अली जिन्ना का निधन।

1951- फ्लोरेंस चैडविक ने इंग्लिश चैनल तैरकर पार किया। उन्हें इंग्लैंड से फ्रांस पहुंचने में 16 घंटे और 19 मिनट लगे। ऐसा करने वाली वह पहली महिला।

1961- विश्व वन्यजीव कोष की स्थापना।

1962- मशहूर इंग्लिश रॉक बैंड 'दि बीटल्स' ने अपने पहले एकल हिट एलबम 'लव मी डू' के गाने रिकार्ड किए।

1968- एयर फ्रांस का विमान नाइस के निकट दुर्घटनाग्रस्त। हादसे में 89 यात्रियों और चालक दल के छह सदस्यों की मौत।

त्रासदी भूकंप की मार झेल रहा है मोरक्को

भूकंप पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने के लिए आईफिल टॉवर की लाइटें बंद की गईं

पेरिस, 10 सितंबर (एजेंसियां)। मोरक्को में भूकंप ने तबाही मचा दी है। यहां भूकंप से मरने वालों की संख्या 2 हजार से अधिक हो गई है। पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने के लिए शनिवार को पेरिस में आईफिल टॉवर की लाइटें बंद कर दी गईं। टीएफटी मोरक्को ने रविवार तड़के अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट किया, मोरक्को में भूकंप पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने के लिए आईफिल टॉवर की लाइटों को बंद कर दिया गया है! गृह मंत्रालय के अनुसार, शुक्रवार रात मोरक्को में आए तेज़ भूकंप से मरने वालों की संख्या 2,000 से अधिक हो गई है।

सीएनएन ने हाई एटलस पर्वत के निकट प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से कहा कि हर जगह तबाही ही तबाही है। यूएसजीएस के अनुसार, दशकों में उत्तरी अफ्रीकी देश में आया यह भूकंप सबसे घातक था। शुक्रवार को स्थानीय समयानुसार रात 11=11 बजे मोरक्को की हाई एटलस पर्वत रेंज में

भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 6.8 मापी गई थी और भूकंप 18.5 किमी गहराई में था। स्थानीय मीडिया के अनुसार, भूकंप के झटके रबात और कैसाब्लांका सहित मोरक्को के कई शहरों में महसूस किया गए। भूकंप से टैरोडैंट और मराकेश शहरों में कई घर ढह गए।

जापान मोरक्को की सहायता के लिए तैयार: किशिदा

टोक्यो। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने मोरक्को में आए विनाशकारी भूकंप से प्रभावित लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि उनका देश वहां सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है। इससे पहले मोरक्को के अखबार हेस्प्रेस ने गृह मंत्रालय के आंकड़ों के हवाले से खबर दी है कि भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर 2,012 हो गई है, जबकि 2,059 अन्य लोग घायल हुए हैं। श्री किशिदा ने मोरक्को के प्रधानमंत्री अजीज अखान्नौच को संबोधित एक बयान में कहा, मैं उन लोगों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करना चाहता हूं जिन्होंने अपनी जान गंवाई और मेरी सहानुभूति उनके शोक संतप्त परिवारों के साथ है। मैं दिल से प्रभावित लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने के साथ-साथ प्रभावित क्षेत्रों के शीघ्र पुनर्निर्माण के लिए प्रार्थना करता हूं।

दुनिया को जानें

तुर्की में 3 हजार फीट नीचे फंसे गुफा शोधकर्ता

अंकारा, 10 सितम्बर (एजेंसियां)। न्यूयॉर्क के एक गुफा (केव) शोधकर्ता को तुर्की में बचाने के प्रयास जारी हैं, जो 3,000 फीट नीचे फंसे हुए हैं। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, मार्क डिकी एक अनुभवी कैवर और न्यू जर्सी प्रारंभिक प्रतिक्रिया टीम के प्रमुख हैं जो आमतौर पर दूसरों को बचाते हैं, बीमार पड़ गए। जिसके बाद 170 से अधिक बचावकर्मियों की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने उनकी सहायता के लिए तुर्की की तीसरी सबसे गहरी गुफा में एक मेडिकल रिले प्रणाली स्थापित की है। मार्क डिकी गुफा में मैपिंग अभियान के दौरान गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल रक्तस्राव से पीड़ित हो गए थे। एएफएडी में खोज और बचाव विभाग के प्रमुख रेसेप साल्सी ने कहा, %जैसे ही हमें मेडिकल टीम से हरी झंडी मिलेगी, हम निकासी शुरू कर देंगे।% एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, एजेंसी के एक क्षेत्रीय अधिकारी सेनक यिल्डिज़ ने कहा कि यह एक कठिन ऑपरेशन है... एक स्वस्थ व्यक्ति को बाहर आने में 16 घंटे लगेंगे। न्यू जर्सी स्थित गुफा बचाव समूह ने कहा कि उन्हें आईवी तरल पदार्थ और कम से कम चार लीटर रक्त दिया गया।

प्रादेशिकी

तीसरे चरण में 70.69 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने दी ऑनलाइन परीक्षा

जयपुर, 10 सितम्बर (एजेंसियां) राजस्थान आवासन मंडल द्वारा ली जा रही सीधी भर्ती परीक्षा-2023 के तीसरे दिन आज दोनों पारियों को मिलाकर 70.69 फीसदी छात्र-छात्राओं ने परीक्षा दी। सूत्रों के अनुसार रविवार को तीसरे दिन के लिए 19 हजार 347 अभ्यर्थियों को कॉल लेटर जारी किए गए, जिसमें से 13 हज़ार 678 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। पहली पारी के लिए प्रदेश के कुल 62 परीक्षा केंद्रों के लिए 9528 कॉल लेटर जारी किए गए थे, जिसमें से 6 हजार 731 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। दूसरी पारी के 62 परीक्षा केंद्रों के लिए 9 हजार 819 कॉल लेटर जारी किए गए थे, वहां 6 हजार 947 छात्र-छात्राओं ने परीक्षा दी। रविवार को प्रदेश के 3 जिलों (जयपुर, जोधपुर, उदयपुर) के परीक्षा केंद्रों पर आयोजित करवाई गई।

हिमाचल को हरित ऊर्जा के रूप में विकसित करने का लक्ष्य : सुक्खू

शिमला, 10 सितम्बर (देशबन्धु)। प्रदेश सरकार ने राज्य को 31 मार्च, 2026 तक हरित ऊर्जा राज्य के रूप में विकसित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पंचायती राज संस्थाओं के साथ-साथ आमजन की भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में भी प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। प्रदेश सरकार ने राज्य के प्रत्येक जिले में दो-दो ग्राम पंचायतों को पायलट आधार पर हरित पंचायत के रूप में विकसित करने की रूपरेखा तैयार की है। इन पंचायतों में 500 किलोवॉट से लेकर एक मेगावॉट विद्युत उत्पादन क्षमता की सौर ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित की जाएंगी। हिमाचल प्रदेश ऊर्जा क्षेत्र विकास कार्यक्रम के तहत इन परियोजनाओं की स्थापना के लिए 50 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। प्रदेश सरकार के उपक्रम हिमऊर्जा ने इसके दृष्टिगत ग्राम पंचायतें चिन्हित कर सौर परियोजनाएं स्थापित करने की प्रक्रिया आरम्भ कर दी है।

योजना के तहत 500 किलोवॉट क्षमता की सौर परियोजना के निर्माण के लिए 2.10 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। कार्यशील होने के उपरान्त प्रत्येक परियोजना से प्रतिदिन लगभग 2250 यूनिट विद्युत उत्पादन और लगभग 25 लाख रुपये की आय का अनुमान है। इन परियोजनाओं का निर्माण कार्य पूर्ण होने के उपरान्त इनमें स्थानीय ग्राम पंचायतों की सहभागिता भी सुनिश्चित की जाएगी। इससे न

केवल स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार बल्कि ग्राम पंचायतों के लिए आय सृजन के नए अवसर भी उपलब्ध होंगे। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश को हरित ऊर्जा राज्य के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से बहु-आयामी प्रयास कर रही है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए युवाओं की भूमिका पर विशेष बल दिया गया है। प्रदेश के युवाओं को अपनी भूमि अथवा लीज पर ली गई भूमि पर 500 किलोवॉट से दो मेगावॉट तक की सौर ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित करने के लिए 40 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा। इन परियोजनाओं से उत्पन्न बिजली की खरीद राज्य विद्युत बोर्ड द्वारा की जाएगी।

सरकार सार्वजनिक परिवहन को विद्युत परिवहन के रूप में विकसित करने के लिए भी गंभीर प्रयास कर रही है। इससे जीवाश्म इंधन पर निर्भरता भी समाप्त होगी। इस दिशा में युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए भी सरकार ने ई-बस खरीद के लिए 50 प्रतिशत की दर से अधिकतम

प्रदेश को हरित ऊर्जा राज्य के रूप में विकसित करने से स्वरोजगार के अनेक साधन उत्पन्न होंगे। संसाधनों के सृजन से युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों में भी बढ़ोतरी होगी: सुखविंदर सिंह सुक्खू

50 लाख रुपये तक का उपदान देने तथा निजी ई-ट्रक की खरीद के लिए भी 50 प्रतिशत की दर से अधिकतम 50 लाख रुपये का उपदान का प्रावधान किया है।

प्रदेश को हरित ऊर्जा राज्य के रूप में विकसित करने से स्वरोजगार के अनेक साधन उत्पन्न होंगे। संसाधनों के सृजन से युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों में भी बढ़ोतरी होगी। इसी दिशा में प्रयास करते हुए सरकार ने विद्युत वाहनों के चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के लिए 50 प्रतिशत की दर से उपदान प्रदान करने का प्रावधान किया है। इवी-चार्जिंग स्टेशन विकसित करने के दृष्टिगत प्रदेश सरकार एक वृहद नीति भी तैयार कर रही है।

प्रदेश को हरित ऊर्जा राज्य के रूप में विकसित करने से न केवल कार्बन उत्सर्जन व प्रदूषण को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी बल्कि अनेक क्षेत्रों में नवोन्मेषी पहल से रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। हरित ऊर्जा से देश व प्रदेश के ऊर्जा संसाधनों को बचाने और जलवायु परिवर्तन को रोकने में भी मदद मिलेग ।

राष्ट्रीय आपदा घोषित कर विशेष राहत पैकेज दे केंद्र : सुक्खू

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शनिवार को नई दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा जी-20 शिखर सम्मेलन के अवसर पर आयोजित रात्रि भोज में भाग लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भी मुलाकात की और उनके समक्ष प्रदेश हित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने प्रधानमंत्री को प्रदेश में भारी बारिश के कारण आई आपदा से हुए नुकसान के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी और उनसे प्रदेश में हुई त्रासदी को 'राष्ट्रीय आपदा' घोषित करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि गत दो महीनों में भारी बारिश, भू-स्खलन और बाढ़ के कारण प्रदेश में 400 से अधिक लोगों ने अपनी जान गंवाई है और 13 हजार से अधिक घरों को नुकसान पहुंचा है, जिस कारण हजारों परिवार बेघर हो गए हैं। उन्होंने बताया कि इस प्राकृतिक आपदा के कारण प्रदेश को 12 हजार करोड़ से अधिक का नुकसान हुआ है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से कहा कि इस आपदा से उबरने के लिए प्रदेश को केंद्र की ओर से आर्थिक पैकेज की आवश्यकता है। आपदा के कारण प्रदेश में हुए अभूतपूर्व नुकसान के दृष्टिगत मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि भुज और केदारनाथ में आई आपदा की तर्ज पर हिमाचल को भी विशेष राहत पैकेज दिया जाना चाहिए। नरेन्द्र मोदी ने ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू द्वारा उठाए गए प्रदेश हित के मद्दों को ध्यानपूर्वक सुना और कहा कि प्रदेश की मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाएगा। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बिडेन, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीस, जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज, सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान सहित अन्य देशों के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, 19 आमंत्रित देशों के प्रतिनिधि, संयुक्त राष्ट के अलावा अन्य गणमान्य व्यक्ति भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

प्रतिभा सिंह ने प्रदेश भाजपा के तीनों लोकसभा व राज्यसभा सांसदों को अलग-अलग पत्र लिख कर मांगा सहयोग

शिमला, 10 सितम्बर (देशबन्धु)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद अखिल भारतीय कांग्रेस कार्यसमिति की सदस्य प्रतिभा सिंह ने प्रदेश भाजपा के तीनों लोकसभा व राज्यसभा सांसदों को अलग अलग एक पत्र लिख कर प्रदेश में भारी बारिश व भूस्खलन से हुए नुकसान की भरपाई के लिये एकजुटता के साथ प्रयास करने व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलकर इस आपदा को राष्ट्रीय आपदा घोषित करवा कर विशेष आर्थिक मदद लेने का आग्रह किया हैं। प्रतिभा सिंह ने अपने पत्र में लिखा है कि प्रदेश में भारी बारिश व बाढ़ से हुए भूस्खलन की बजह से भारी जानमाल का नुकसान हुआ हैं। प्रदेश में एक ओर जहां करोड़ो रूपये की चल व अचल संपत्ति का भारी नुकसान हुआ है वही इस आपदा से जन जीवन भी बुरी तरह प्रभावित हुआ हैं। लोकतंत्र में चुने हुए प्रतिनिधियों की ऐसी आपदाओं के समय लोगों को राहत पहुंचाने व पुनर्वास कार्यो के प्रति बहुत बड़ी जिम्मेदारी बन जाती हैं। राजनीति में भले ही हमारी विचारधारा अलग -अलग है पर हिमाचल प्रदेश के सांसद होने के नाते हमारा कर्तव्य बन जाता है कि प्रदेश में आई इस आपदा में हमसब एकजुट होकर प्रभावित लोगों की मदद करें और पुनर्वास कार्यो में प्रदेश सरकार का सहयोग करें। मेरा यह मानना है कि हम सब सांसदों को एकजुट होकर प्रदेशहित में इस आपदा में राहत व पुनर्वास कार्यो में आपसी सहयोग करना चाहिए। इसी उद्देश्य से मै आपको यह पत्र प्रेषित कर रही हूं। जैसे कि आप जानते हैं कि प्रदेश में सीमित संसाधनों व विकट आर्थिक स्थिति के चलते हम किसी भी सहायता के लिये केंद्र सरकार पर ही निर्भर हैं। इसलिए हमें इस आपदा को राष्ट्रीय आपदा घोषित करवा कर प्रदेश के लिये विशेष आर्थिक पैकेज की मांग करनी चाहिए। इसके लिए आप सब माननीय सांसदों का सहयोग बहुत ही आवश्यक है। अगर हम सब मिलकर प्रधानमंत्री महोदय से प्रदेश में इस आपदा से हुए भारी जानमाल के नुकसान से अवगत करवाएं तो अवश्य ही प्रधानमंत्री जी प्रदेश की पीड़ा को समझते हुए हमारी इस मांग को पूरा करेंगे।

अत: आप सब माननीय सांसदों से मेरा विनम्र आग्रह है कि आप मेरे इस पत्र पर सहानुभूति पूर्वक विचार करते हुए लोकसभा के विशेष सत्र के दौरान प्रधानमंत्री जी से मिलने का समय मांगे,जिससे हम सब सांसद उनसे मिलकर प्रदेश को आपदा के इस संकट से उभार सकें।

सार संक्षेप

उद्योगों पर इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी बढ़ाना प्रदेश सरकार का गलत कदम

शिमला। प्रदेश की सुक्खू सरकार द्वारा उद्योगों पर इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी बढ़ाये जाने को प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष वीरेंद्र कंवर ने अनुचित कदम बताते हुए कहा है कि ऐसा करने से प्रदेश में औद्योगिक विकास ठप्प हो जाएगा। उन्होंने कहा कि पहले ही आपदा झेल रहे प्रदेश को आर्थिक तौर से मजबूत होने के लिए उद्योगों की आवश्यकता है किंतु सरकार के इस फैसले से उद्यमी सकते में हैं। वीरेंद्र कंवर ने सरकार पर झूठे आश्वासन देने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस ने सत्ता हथियाने के लिए सरकारी क्षेत्र में पांच लाख नौकरियां देने की गारंटी दी थी जबकि इस प्रकार उद्योगों पर अतिरिक्त कर लगा देने से उद्योग पलायन करेंगे व जो युवा इन उद्योगों में कार्यरत हैं वे भी बेरोजगार हो जाएंगे। वीरेंद्र कंवर ने कहा कि भाजपा के कार्यकाल में हमेशा ही उद्योगों को बढ़ाने के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाई गईं जिससे हमारे युवाओं को रोजगार भी मिला है।

निगुलसरी में पहाड़ के दरकने से 400 मीटर तक अवरुद्ध राजमार्ग : नेगी

शिमला। हिमाचल प्रदेश के राजस्व, बागवानी एवं जनजातीय विकास मंत्री जगत सिंह नेगी किन्नौर जिला के निगुलसरी में पहाड़ के दरकने से 400 मीटर तक अवरुद्ध हुए राष्ट्रीय उच्च मार्ग-05 की बहाली के लिए तत्परता से दिन-रात स्वयं मौके पर उपस्थित होकर बहाली के कार्य का निरीक्षण कर रहे हैं। श्री नेगी ने कहा कि बहाली कार्य के लिए आवश्यक मशीनरी व अन्य उपकरण की उपलब्धता सुनिश्चित कर रहे हैं, जिसका उद्धारण है बहाली कार्य के लिए आर ओ सी मशीनों को उपलब्ध करवाना। राजस्व मंत्री ने गत दिवस पटेल इंजीनियरिंग लुहरी प्रोजेक्ट व भारतीय सेना पूह से सामंजस्य स्थापित कर उच्च तकनीक की आर.ओ.सी मशीने मंगवाईं जो गत दिवस से बहाली के कार्य में सुचारू रूप से कार्य कर रही हैं।

प्रतिबंध के बावजूद एम्स की कैंटीन में हो रहा सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग

बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में जनपद के कोठीपुरा स्थित स्वास्थ्य संस्थान एम्स में लोगों की सेहत के साथ खिलवाड़ हो रहा है, लेकिन प्रशासन के हाथ इन तक नहीं पहुंच रहे हैं। एम्स में स्थित कैंटीन में कैंटीन संचालक प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक में खाना परोस रहे हैं जिससे लोगों में बीमारियां फैलने का भी खतरा बना हुआ है। हिमाचल प्रदेश में सिंगल यूज प्लास्टिक पर सरकार ने पूर्णतः प्रतिबंध लगाया हुआ है, लेकिन इसके बावजूद जिला में इसका प्रयोग करने के मामले सामने आए हैं।

सुडोकू 6313 का हल

6	2	7	1	9	5	8	4	3
1	9	5	8	4	3	6	2	7
4	3	8	2	7	6	9	5	1
8	1	9	3	2	7	4	6	5
7	5	3	9	6	4	1	8	2
2	4	6	5	8	1	3	7	9
3	8	1	6	5	2	7	9	4
9	7	2	4	3	8	5	1	6
5	6	4	7	1	9	2	3	8

समृद्ध संस्कृति को संरक्षित करने में मेलों की अहम भूमिका : डा. शांडिल

शिमला, 10 सितम्बर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में आयोजित होने वाले मेले प्रदेश की समृद्ध संस्कृति को संरक्षित करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। यह बात स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री कर्नल डॉ. धनीराम शांडिल ने रविवार को जिला सोलन के कण्डाघाट उपमण्डल की ग्राम पंचायत पौधना के गांव पपलोल में शहीद रोशन लाल मेले के शुभारम्भ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि कही।

उन्होंने शहीद को नमन करते हुए क्षेत्र वासियों को शहीद रोशन लाल मेले की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रदेश के हर गांव और शहर की भिन्न सांस्कृतिक पहचान है। उन्होंने कहा कि मेलों के माध्यम से संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित करके आपसी भाईचारे की भावना को बढ़ावा मिलता है। स्वास्थ्य मंत्री ने शहीद रोशन लाल को नमन करते हुए कहा कि ऐसे मेले

शहीद को नमन करते हुए क्षेत्र वासियों को शहीद रोशन लाल मेले की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रदेश के हर गांव और शहर की भिन्न सांस्कृतिक पहचान है: डॉ. धनीराम शांडिल

युवाओं को देशभक्ति की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि गत दिनों भारी वर्षा से प्रदेश में बहुत अधिक नुकसान हुआ है। भविष्य में हमें योजना व तरीके से सड़कों, भवनों इत्यादि का निर्माण करना होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार प्रभावित लोगों को उचित मुआवज़ा दे रही है। उन्होंने कहा कि युवा नशे की लत से दूर रहें, इसके लिए परिवार के सदस्य अपने बच्चों पर नजर भी रखें ताकि युवा नशे की ओर आकर्षित न हों।

उन्होंने कहा कि मेलों में आयोजित होने वाली खेलकूद प्रतियोगिताएं युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को अपनी संस्कृति को जानने और उसे संजोए रखने मे मेले एवं उत्सव अहम भूमिका निभाते हैं।

स्वास्थ्य मंत्री ने पपलोल खेल मैदान के लिए पहली किस्त के रूप में 10 लाख रुपए, मोक्षधाम पपलोल के निर्माण के लिए 1.50 लाख रुपए, रनहोल सामुदायिक भवन निर्माण की पहली किस्त के रूप में तीन लाख रुपए, पपलोल सामुदायिक भवन निर्माण के लिए दो लाख रुपए तथा राजकीय उच्च विद्यालय पपलोल के खेल मैदान को समतल करने के लिए एक लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने शहीद रोशन लाल क्लब पपलोल को अपनी ऐच्छिक निधि से 21 हज़ार रुपए देने की भी घोषणा की। इससे पूर्व स्वास्थ्य मंत्री ने ग्राम पंचायत पोधना के गांव काटल में भारी वर्षा से हुए भूस्खलन क्षेत्र का निरीक्षण भी किया।

अधिकारियों को सड़क ठीक करने के लिए दिए दिशा निर्देश : सिंह

शिमला, 10 सितम्बर (देशबन्धु)। हिमाचल के लोक निर्माण, युवा सेवाएं व खेल मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने भारी बरसात से क्षतिग्रस्त हुई अनाडेल कैंची मोड़-गवाही-कड़ोग संपर्क सड़क का शनिवार को निरीक्षण किया और भिन्न-भिन्न जगहों पर टूटी हुई सड़क का जायजा लिया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री ने कहा कि पिछले दो माह में हुई भारी बरसात के कारण आई आपदा से प्रदेश में बहुत ज्यादा जान-माल् का नुकसान हुआ है और प्रदेश की अधिकतम सड़कें अवरुद्ध हुई जिन्हे युद्ध स्तर पर ठीक करने का कार्य जारी है और अब तक 80 प्रतिशत सड़कों को बहाल कर दिया गया है। स्थिति को सामान्य बनाने व लोगों को राहत दिलवाने तथा पुनर्वास के लिए सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि इस बरसात में शिमला शहर में भी भारी नुकसान देखने को मिला

है। बहुत से पुराने व नए पेड़ टूटने के कारण मकानो को भी नुकसान हुआ है जिसे ठीक करने में समय लगेगा।

उन्होंने कहा कि इस आपदा की आड़ में शिमला शहर में कुछ लोगों द्वारा बेवजह ही पेड़ों के काटने के मामले सामने आने के बाद नगर निगम आयुक्त की अध्यक्षता में ट्री अथॉरिटी गठित की गई है जिसकी अनुमति व निरीक्षण के उपरान्त ही पेड़ों का कटान किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि लोगों द्वारा बेतरतीब ढंग से मकान बनाए गए हैं, जिसका उन्हें इस बरसात में खामियाजा भुगतना पड़ा है। उन्होंने कहा कि भविष्य में इससे सम्बन्धित कानून को सख्ती से लागू किया जाएगा ताकि आपदा की स्थिति में जानमाल के नुकसान से बचा जा सके।

उन्होंने कहा कि भारी नुकसान के मद्देनजर केंद्र सरकार से भी राहत अपेक्षित है। उन्हें आशा है की केंद्र सरकार इस मुसीबत की घड़ी में राहत की प्रथम किशत शीघ्र जारी करेगी।

श्री सिंह ने कहा कि गवाही-कड़ोग सड़क में गवाही के नजदीक टूटी हुई सड़क जहां डंगा लगना है उसका पराकलन तैयार कर दिया गया है जिस पर 12 लाख रुपए की राशि खर्च की जाएगी और अगले एक सप्ताह के भीतर डंगा लगाने के लिए कार्य अवार्ड कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कडोग गांव के लिए जा रही सड़क बीच-बीच में टूटी हुई है जिसे जेसीबी के माध्यम से साफ किया जाएगा तथा आवश्यकतानुसार डंगे लगाने का कार्य भी किया जाएगा।

कांग्रेस सरकार, सेब विरोधीः सुरेश कश्यप

शिमला, 10 सितम्बर (एजेंसिसां)। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद सुरेश कश्यप ने कहा कि कांग्रेस सरकार, सेब विरोधी सरकार है। श्री कश्यप ने कहा कि एक जगह सेब बागवान परेशान हैं और सरकार इनको और ज्यादा परेशान करने का काम कर रही है। जिस सेब बागवान ने अपने खराब सेब अस्थाई नाले में परवाह करने का कार्य किया, इस नकारात्मक सरकार ने उसकी को परदूषण नियंत्रण बोर्ड के माध्यम से एक लाख का जुर्माना लगा दिया। उन्होंने कहा कि सरकार स्पष्ट करें कि सेब में ऐसे कौन से केमिकल होते हैं जिसके कारण प्रदूषण फैलने का कार्य होता है। अगर तुलना की जाए तो अनेकों प्रकार के खाद्य पदार्थ है जो खराब होने के बाद जगह-जगह फेक जाते हैं, तो क्या उनको भी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा इसी प्रकार के जुर्माना लगाए जाते हैं। अगर यही मापदंड है तो सरकार के अनेकों उपक्रम भी इस दायरे में आते हैं जिनको इस प्रकार की भारी पेनाल्टी भरनी चाहिए। उन्होंने कहा की मौसम की मार से हिमाचल की 6,000 करोड़ की सेब आर्थिकी पर संकट गहरा गया है। बगीचों में पेड़ों से पत्ते झड़ गए हैं। जिसके चलते बागवानों को समय से पहले फसल तोड़नी पड़ रही है। आकार और रंग न सुधरने के कारण बागवानों को मंडियों में फसल के उचित दाम नहीं मिल रहे। हिमाचल में करीब साढ़े तीन लाख परिवार सेब आर्थिकी से जुड़े हैं। प्रदेश में 7,000 फीट से अधिक ऊंचाई वाले बगीचों में सेब की फसल बुरी तरह प्रभावित हुई है। आगामी 15 सितंबर के बाद जहां फसल टूटनी थी, वहां क्वालिटी न बनने के कारण बागवानों को निर्धारित समय से करीब दो हफ्ते पहले फसल तोड़नी पड़ रही है।

25 सितम्बर को होगा भाजपा को सत्ता से उखाड़ फेंकने का आगाजः चौटाला

सिरसा, 10 सितम्बर (एजेंसियां)। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) सुप्रीमो एवं हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला ने कहा कि भाजपा ने देश में लोगों को आपस में लड़ाकर सत्ता हथियाई। उन्हें न देश से सारोकार है ओर न जनता से प्यार। पैसा कैसे वसूला जाये साजिश करते हैं। आज देश का हर नागरिक इस शासन से मुक्ति चाहता है।

भाजपा सरकार से मुक्ति का आगाज आगामी 25 सिंतबर को हरियाणा में पूर्व उप-प्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल जंयति पर कैथल में आयोजित सम्मान समारोह से होगा। श्री चौटाला ने कहा कि इस 'सम्मान समारोह' में देशभर के 14 से अधिक सियासी दलों के नेता शिरकत करेंगे। आज मैं भाषण देने नहीं बल्कि सम्मान समारोह में पहुंचने वाले नेताओं के भाषण सुनने का न्यौता देने आया हूं। श्री चौटाला रविवार को डबवाली रोड स्थित

भाजपा सरकार से मुक्ति का आगाज आगामी 25 सिंतबर को हरियाणा में पूर्व उप-प्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल जंयति पर कैथल में आयोजित सम्मान समारोह से होगा: ओमप्रकाश चौटाला

महाराजा पैलेस में इनेलो की जिला स्तरीय कार्यकर्ता बैठक को संबोधित कर रहे थे। गौरतलब है कि विपक्षी घटक दलों के संगठन 'इंडिया' के गठन के बाद किसी विपक्ष दल की यह पहली जनसभा होगी जिसमें विभिन्न दलों के इतने नेता शिरकत करेंगे। श्री चौटाला ने कहा कि देश को विपरित राजनीतिक परिस्थितयों से मुक्ति दिलाने के लिए चौधरी देवीलाल के नक्शेकदम पर चलते हुए उनके दिखाए सियासी मार्ग पर चलना होगा। उन्होंने हरियाणा के बेरोजगारों को नौकरी,बेरोजगारी भत्ता,बुढापा पैंशन,गैस सिलेंडर व छात्रों को मुफ्त शिक्षा व उनका ईलाज सरीखी बातों को फिर से दोहराया।

ऐलनाबाद के विधायक अभय सिंह चौटाला ने इस दौरान कहा कि आगामी 25 सितंबर को जिला कैथल में होने वाली राज्य स्तरीय जयंती 'सम्मान समारोह' में देशभर के 14 विभिन्न राजनीतिक दलों के दिग्गज नेता शिरकत कर चौधरी देवीलाल को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

राजस्थान में संचालित जनकल्याणकारी योजनाएं बेमिसाल : गहलोत

जयपुर, 10 सितम्बर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को प्रदेश में ग्रामीण इंदिरा रसोईयों का शुभारंभ किया और राज्य में संचालित जनकल्याणकारी योजनाएं को बेमिसाल बताते हुए कहा है कि शहरों में सार्वजनिक, धार्मिक, व्यवसायिक स्थलों एवं कच्ची बस्तियों के आस-पास इंदिरा रसोई खुलने से मजदूरों, विद्यार्थियों, कामकाजी लोगों को मात्र आठ रुपये में पौष्टिक भोजन मिल रहा है।

श्री अशोक गहलोत रविवार को टोंक जिले के निवाई में इंदिरा रसोई योजना (ग्रामीण) के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार 'कोई भूखा ना सोए' के संकल्प को चरितार्थ करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में इंदिरा रसोईयों का विस्तार ग्रामीण क्षेत्रों में किया जा रहा है। श्रीमती प्रियंका गांधी ने कहा ग्रामीण क्षेत्रों में इंदिरा रसोई खुलने से आमजन को भरपेट एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन सुलभ हो पायेगा। मुख्यमंत्री कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देशहित में अपना प्राणोत्सर्ग

किया लेकिन विघटनकारी शक्तियों को सफल नहीं होने दिया। उनके नाम से लाई गयी इंदिरा रसोई योजना (ग्रामीण) के तहत आज पूरे प्रदेश में 400 ग्रामीण इंदिरा रसोईयों का शुभारंभ किया गया है। 25 सितम्बर तक इनकी संख्या बढ़ाकर 1000 कर दी जाएगी। प्रदेश सरकार बजट घोषणाओं का त्वरित क्रियान्वयन कर आमजन को राहत दे रही है।

श्री गहलोत ने कहा कि वर्ष 2030 तक प्रदेश का योजनाबद्ध विकास सुनिश्चित करने के लिए रोडमैप तैयार किया जा रहा है। मिशन-2030 के तहत तैयार हो रहे विजन डॉक्यूमेंट के लिए 50 लाख से अधिक प्रदेशवासी अपने सुझाव दे चुके हैं। उन्होंने आमजन से ऑनलाइन एवं अन्य माध्यमों से अधिक से अधिक सुझाव देने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से हर वर्ग लाभान्वित हो रहा है। महंगाई राहत शिविरों के माध्यम से दी गई 10 गारंटियों से महंगाई की मार से जनता को राहत मिली है। किसानों के लिए अलग बजट, ओपीएस, राइट टू हैल्थ, राइट टू मिनीमम इनकम गारंटी, एक करोड़ लोगों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन, लम्पी रोग में मृत पशुओं के लिए 40 हजार रुपए की सहायता जैसे निर्णयों की पूरे देश में सराहना एवं अनुसरण हो रहा है। शिक्षा एवं स्वास्थ्य सहित विभिन्न मापदंडों पर राजस्थान आज देश में प्रथम स्थान पर है। उत्तर भारत में राजस्थान सबसे अधिक आर्थिक विकास दर वाला राज्य है। गत चार सालों में प्रदेश की जीडीपी छह लाख करोड़ रूपए बढ़ी है। वर्ष 2030 तक प्रदेश की जीडीपी को 30 लाख करोड़ तक लेकर जाना हमारा ध्येय है।

श्री गहलोत ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में तानाशाही रवैया उचित नहीं है। केन्द्रीय जांच एजेंसियों को निष्पक्ष रूप से कार्य करना चाहिए। वर्तमान केन्द्र सरकार को पूर्ववर्ती केन्द्र सरकार द्वारा लागू किए गए खाद्य सुरक्षा, शिक्षा, सूचना एवं रोजगार के अधिकारों की तर्ज पर सामाजिक सुरक्षा का अधिकार कानून बनाकर आमजन को देना चाहिए। साथ ही प्रदेश के 13 जिलों में पेयजल एवं सिंचाई जल आपूर्ति हेतु महत्वपूर्ण पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) को केन्द्रीय परियोजना का दर्जा भी देना चाहिए। इस अवसर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी, कैबिनेट मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला, लालचंद कटारिया, डॉ. महेश जोशी, रमेश चंद मीणा, भजनलाल जाटव, गोविंद राम मेघवाल, शकुंतला रावत, शाले मोहम्मद, राज्यमंत्री मुरारीलाल मीणा, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, पूर्व चिकित्सा मंत्री डॉ. रघु शर्मा, पूर्व शिक्षा राज्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यख गोविन्द सिंह डोटासरा, राज्य में कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, राजस्थान राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रेहाना रियाज चिश्ती, विधायक बाबूलाल नागर, रफीक खान, हरीश मीणा, इंद्रा मीणा आदि मौजूद थे।

जमीन धंसने के बावजूद काजा से ग्राम्फू मार्ग पर यातायात सुचारू रूप से जारी

शिमला, 10 सितम्बर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के केलांग में एनएच 05 पर निगुलसरी में जमीन धंसने के कारण बंद हुए मार्ग के चलते काजा से ग्राम्फू मार्ग पर यातायात सुचारू रूप से जारी रहेगा। स्थानीय प्रशासन ने सीमा सड़क संगठन को आदेश दिए है कि काजा वाया लोसर ग्राम्फू मार्ग पर मशीनरी की तैनाती करेंगे ताकि यातायात को निरंतर सूचारू रख सकें। सेब, मटर की गाड़ियां उक्त मार्ग से आराम से जा सकती है। ताकि किन्नौर और लाहुल स्पिति में आपूर्ति निरंतर जारी रहे और किसानों की किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

उप मंडलाधिकारी हर्ष नेगी ने जानकारी देते हुए कहा कि 94 आरसीसी और 108 आरसीसी के आफिसर कमांडिग को इस बारे में निर्देश दिए जा चुके है। इसके साथ ही एसएचओ काजा को आदेश दिए गए है कि लोसर से छोटा धड़ा तक रोजाना दो या तीन बार पेट्रोलिंग करके यातायात पर निगरानी रखे। इसके अलावा इसकी सूचना नियंत्रण कक्ष काजा में देनी होगी। इस बारे में दो मोबाईल नंबर भी जारी किए गए है जोकि 94599 00399, 89880 98072 है। वहीं डीएसपी केलांग को निर्देश दिए गए है कि ग्राम्फू से छोटा धड़ा तक निरंतर ट्रेफिक बहाली के लिए निगरानी करते रहे। उक्त मार्ग पर सेटालाईट के माध्यम से सूचना नियंत्रण काजा में देनी होगी।

प्रादेशिकी

युवा व्यापार मंडल ने नगर पालिका अध्यक्ष का पुतला किया दहन

फर्रुखाबाद, 10 सितम्बर (देशबन्धु)। नगर युवा व्यापार मंडल द्वारा पालिकाध्यक्ष वत्सला अग्रवाल का पुतला चौक चौराहे पर फंक आक्रोश व्याप्त किया। युवा व्यापारियों ने कहा कि बोर्ड की बैठक में सीसी टीवी कैमरों स्वीकृति मिली जिसके बाद अभी तक पालिकाध्यक्ष शहर के व्यापारियों के प्रति लापरवाही बरत रही है कैमरे ना होने से आमजनता व व्यापारी अपने आप को असुरक्षित महसुस करते है बोर्ड की मीटिंग में जब कैमरों को स्वकृति मिल गई है तो फिर अभी तक इस सुविधा से व्यापारियों को क्यों नही जोड़ा जा रहा और रेल्वेरोड का निर्माण कार्य एक वर्ष से अधूरा पड़ा हुआ है जिसपर नगर पालीका अध्यक्ष का कोई ध्यान नही पूर्व में भी कई वार पालिकाध्यक्ष को ज्ञान के माध्यम से सूचित किया लेकिन निष्क्रियता के चलते पालिकाध्यक्ष ने कोई ध्यान नही दिया जिससे आक्रोशित आज पालिकाध्यक्ष का पुतला दहन किया गया।

उप मुख्यमंत्री मौर्य ने महानाट्य 'जाणता राजा' के प्रचार रथ का किया शुभारंभ

लखनऊ, 10 सितम्बर (देशबन्धु)। लखनऊ के गोमती नगर विस्तार में प्रदेश कार्यालय दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के सेवा प्रकल्पों को समर्पित हिन्दवी स्वराज के 350वें वर्ष पर छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित विश्व का सबसे बड़ा ऐतिहासिक महानाट्य 'जाणता राजा' के प्रचार रथ का शुभारम्भ कार्यक्रम में उपस्थित महानुभावों को संबोधित किया। दिव्य प्रेम सेवा मिशन एक अध्यात्म प्रेरित स्वैच्छिक सेवा संस्थान है, जो समाज के गरीब जरूरतमंद असहाय वर्ग एवं उनके बालकों के लिए विगत 27 वर्षों से संवेदनशील लोगों के माध्यम से सेवारत है। सेवा कार्यों के सहयोगार्थ एवं समाज के नौजवानों को दिशा देने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश के लखनऊ जनपद के छत्रपति शिवा जी महाराज के जीवन पर आधारित विश्व के सबसे बड़े एवं ऐतिहासिक महानाट्य जाणता राजा का आयोजन आगामी 26 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक जनेश्वर मिश्रा पार्क गोमती नगर

में सेवा मिशन द्वारा किया जा रहा है। जिसमें पूरे देश और प्रदेश के कार्यकर्ता, बंधु, माताये बहनें सम्मलित होंगे। कार्यक्रम के प्रचार प्रसार हेतु आज प्रचार रथ का शुभारम्भ करते हुए उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों की देश एवं समाज को अत्यन्त आवश्यकता है। मेरा सभी से आग्रह रहेगा कि इस कार्यक्रम को देखें, मै भी इस कार्यक्रम को लेकर अति उत्साहित हूँ एवं अधिक से अधिक समय भी दूंगा।

प्रदेश भर के परिषदीय स्कूलों में आज से आयोजित होगी निपुण आंकलन परीक्षा

लखनऊ। 'निपुण भारत मिशन' के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए योगी सरकार सोमवार से निपुण आंकलन परीक्षा का आयोजन करने जा रही है। 11 से 16 सितम्बर 2023 तक चलने वाली इस परीक्षा के माध्यम से कक्षा 1-5 तक के बच्चों का भाषा एवं गणित विषयों का तथा कक्षा 6 से 8 तक के बच्चों का गणित एवं विज्ञान विषयों का आंकलन किया जाएगा। खास बात ये है कि परीक्षा 'सरल एप' के माध्यम से ली जाएगी और पहली बार बच्चे ओएमआर शीट पर सवालों के जवाब देंगे। निपुण एसेसमेंट टेस्ट का पारदर्शी एवं शुचितापूर्ण आयोजन कराने के लिए सभी जनपदों के बीएसए व डायट प्राचार्यों को निर्देश जारी किए गए हैं। साथ ही शिक्षकों द्वारा सामुदायिक सहभागिता, होम विजिट के माध्यम से छात्रों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित कराने के लिए भी कहा गया है। एक ओएमआर शीट द्वारा एक छात्र का डाटा शिक्षक द्वारा आंकलन पूर्ण होने के बाद सरल एप के जरिए स्कैन किया जाएगा। ओएमआर शीट को केवल ब्लैक बॉल पेन से ही भरा जाएगा। इसके लिए कक्षा 4 से 8 के बच्चों को कम्पोजिट ग्राण्ट से अधिकतम 5 रुपए प्रति पेन क्रय करते हुए बच्चों को उपलब्ध कराया जाएगा।

भारत विश्व गुरु की ओर अग्रसर : डॉ.चरण सिंह

मेरठ,10 सितम्बर (देशबन्धु)। रविवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे मेरी माटी मेरा देश अभियान के तहत ग्राम लिसाड़ी में बैठक आयोजित हुई। बैठक के उपरांत घर-घर जाकर कलश में एक-एक चुटकी चावल प्राप्त किए। अभियान के

प्रति सभी घरों में उत्साह का वातावरण दिखाई दिया।बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष प्रमोद दीक्षित ने की व संचालन भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के महानगर महामंत्री ज्ञानेंद्र कुमार कसाना ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य डॉ.चरण सिंह लिसाड़ी ने कहा कि भारत विश्व गुरु बनने की ओर तेजी से अग्रसर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जी-20 शिखर सम्मेलन की सफलता ने इतिहास रच दिया। डॉ लिसाड़ी ने कार्यकर्ताओं से आव्हान किया कि वे घर घर जाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा जनहित में चलाई जा रही योजनाओं के बारे में अवगत कराये। इस अवसर पर डॉ अंबेडकर जन्मोत्सव समारोह समिति के संरक्षक मास्टर लक्ष्मी चंद मंडल महामंत्री अमरीश कोरीए बबलू भड़ाना जगदीश प्रजापति भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा महानगर मंत्री जतिन लिसाड़ी आदि मौजूद रहे।

बढ़ती जनसंख्या के कारण अनेक समस्याएं हो रहीं पैदा : अनिल चौधरी

मवाना,10 सितम्बर (देशबन्धु)। जनसंख्या समाधान फाऊंडेशन की एक बैठक मवाना आर ओ वाटर के ऊपर सचिन कौशिक नगर अध्यक्ष जनसंख्या समाधान फाऊंडेशन की अध्यक्षता में हुई व संचालन श्यामलाल गुप्ता ने किया। बैठक में जनसंख्या समाधान फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल चौधरी ने कहा कि देश में जनसंख्या के संतुलन के कारण अनेक समस्याएं जन्म ले रही है जिस कारण देश में बेरोजगारी शिक्षा पीने का पानी खाने की वस्तुएं रहने को मकान स्वास्थ्य सेवाएं सुरक्षा सेवाएं आदि पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है उन्होंने सरकार से मांग की की देश को उन्नति की राह पर ले जाने के लिए वह सभी नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए देश में सभी निवासियों पर समान रूप से दो बच्चों का जनसंख्या का कानून लागू करना चाहिए।

अनिल चौधरी जी ने बताया दो बच्चों का कानून बनाने के लिए पूरे देश में 5 करोड लोगों से हस्ताक्षर करा कर प्रधानमंत्री कार्यालय को सौंपने के लिए 29 अक्टूबर 2023 दिन रविवार प्रात: 8:00 बजे केबीसी वेंकट कौशांबी निकट गाजीपुर बॉर्डर गाजियाबाद से दिल्ली कूच करेंगे। उन्होंने इसकी तैयारी के लिए अभी से ही जनसंख्या समाधान फाऊंडेशन के सभी कार्यकर्ताओं से जुड़ने का समान किया।

राष्ट्रीय संयोजिका श्रीमती ममता सहगल ने कहां की कश्मीर में जनसंख्या का संतुलन बिगड़ने के कारण हमें कश्मीर से विस्थापित होकर दिल्ली की सड़कों पर रहना पड़ा इसलिए यह स्थिति पूरे देश में ना पैदा हो उसके लिए जनसंख्या समाधान के लिए दो बच्चों का कानून आवश्यक है। बैठक में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ रविंद्र गुर्जर प्रवीण कुमार जैन दीपक विधूड़ी संजय त्यागी विशेष रूप उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पूरी जिम्मेदारी से जुड़ने की प्रतिज्ञा की।

सार संक्षेप

विवाहिता ने ससुरालिया पर लगाया मारपीट का आरोप

मवाना। थाना क्षेत्र के गांव निलोहा निवासी विवाहिता ने रविवार को थाने पर दी गई तहरीर मे ससरालियों पर मारपीट करने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है। पुलिस ने विवाहिता की तहरीर लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। निलोहा निवासी विवाहिता मधु ने पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि उसकी शादी का करीब आठ वर्ष हो गये है। ससुराल पक्ष के लोग उसके परेशान करते है। रविवार को उसका पति प्रवीण के साथ विवाद हो गया। आरोप है कि विवाद के दौरान पीडिता के जेठ से भी उसके साथ मारपीट कर दी। जिसके बाद पीडिता ने अपने परिजनों को मारपीट की सूचना दी ओर थाने पहुंचकर पुलिस को बताया पुलिस ने मामले की तहरीर लेकर जांच शुरू कर दी है।

शोक सभा आयोजित

मवाना। कांग्रेस के पूर्व नगर अध्यक्ष एवं कांग्रेस नेता इरशाद पहलवान के पिताजी आशक इलाही के निधन पर एक शोक सभा जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र जाटव के निवास पर आयोजित हुई। जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ अधिवक्ता रामकृष्ण यादव एडवोकेट ने तथा संचालन राजेंद्र जाटव ने किया। शोक सभा में योगराज सिंह नंबरदार,ब्रहमसिंह नागर एडवोकेट, रामकृष्ण यादव एडवोकेट, श्रीबलल्भ एडवोकेट, विचित्रानंद वर्मा, चौ.संदीप सिंह, यज्ञवीर सिंह, दीन मोहम्मद, जुबेर खांन, पूनम, सभासद शफीक, हारून, एडवोकेट,प्रवेज इकबाल आदि मौजूद रहे।

चोरों ने शटर के ताले तोड़ नगदी व सामान उड़ाया

मेरठ। नौचंदी थाना क्षेत्र में लोहा कारोबारी की दुकान का शटर उखाड़कर चोरों ने दुकान के गल्ले में रखी नकदी सहित अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया। चोरों ने दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों को तोड़ने के बाद डीवीआर भी चोरी कर लिया। वहीं 24 घंटे चलने वाले हापुड रोड पर चोरी की घटना पुलिस गश्त की पोल खोल रही है। लिसाड़ीगेट थाना क्षेत्र के किदवई नगर निवासी मोहम्मद सलीम की नौचंदी थाना क्षेत्र के भवानी नगर स्थित हापुड रोड पर लोहे का सामान बेचने की दुकान है। सलीम रोज की तरह शनिवार की रात अपनी दुकान बंद कर घर चले गऐ थे। रविवार सुबह 10:30 बजे सलीम अपनी दुकान पर पहुंचे, तो दुकान का शटर टूटा मिला। यह देख उनके होश उड़ गए।

सभासद एसोसिएशन ने दिया धरना

फर्रुखाबाद। सभासद एसोसिएशन के नेतृत्व में चौक पर सभासद संगठन के प्रदेश मंत्री अतुल शंकर दुबे के नेतृत्व में आधा दर्जन से अधिक सभासदों ने नगर पालिका अध्यक्ष के खिलाफ धरना प्रदर्शन किया। संगठन के प्रदेश मंत्री अतुल शंकर दुबे ने बताया कि नगर पालिका परिषद की हठधर्मिता के कारण सभासदों को उनके अधिकारों से वंचित किया जा रहा है।

संबंध विच्छेद

मैंने अपने पुत्र गोविंद से उसके गलत आचरण के चलते संबंध विच्छेद कर लिए हैं। उसके किसी कृत्य या लेनदेन के लिए मैं, मेरा परिवार या रिश्तेदार उत्तरदायी नहीं हैं। श्रीमती सुनीता पत्नी शीशपाल, मंडी चमारान, सरधना जिला मेरठ।

सर्राफा कारीगर के शव मिलने से सनसनी पुलिस ने शुरू की जांच

मेरठ,10 सितम्बर (देशबन्धु)। कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित डालमपाड़ा में सर्राफा कारीगर की संदिग्ध परिस्थिति में मौत होने से हड़कंप मच गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे मैं लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच में जुट गई। दौराला थाना क्षेत्र के सिवाय निवासी पिंटू कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित मनोज के कारखाने में सोने के आभूषण बनाने का कार्य करता था। रविवार को पिंटू की संदिग्ध में मौत हो गई। मनोज ने मामले की जानकारी थाना पुलिस को दी जानकारी मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मृतक के शव को कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कारखाने में पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेने के बाद बताया कि मृतक के मुंह और नाक से खून निकल रहा था। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने का इंतजार है आगे की कार्यवाही की जाएगी। जानकारी के अनुसार मृतक पिंटू मनोज के कारखाने में करीब 3 वर्षों से आभूषण बनाने का कार्य कर रहा था। और कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित एक किराए के मकान में रहता था। मृतक के एक साथी ने जानकारी देते हुए बताया कि मृतक पिंटू कारखाना मालिक से बात बिगड़ने पर 15 दिन पूर्व काम छोड़कर चला गया था। लेकिन उसके कुछ दिन बाद ही दोनों में बात बन गई थी और वह कम पर लौट आया था।

टीबी की बीमारी के प्रति लोगों को किया जागरूक

मेरठ,10 सितम्बर (देशबन्धु)। गत वर्ष 9 सितम्बर को राष्ट्रपति द्रौपति मुर्मू द्वारा प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत टीबी के रोगियों को निक्षय मित्रों द्वारा गोद लेकर उन्हें उत्तम पोषाहार प्रदान करना एवं उनके साथ भावनात्मक रूप से जुड़े रहने के सराहनीय कार्यक्रम को पूरे भारतवर्ष में लागू करने के सराहनीय कार्य का शुभारंभ किया गया था गया था।

जिला क्षय रोग अधिकारी डा. गुलशन राय ने बताया कि शनिवार को प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान की प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर जनपद मेरठ में राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के प्रचार प्रसार एवं जनता को टीबी के प्रति जागरूक करने के लिए जिला क्षय रोग केंद्र मेडिकल कॉलेज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं हेल्थ एंड वैलनेस केंटो पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रजपुरा, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मवान, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जानी खुर्द, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दौराला, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरधन, में राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के कर्मचारियों द्वारा स्कूल के बच्चों के साथ रैली निकाली एवं टीबी की बीमारी के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए गोष्ठियों का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा निक्षेय मित्र के रूप में टीबी के रोगियों को गोद लेकर उत्तम पोषाहार की पोषण पोटली भी उपलब्ध कराई गई। यूपीएचसी जाकिर कॉलोनी में समाजसेवी फहीम जमाल ने टीबी मरीजों को पोषण पोटली का वितरण किया।

टीबी रोगियों को वितरित की गई पोषण पोटली

कमेला स्थित फलायम अस्पताल में समाजसेवी फाई मुददीन ने दस आर्थिक रूप से कमजोर टीबी मरीजों को पोषण पोटली का वितरण किया। पोषण पोटली पाकर टीबी मरीजों के चेहरे खिल उठे। इस मौके पर डिप्टी डीटीओ डा.विपुल कुमार, जिला कार्यक्रम समन्वयक नेहा सक्सेना, जिला एचटीएस अजय सक्सेना, बीसीओ टेक्नीशियन अंजू गुप्ता आदि मौजूद रहे।

बाबा ज्वेलर्स प्रकरण

आधा दर्जन मुकदमे के बाद भी एक भी आरोपी गिरफ्तार नहीं

मेरठ,10 सितम्बर (देशबन्धु)। बाबा ज्वैलर्स प्रकरण में आज तमाम पीड़ित शैंकी वर्मा और नेहा गौर के साथ रविवार को कंकरखेड़ा थाने पहुँचे।जहाँ विवेचनाधिकारी से मुलाकात हुई।सभी ने कहा कि बाबा ज्वेलर्स के अन्य मालिकों के खिलाफ 6 मुकदमे दर्ज होने के बावजूद भी पुलिस ने अभी तक अन्य एक भी आरोपी की गिरफ्तारी क्यों नहीं की जिस पर विवेचना अधिकारी ने गोलमोल जवाब देते हुए जनता को आश्वासन दिया की चार-पांच दिन में गिरफ्तारी कर लेंगे।। लेकिन जनता ने कहा कि पुलिस को इतने सबूत देने के बाद भी पुलिस आरोपियों की मदद क्यों कर रही है सभी ने इसका विरोध किया पीड़ित महिलाओंका ने कहा कि पहले विनीत वालिया सोना देने के नाम पर तारीख पर तारीख देता था और आज पुलिस गिरफ्तारी के नाम पर तारीख पर तारीख दे रही है।

बरसात ने मैच को धोया, दोनों टीमें संयुक्त विजेता घोषित

मेरठ,10 सितम्बर (देशबन्धु)। सरधना के मैदान द्रोण त्रिकोणीय क्रिकेट सीरीज में एस.के.आई.स्पोर्ट्स मैनेजमेंट दिल्ली व द्रोण क्रिकेट अकादमी सरधना को संयुक्त विजेता घोषित किया गया। द्रोण पब्लिक स्कूल मे चल रहे द्रोण त्रिकोणीय क्रिकेट सीरीज के तीसरे दिन बारिश होने के कारण मैच नहीं हो सकता। इसलिए दोनों टीमों को संयुक्त विजेता घोषित किया गया। द्रोण त्रिकोणीय क्रिकेट सीरीज का समापन एवं पुरस्कार वितरण मुख्य अतिथि भाजपा जिला उपाध्यक्ष मेरठ आशीष प्रताप सिंह एंव विशिष्ट अतिथि भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा पश्चिम उत्तर प्रदेश मीडिया प्रभारी नासिर सैफी ने किया। तीनों टीमों को प्रमाणपत्र, मोमेन्टो एंव ट्रोफी देकर सम्मानित किया। आशीष प्रताप सिंह ने सभी खिलाड़ियों को उज्वल भविष्य की कामनाओं के साथ शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर दिल्ली टीम के कोच रामासर, मनीष, फहीम खान आदि उपस्थित रहे। आयोजन सचिव क्रिकेट कोच अतहर अली जी ने बताया कि तनिश बेस्ट बल्लेबाज, विपिन मैन ऑफ द सीरीज, बेस्ट गेंदबाज बिलाल रहे।

झमाझम बारिश से मौसम हुआ सुहाना, लोगों ने ली राहत की सांस

मेरठ,10 सितम्बर (देशबन्धु)। शनिवार से हो रही बरसात का दौर रविवार को भी जारी रही। शनिवार को शहर में कई जगहों पर रुक रुककर बरसात हुई। वहीं रविवार को सुबह से ही हल्की बारिश हो रही है। बारिश के साथ ठंडी हवाएं भी चलत रही। मेरठ और आसपास के जिलों में लगातार हो रही बारिश से तापमान में गिरावट आई है। वहीं शहर में कई स्थानों पर जलभराव भी हो गया है। सड़कों पर पानी भरने के कारण लोगों को आने, जाने में काफी परेशानी हो रही है। गड्ढों में भी पानी भर गया है। हालांकि जी-20 सम्मेलन के कारण दिल्ली से मेरठ लोगों का आना, जाना थोड़ा रुका है। लेकिन शहर में अंदर जनता को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग के अनुसार रविवार, सोमवार दोनों दिन बारिश का माहौल रहेगा। मंगलवार से फिर तापमान बढ़ेगा। मंगलवार से तापमान 30 के ऊपर जाने की संभावना है। सोमवार तक ये लुढ़ककर 25 तक जा सकता है। शनिवार सुबह तक तापमान 31 डिग्री सेल्सियस तक चल रहा था, जो आज रविवार को गिरकर 28 डिग्री हो गया। मेरठ सहित पूरे एनसीआर में रविवार तक 009.7 मिमी बारिश हुई है।

हर घर से एकत्र किए पवित्र मिट्टी व चावल

मेरठ,10 सितम्बर (देशबन्धु)। मेरी माटी मेरा देश अभियान में कैंट विधायक अमित अग्रवाल द्वारा क्षेत्र में कलश यात्रा प्रारंभ कर हर घर से पवित्र मिट्टी और अक्षत संग्रह किए। मेरठ कैंट विधानसभा के अंतर्गत मेरठ, पटेल नगर मंडल, वार्ड नं. 52, बेगम

बाग के बूथ संख्या 312,313,315 पर अभियान चलाया गया। इस अवसर पर साथ में मण्डल अध्यक्ष बलराज गुप्ता, पार्षद अजय चंद्रा, वार्ड अध्यक्ष, बूथ अध्यक्ष, सहित पार्टी पदाधिकारी गण एवं कार्यकर्ता भी उपस्थित रहें। कंकरखेड़ा मंडल, वार्ड नं. 23, गोविंद पूरी के बूथ संख्या 119, 120, 121 पर कलश यात्रा प्रारंभ कर हर घर से पवित्र मिट्टी और अक्षत संग्रह किए। इस अवसर पर मेरी माटी मेरा देश अभियान के संयोजक संजय त्रिपाठी, मंडल अध्यक्ष अशोक सबलोक, पार्षद, वार्ड अध्यक्ष, बूथ अध्यक्ष, सहित पार्टी पदाधिकारी गण एवं कार्यकर्ता भी उपस्थित रहें। मुल्तान नगर मंडल, वार्ड नं. 51, दिनेश विहार के बूथ संख्या 233, 234 पर कलश यात्रा प्रारंभ कर हर घर से पवित्र मिट्टी और अक्षत संग्रह किए। इस अवसर पर साथ में मंडल अध्यक्ष अमित तोमर, वार्ड 51 पार्षद राजेंद्र उपाध्याय, वार्ड अध्यक्ष हेमंत वर्मा, वार्ड 25 पूर्व पार्षद रिशिपाल, मंडल उपाध्यक्ष व कार्यक्रम संयोजक मुकेश शर्मा सहित पार्टी पदाधिकारी गण एवं कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

रामनगरी अयोध्या सहित उप्र में स्वास्थ्य सेवाओं का बुरा हाल

■ ओम प्रकाश सिंह

- वैश्विक बन रही रामनगरी अयोध्या में सूरदास कर रहे आंख का ऑपरेशन
- डाक्टरों को मेल कर रिपोर्ट मंगाते हैं पैथोलॉजी सेंटर, कापी पेस्ट के खेल में मरीज हो रहा हलाल
- वर मरे या कन्या, पंडित जी को दक्षिणा से मतलब

अयोध्या,10 सितम्बर (देशबन्धु)। स्वास्थ्य सेवा का अर्थ बीमारी की रोकथाम और उपचार करना है। स्वास्थ्य सेवा से संबंधित लोग प्रशिक्षित पेशेवर होते हैं। डाक्टरों को धरती का भगवान माना जाता है। भौतिकता की दौड़ ने स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े बहुतायत लोगों को अमानवीय बना दिया है। यूपी की स्वास्थ्य सेवाओं को जानने के लिए रामनगरी अयोध्या को मानक माना जा सकता है। यहां की एक बड़ी पैथोलॉजी के कारनामे सुनकर यही कहा जा सकता है कि सूरदास आंख का आपरेशन कर रहे हैं। आपकी जान बच जाए, आपके मर्ज का सही इलाज हो जाए तो समझिये कि आप खुदा की मेहरबानी से बच गए। जी 20 शिखर सम्मेलन का आयोजन कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भले ही अपनी पीठ थपथपा रहे हैं लेकिन देश के सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं का बुरा हाल है। अवध क्षेत्र में एक कहावत है कि मांगय गईं पूत, हेराय आईं भतार।

अर्थात पुत्र की कामना में पति को ही खो दिया। कुछ ऐसा ही हाल रामनगरी अयोध्या में स्वास्थ्य सेवाओं का है। कुछ कमियों के साथ सरकारी व्यवस्था तो आज भी बेहतर है लेकिन प्राइवेट व्यवस्था में संगठित लूट चल रही है। ऐसा नहीं है कि शासन प्रशासन को इसकी जानकारी नहीं है लेकिन लाखों करोड़ों के इस व्यवसाय ने सबको कुबेर बना दिया है, सो आंख पर पट्टी बंध गई है। कहते हैं कि ईश्वर के बाद डाक्टर का ही स्थान है। अब यह जुमला हो गया है। रामनगरी अयोध्या में उदया डायग्नोस्टिक सेंटर के नाम से एक बड़ी पैथालॉजी है। डॉ राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में प्रौढ़ शिक्षा के प्रोफेसर अनूप कुमार को घुटने में चोट लगी तो उन्होंने विश्वविद्यालय की डॉक्टर दीपशिखा चौधरी को दिखाया। डॉक्टर की सलाह पर उन्होंने एक्सरे कराया तो डायग्नोसिस सेंटर ने उन्हें घुटने के बजाय कलाई के एक्सरे की रिपोर्ट थमा दिया। एक्सरे फिल्म घुटने की है लेकिन रिपोर्ट कलाई की है। रिपोर्ट बनाने वाले डाक्टर का नाम शरद गंगरेड है और वह एमबीबीएस, डीएनबी रेडियोलॉजिस्ट हैं।

डॉ अनूप कुमार के साथ यह पहला वाकया नहीं है। इस घटना के एक साल पहले उन्होंने अपने 10 साल के पुत्र प्रणव का ईसीजी इसी सेंटर पर कराया था तो उन्हें एक सत्तर साल की महिला की रिपोर्ट दे दी गई थी। गनीमत थी कि रेफर करने वाले डाक्टर को माजरा समझ में आ गया और बड़ी अनहोनी टल गई थी। दोबारा इस केंद्र पर एक्सरे कराने क्यों गए तो उन्होंने कहा कि नजदीक था और उन्हें उम्मीद नहीं थी कि एक्सरे रिपोर्ट भी गलत आ जाएगी। इस डायग्नोसिस सेंटर के संदर्भ में और भी बहुत सी लोगों की शिकायतें हैं लेकिन सब दबी जुबान हैं। रामनगरी का यह पैथोलॉजी सेंटर तो एक उदाहरण है। बाकी पूरे प्रदेश में स्थिति बहुत ही खराब है। पैथोलॉजी सेंटर लूट के केंद्र बन चुके हैं और इस लूट में डॉक्टरों का भी बड़ा हिस्सा रहता है जो बिना लिखा पड़ी के उन तक पहुंचता रहता है। गलत जांच रिपोर्ट के संदर्भ में जब पैथोलॉजी सेंटर से बात की गई तो उन्होंने कहा कि एक्सपर्ट डॉक्टर हमारे सेंटर में नहीं बैठते हैं। उनको मेल भेज दिया जाता है और एक्सरे फिल्म देखकर वह जो रिपोर्ट भेजते हैं, उसको हम कॉपी पेस्ट कर रिपोर्ट मरीज को भेज देते हैं। कॉपी पेस्ट के इस खेल में कहा जा सकता है कि वर मरे या कन्या पंडित जी को दक्षिण से मतलब।

बैकों में टक्कर से एक ही परिवार के छह लोग घायल

मेरठ,10 सितम्बर (देशबन्धु)। हस्तिनापुर में बाइकों में आपसी टक्कर में एक ही परिवार के 6 लोग बुरी तरह जख्मी हो गए। पूरा परिवार देवता पर पूजन के लिए जा रहा था। बारिश के कारण अचानक बाइकों में टक्कर हुई। बाइक सवार युवक, महिला, बच्चे गिर पड़े। बाइक सवार बुरी तरह घायल हो गए। जिसमें एक 6 साल के बच्चे की हालत बेहद गँभीर है। उसे मवाना अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। उधम चौक के पास बड़ा हादसा होते बचा। इकवाड़ा गांव की ओर से एक ही परिवार के 6 सदस्य वापस हस्तिनापुर की ओर जा रहे थे। दोनों बाइकों पर पति, पत्नी सहित बच्चे बैठे थे। गांव में देवता पूजन के बाद अपने घर वापस लौट रहे थे। तभी उधमचौक के पास सामने से रांग साइड आ रही तेज रफ्तार बाइक ने टक्कर मार दी। गलत ओर से आ रही बाइक की टक्कर लगने से दोनों बाइकें एक के बाद एक गिर पड़ी। शनिवार से हो रही बारिश के कारण इलाके में सड़क पर भी रपटन हो रही थी। उस पर रांग साइड बाइक की टक्कर लगने से बुरी तरह दोनों बाइकें टकराई और गिर पड़ी।

जॉन अब्राहम की तरह भूमिकाएं निभाना मेरे करियर के लिए वरदान साबित होगा : साहिल उप्पल

मुंबई। एक्टर साहिल उप्पल माफिया का किरदार और ढेर सारा एक्शन और मार्शल आर्ट भूमिका करना चाहते हैं। अभिनेता ने कहा कि विद्युत जामवाल, जॉन अब्राहम जैसे एक्शन सितारों की तर्ज पर भूमिका निभाना उनके अभिनय करियर के लिए आशीर्वाद होगा। साहिल ने कहा कि एक अभिनेता के रूप में मुझे टीवी स्क्रीन से अपना करियर शुरू करने में खुशी होती है। मुझे लगता है कि यह सबसे कठिन माध्यम है। जब हम फिल्मों और वेब के लिए शूटिंग कर रहे होते हैं, तो हमें स्क्रिप्ट मिलती है और उसके अनुसार खुद को तैयार करने का समय मिलता है। उन्होंने कहा कि हमें फिल्मांकन से पहले सेट पर भी प्रैक्टिस करने का मौका मिलता है। लेकिन टीवी पर हमें सेट पर पहुंचने के उसी दिन हमारी स्क्रिप्ट मिल जाती है और हमें तैयारी के लिए बहुत कम समय मिलता है।

जी-20 में आईं ऑस्ट्रेलिया की फर्स्ट लेडी को भाए छत्तीसगढ़ी मिलेट के पकवान

■ रागी से बने लड्डू जी-20 में आए राष्ट्राध्यक्षों व उनकी पत्नी को काफी भाया

नई दिल्ली/रायपुर, 10 सितम्बर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बस्तर का मिलेट विशेषकर रागी से बने लड्डू जी-20 में आए राष्ट्राध्यक्षों और उनकी पत्नी को काफ़ी भाया।

अवसर था जी-20 का, इस आयोजन में हिस्सा लेने आए विभिन्न देशों के प्रमुखों की प्रथम महिलाओं और जीवनसाथियों को नौ सितम्बर को नई दिल्ली के पूसा रोड पर आईएआरआई परिसर में एक कृषि प्रदर्शनी के लिए विशेष निमंत्रण दिया गया। छत्तीसगढ़ के बस्तर से आई महिलाओं ने मिलेट से बनने वाले पकवानों को विशेष तौर पर तैयार किया था। बस्तर ज़िले के बास्तानर ब्लॉक से पहुंचीं संगीता कश्यप ने बताया कि उन्होंने मिलेट के लड्डू, रागी कुकीज, रागी चकली, कोदो-कुटकी आदि मिलेट से तैयार होने वाले पकवान बनाए थे।

ऑस्ट्रेलिया की फ़र्स्ट लेडी को उन्होंने मिलेट से बनाए पकवानों की टोकरी उपहार में दी। फर्स्ट लेडी को बस्तर की महिलाओं ने बस्तर आने का निमंत्रण भी दिया। महिलाओं के साथ आई छत्तीसगढ़ कृषि विभाग की नोडल अधिकारी रुक्मणी कोट्टम ने बताया कि पूसा में छत्तीसगढ़ कृषि विभाग द्वारा स्टाल भी लगाया गया था। विभाग की ओर से स्टाल में बांस से बने उत्पाद जैसे सूपा, टुकनी, टोकरी, तुमा, छतरी के साथ-साथ मिलेट से बने उत्पाद भी रखें। जो कि यहां आने वाले आगंतुकों को काफ़ी पसंद आए। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ की ढोकराकला और नैचुरल डाई से बने कोसा के स्टॉल भी आगंतुकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र थे। कांकेर के दुर्गकोन्दल ब्लॉक के गोटुल मुंडा गांव के महिला समूह की निर्मला भास्कर ने बताया कि उन्होंने न्यूज़ीलैंड की फ़र्स्ट लेडी को मिलेट का बास्केट उपहार में दिया। इस बास्केट में छत्तीसगढ़ की महिला समूह द्वारा तैयार मिलेट उत्पाद थे। फ़र्स्ट लेडी ने उनके साथ सेल्फी भी ली। उन्होंने कहा कि वे इसे अपने घर ले जाएंगी और अपने परिवार के साथ शेयर करेंगी। निर्मला भास्कर ने कहा कि यह यादगार पल था, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता है।

दिल्ली की बारिश में ऋषि सुनक

पत्नी अक्षता का 'प्यार हुआ इकरार हुआ' पल, तस्वीर वायरल

नई दिल्ली, 10 सितम्बर (एजेंसियां)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और उनकी पत्नी अक्षता मूर्ति ने रविवार को अक्षरधाम मंदिर का दौरा किया। इस दौरान दोनों पति-पत्नी ने छतरी के नीचे एक मनमोहक पल साझा किया, जिससे सभी आश्चर्यचकित रह गए। ऋषि सुनक और उनकी पत्नी की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। दोनों को बारिश में एक छाते के नीचे देखा जा सकता है। ऋषि सुनक सफेद फॉर्मल शर्ट के साथ रॉयल ब्लू कलर की पैंट पहने नजर आ रहे हैं। जबकि अक्षता मूर्ति ने गुलाबी लाल पलाज़ो और मैचिंग दुपट्टे के साथ ऑलिव ग्रीन फ्लोरल प्रिंटेड कुर्ता पहना है। दोनों नंगे पैर छतरी के नीचे करीब-करीब चलते नजर आ रहे हैं। तस्वीर में देखा जा सकता है कि ऋषि सुनक छाता पकड़े हुए हैं और कुछ बातें कर रहे हैं।

यह तस्वीर 1955 की बॉलीवुड फिल्म 'श्री 420' के मशहूर गाने 'प्यार हुआ इकरार हुआ' की याद दिलाती है। फिल्म में नरगिस और राज कपूर मुख्य भूमिका में थे और गाना दिवंगत लता मंगेशकर और मन्ना डे ने गाया था।

ऋषि सुनक ने साल 2009 में इंफोसिस के संस्थापक एनआर नारायण मूर्ति और सुधा मूर्ति की बेटी अक्षता से शादी की। पीएम सुनक अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ यहां से राजघाट गए और महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने शनिवार को यहां भारत मंडपम में जी20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा आयोजित डिनर में में भी शामिल हुए।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने अक्षरधाम मंदिर का किया दौरा

भारत के दौरे पर आए ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने रविवार को कड़ी सुरक्षा के बीच प्रसिद्ध अक्षरधाम मंदिर का दौरा किया। सुनक अपनी पत्नी अक्षता मूर्ति के साथ थे। रविवार सुबह मंदिर पहुंचने पर सद्भावना और मित्रता के प्रतीक पारंपरिक हिंदू तरीके से गर्मजोशी से उनका स्वागत किया गया।

अपनी यात्रा के दौरान, ब्रिटिश प्रधानमंत्री को स्वामीनारायण अक्षरधाम का अवलोकन कराया गया। पीएम सुनक और उनकी पत्नी ने पवित्र छवियों, कला और वास्तुकला की प्रशंसा की। दंपति ने श्री नीलकंठ वर्णी महाराज की मूर्ति पर 'अभिषेक' (जल चढ़ाना) भी किया और विश्व शांति, प्रगति और सद्भाव के लिए प्रार्थना की। मंदिर के अपने दौरे से उत्साहित ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं और मेरी पत्नी आज सुबह दर्शन और पूजा के लिए स्वामीनारायण अक्षरधाम जाकर बहुत प्रसन्न हुए।

जी-20 में मधुबनी चित्रशैली की रही धूम

■ भारत मंडपम में आदिवासी कलाकृतियों की प्रदर्शनी

■ चंद्रयान-3 की सफलता पर मधुबनी चित्रशैली का चित्र

नई दिल्ली, 10 सितम्बर (एजेंसियां)। भारत की अध्यक्षता में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान बिहार के मिथिला क्षेत्र की पारंपरिक और प्रसिद्ध चित्रशैली मधुबनी की धूम रही और इसने लगातार दुनिया भर से आए अतिथियों को आकर्षित किया। जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान भारत मंडपम में आदिवासी कलाकृतियों की एक प्रदर्शनी लगायी गई है जिसमें कई कलाओं का सजीव प्रदर्शन किया जा रहा है। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य विदेशी नेताओं और अतिथियों को भारतीय कला, संस्कृति और धरोहर से परिचित कराना है। प्रदर्शनी में मधुबनी चित्रशैली का सजीव प्रदर्शन करने वाली 60 वर्षीया महिला शांति देवी ने बताया कि मधुबनी चित्रशैली अपने जटिल विवरण और जीवंत रंगों के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। कलाकार मनोरम और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण कलाकृतियों को बनाने के लिए केवल प्राकृतिक रंगों और टहनियों से बने ब्रश का उपयोग करते हैं। मध्यम आकार की कलाकृति का एक टुकड़ा बनाने के लिए अविश्वसनीय धैर्य और समर्पण की आवश्यकता होती है और एक प्रतिभाशाली कलाकार को एक उत्कृष्ट कृति बनाने में सात से 10 दिन लगते हैं।

मिथिला की मूल निवासी शांति देवी को उनकी उत्कृष्ट मधुबनी चित्रशैली ने न केवल प्रशंसा दिलाई है, बल्कि उनकी असाधारण शिल्प कौशल के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला है। मधुबनी चित्रशैली एक भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग से सुसज्जित है। इसकी उत्पत्ति बिहार के मिथिला क्षेत्र में हुई है। यह भारत के सबसे पुराने और सबसे जीवंत कला रूपों में से एक है, जिसका इतिहास 2,500 वर्षों से अधिक पुराना है। शांति देवी ने बताया कि कोविड महामारी से पहले उनकी कलाकृतियां पांच हजार रुपए तक प्रति बिक जाती थी। इससे उनके परिवार को स्थायी आजीविका मिलती थी। उन्होंने चंद्रयान-3 की सफलता पर मधुबनी चित्रशैली का एक चित्र बनाया है। उन्होंने कहा कि यह अब मेरी सबसे बेशकीमती चित्रकारी है। मैं इसे बेचूंगी नहीं, बल्कि इसे तब तक अपने घर में रखूंगी जब तक मुझे इसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को भेंट करने का मौका नहीं मिलता। अपनी कला के माध्यम से वह अपने गांव, अपने राज्य और अपने देश के लिए एक दूत बन गई हैं। उन्होंने कहा कि मैं इस कला को संरक्षित करने के लिए अपनी ओर से यथासंभव प्रयास करूंगी और मुझे उम्मीद है कि मेरे बच्चे और पोते-पोतियां इस परंपरा को आगे बढ़ाएंगे।

रूस व तुर्की ने शिखर सम्मेलन को बताया शानदार

नई दिल्ली, 10 सितम्बर (एजेंसियां)। रूस तथा तुर्की ने जी-20 देशों के शिखर सम्मेलन को शानदार बताते हुए रविवार को इसके सफल आयोजन के लिए भारत की प्रशंसा की और कहा कि दिल्ली सम्मेलन से सदस्य देशों को विभिन्न एजेंडों पर स्पष्टता के साथ काम करने का विचार मिला है। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने आज कहा कि भारत की अध्यक्षता में दिल्ली में हुआ जी-20 का शिखर सम्मेलन स्पष्ट संदेश देने के हिसाब से अहम माना जाएगा। इस सम्मेलन से हमें एक स्पष्ट मार्गदर्शन और साफ दृष्टिकोण मिला है और इस मामले में यह सम्मेलन मील का पत्थर साबित होता है। उन्होंने कहा कि भारत की अध्यक्षता में हुए इस शिखर सम्मेलन के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत की सक्रियता के कारण पहली बार जी-20 देश एकजुटता के साथ काम करने पर सहमत हुए हैं और जी 20 के इतिहास में शायद यह पहला मौका है, मेरा मतलब है कि दुनिया के विकासशील देशों - ब्राजील, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका विशेष रूप से सक्रिय रहे। विकासशील देशों को इस बात के लिए धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने अपने हक की रक्षा करते हुए पश्चिमी देशों के यूक्रेनीकरण के एजेंडे पर मनमानी करने के प्रयास को विफल किया है। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने कहा कि भारत ने बहुत शानदान और सफलतापूर्वक जी-20 देशों की की अध्यक्षता का दायित्व निभाया है और इस सफलता के लिए मैं भारत को धन्यवाद देता हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस तरह से मुझे, मेरी पत्नी तथा तुर्की के प्रतिनिधिमंडल की खातिरदारी की उनके इस आतिथ्य के लिए भी मैं श्री मोदी को धन्यवाद देना चाहता हूं।

'राजा' पद्मनाभ ने स्टाइल स्टेटमेंट से लेकर पोलो गेम तक की खुलकर बात

जयपुर, 10 सितम्बर (एजेंसियां)। सिटी पैलेस जयपुर में शनिवार को जयपुर राजघराने के 303वें वंशज पद्मनाभ सिंह ने अपने महल परिसर में मीडिया छात्रों की मेजबानी की। ये छात्र ऐतिहासिक पिंक सिटी में एक संक्षिप्त प्रवास के लिए देश भर से आए थे। पद्मनाभ सिंह को दुनिया के बेस्ट पोलो खिलाड़ियों और एक स्टाइल आइकन में गिना जाता है, जिन्होंने अपने विशिष्ट स्टाइल स्टेटमेंट, लाइफस्टाइल और अपने पोलो स्किल से दुनिया भर में अपनी छाप छोड़ी है।झ

शनिवार को, जयपुर 'किंग' सिंपल व्हाइट आउटफिट और हाथ से बनी जूतियां पहने हुए छात्रों के बीच शामिल हुए। उन्होंने अपनी स्टाइल से लेकर पोलो गेम तक छात्रों द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब दिए। छात्र उनकी 'सेंस ऑफ स्टाइल' के बारे में जानने को उत्सुक थे, उन्होंने इसका श्रेय अपने परिवार की शाही विरासत को दिया।ज्सिंह ने मुस्कुराते हुए कहा कि मेरा 'सेंस ऑफ स्टाइल' मेरे परिवार की शाही विरासत से प्रेरणा लेती है। जैसा कि आप जानते होंगे, मेरी

दादी को भारत की सबसे प्रसिद्ध महारानी के रूप में जाना जाता है और उनका मुझ पर गहरा प्रभाव पड़ा है। निजी तौर पर, मुझे सादगी पसंद है, मैं अक्सर सादे सफेद कपड़े चुनता हूं, जैसे कि चीनी कॉलर शर्ट जो मैं आज पहन रहा हूं। मुझे भारतीय पारंपरिक कपड़े विशेष रूप से आकर्षक लगते हैं। यह मेरे लिए शालीन लालित्य की भावना को बनाए रखते हुए अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने का एक तरीका है। जब उनसे पूछा गया कि क्या पोलो गेम, जिसमें उनके परिवार ने बहुत योगदान दिया है, को आम आदमी तक पहुंचाया जाना चाहिए, उन्होंने कहा कि यह खेल अब शाही परिवारों तक ही सीमित नहीं है क्योंकि इसे पेशेवर, सेना के जवान और अन्य लोग भी खेलते हैं। उन्होंने कहा कि मैं इसे शाही खेल नहीं मानता। आज के समय में खेल से कोई भी जुड़ सकता है। वास्तव में, मुझे अच्छा लगेगा अगर अधिक लोग इस खेल से जुड़ें और इसलिए हमने राजस्थान पोलो क्लब में एक पोलो स्कूल शुरू किया है और अपने कुछ घोड़े स्कूल को दान कर दिए हैं। हमें खिलाड़ियों को पोलो सीखने में मदद करने का मौका मिल रहा है और उम्मीद है कि हम अपने देश के लिए नए और रोमांचक पोलो खिलाड़ी तैयार कर सकेंगे। राजस्थान, मध्य प्रदेश और दिल्ली के मीडिया छात्र सक्षम संचार फाउंडेशन के प्रयासों से सिटी पैलेस जयपुर में एकत्र हुए थे, जो मीडिया क्षेत्रों में ग्रामीण और छोटे शहरों को प्रशिक्षण देकर मीडिया शिक्षा को देश के सुदूर कोने तक ले जाने का काम करता है।

नोरा फतेही ने प्रधानमंत्री मोदी का जताया आभार, ट्वीट वायरल

मुंबई, 10 सितम्बर (एजेंसियां)। मोरक्को मूल की एक्ट्रेस नोरा फतेही ने देश में आए विनाशकारी भूकंप के बाद मोरक्को के प्रति हार्दिक संवेदना और समर्थन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया है।

मोरक्को में 6.8 तीव्रता से भूकंप आया, जिसने चारों और तबाही मचा दी। रबात और कैसाब्लांका समेत मोरक्को के कई शहरों में महसूस किए गए भूकंप से अब तक 2000 लोगों की मौत की खबर है। एकजुटता का भावपूर्ण प्रदर्शन करते हुए, पीएम मोदी ने भूकंप प्रभावित देश के प्रति अपनी संवेदना और समर्थन बढ़ाया।

एक्स पर पीएम मोदी ने लिखा कि मोरक्को में भूकंप के कारण जानमाल के नुकसान से बेहद दुखी हूं, इस दुखद घड़ी में मेरी संवेदनाएं मोरक्को के लोगों के साथ हैं, उन लोगों के प्रति संवेदना जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। घायल जल्द से जल्द ठीक हो जाएं। भारत इस कठिन समय में मोरक्को को हर संभव सहायता देने के लिए तैयार है।

नोरा ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर पीएम के लिए एक संदेश साझा किया, जिसमें लिखा कि इस बड़े समर्थन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद! आप जागरूकता बढ़ाने और मदद का हाथ बढ़ाने वाले पहले देशों में से एक हैं, मोरक्को के लोग बहुत आभारी हैं! जय हिंद! काम के मोर्चे पर, नोरा पहली बार 'क्रैक' नामक एक स्पोर्ट्स-एक्शन फिल्म में विद्युत जामवाल और अर्जुन रामपाल के साथ मुख्य भूमिका में दिखाई देंगी। उनके पास पाइपलाइन में 'मटका', 'डांसिंग डैड' और कुणाल खेमू की 'मडगांव एक्सप्रेस' जैसी फिल्में भी हैं।

एक चौंकाने वाले अध्ययन में खुलासा

तापमान 1.5 डिग्री बढ़ा तो दुनिया के 50 प्रतिशत ग्लेशियर हो जाएंगे गायब

■ ग्लेशियर की सतह पर पाई जाने वाली चट्टानें, तलछट, कालिख, धूल और ज्वालामुखीय राख शामिल

न्यूयॉर्क, 10 सितम्बर (एजेंसियां)। एक चौंकाने वाले अध्ययन से पता चला है कि यदि दुनिया में तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस बढ़ जाता है, तो 50 प्रतिशत ग्लेशियर गायब हो जाएंगे और सन् 2100 तक समुद्र के स्तर में नौ सेमी की वृद्धि होगी। जर्नल साइंस में प्रकाशित अध्ययन में अनुमान लगाया गया है कि दुनिया के ग्लेशियर सन् 2100 तक अपने द्रव्यमान का 40 प्रतिशत तक खो सकते हैं। अमेरिका के पिट्सबर्ग में कार्नेगी मेलन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने दुनिया भर के ग्लेशियरों का मॉडल तैयार किया - ग्रीनलैंड और अंटार्कटिक बर्फ की चादरों की गिनती नहीं करते हुए - यह अनुमान लगाने के लिए कि वैश्विक तापमान में औद्योगिक युग से पहले की तुलना में 1.5 से 4 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि से वे कैसे प्रभावित होंगे।

अध्ययन में पाया गया कि 1.5 डिग्री सेल्सियस तापमान बढ़ने पर दुनिया के आधे ग्लेशियर गायब हो जाएंगे और 2100 तक समुद्र के स्तर में 3.5 इंच की बढ़ोतरी होगी। यदि तापमान 2.7 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ता है तो मध्य यूरोप, पश्चिमी कनाडा और अमेरिका के लगभग सभी ग्लेशियर (अलास्का सहित) पिघल जाएंगे। यदि तापमान वृद्धि चार डिग्री सेल्सियस तक होती है, तो दुनिया के 80 प्रतिशत ग्लेशियर गायब हो जाएंगे और समुद्र के स्तर में 15 सेंटीमीटर की वृद्धि होगी। कार्नेगी के सहायक प्रोफेसर डेविड राउंस ने कहा कि तापमान में जितनी भी वृद्धि हो, ग्लेशियरों को बहुत नुकसान होने वाला है। यह अपरिहार्य है।

राउंस और टीम का अध्ययन पहला मॉडलिंग अध्ययन है जो दुनिया के सभी 2,15,000 ग्लेशियरों का वर्णन करने वाले उपग्रह-व्युत्पन्न बड़े पैमाने पर परिवर्तन डेटा का उपयोग करता है। अलास्का विश्वविद्यालय और ओस्लो विश्वविद्यालय में ग्लेशियोलॉजी के प्रोफेसर रेजिन हॉक ने कहा, टीम के परिष्कृत मॉडल में 'नए उपग्रह व्युत्पन्न डेटासेट का उपयोग किया गया जो पहले वैश्विक स्तर पर उपलब्ध नहीं थे'।

इसमें नासा के टेरा उपग्रह पर जापान के उन्नत स्पेसबोर्न थर्मल एमिशन और रिफ्लेक्शन रेडियोमीटर (एएसटीईआर) के साथ-साथ यूएसजीएस-नासा लैंडसैट 8 और ईएसए के सेंटिनल उपग्रहों का डेटा शामिल था। मॉडल में ग्लेशियर के मलबे के आवरण को शामिल किया गया है, जिसमें ग्लेशियर की सतह पर पाई जाने वाली चट्टानें, तलछट, कालिख, धूल और ज्वालामुखीय राख शामिल हैं। अलग-अलग मोटाई के कारण हिमनदों के मलबे को मापना आमतौर पर मुश्किल होता है, लेकिन यह एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है क्योंकि यह हिमनदों के पिघलने को प्रभावित कर सकता है मलबे की एक पतली परत पिघलने की गति बढ़ा सकती है, जबकि एक मोटी परत इसे रोक सकती है और इसे कम कर सकती है।

चमोली जिले के धावक हितेश ने दिखाया कमाल

चमोली, 10 सितम्बर (एजेंसियां)। उत्तराखंड में चमोली जिले के पिंडर घाटी के युवक धावक हितेश कुनियाल ने एक बार फिर से कमाल करते हुए लद्दाख के खारदुंगला पास (17, 618 फुट) में हुई विश्व विश्व की सबसे ऊंची और मुश्किल दौड़ 'द हिमालय खारदुंगला चैलेंज' की 72 किलोमीटर की दौड़ को 10 घंटे 40 मिनट पर पूरा कर सफलता हासिल कर ली है। इस वर्ष 8 सितम्बर को विश्व भर से 270 धावकों ने इस दौड में हिस्सा लिया, जिसमें विदेशी धरती से जापान से सबसे अधिक 32 धवकों ने भाग लिया, जर्मनी, रोमानिया आदि से भी धावक मौजूद रहे। जहां प्रतिभागियों को ये दौड़ पूरा करने में 12 से 13 घंटे लगे वहीं हितेश ने इसे 10 घंटे 40 मिनट में पूरी कर ली। दौड़ तड़के तीन बजे शुरू हुई जिस समय तापमान एक डिग्री था और जैसे जैसे धावाक ऊपर चढ़ाई करते गए तापमान शून्य से भी नीचे गिरता रहा। हितेश ने बताया की इतनी ऊंचाई पर सांस लेने में बहुत दिक्कत होती है क्योंकि यहां प्राणवायु बहुत कम होती है जिस कारण कुछ प्रतिभागियों को चक्कर, सर दर्द, उल्टी से जूझना पड़ा और वे दौड़ पूरा न कर सके। वर्तमान में हितेश कुनियाल इवोन टेक्नोलॉजीज, देहरादून में कार्यरत हैं और धावाक होने के साथ साथ वे एक समाजसेवी भी हैं और पिछले दो वर्षों से उनकी संस्था द पीपल्स ग्रुप विभिन्न सामाजिक कार्यों जैसे पशु रक्षा, वृक्षारोपण, स्वछता अभियान, गरीब बच्चों की शिक्षा एवं पहाड़ के विद्यालयों में पुस्तकालय पर कार्य कर रही है।

देशबन्धु

[अर्थ जगत]

सर्वाधिक बढने वाले शेयर

पावरग्रिड	2.50 प्रतिशत
एलटी	2.09 प्रतिशत
महिंद्रा एंड महिंद्रा	1.95 प्रतिशत
एचडीएफसी	1.01 प्रतिशत
सन फार्मा	0.89 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

रिलायंस	1.11 प्रतिशत
नेस्ले इंडिया	0.97 प्रतिशत
एचसीएल टेक	0.67 प्रतिशत
टाइटन	0.59 प्रतिशत
आईटीसी	0.56 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	47,310
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	31,400
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	70,096
वायदा	70,183
चांदी सिक्का लिवाली	870
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	67.77	78.57
पौंड स्टर्लिंग	90.94	105.45
यूरो	76.54	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2500-3000
गेहूं दड़ा	2150-2160
आटा	2800-2290
मैदा	945-950
चोकर	620-630

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

चावल

बासमती औसत किस्म	4500-4600
परमल	1750-1775
चावल सेला	2250-2350
आरआर (आठ)	1650-1670

दाल-दलहन

चना	4,850-4,950
दाल चना	4,850-4,950
मसूर काली	7,800-7,900
उड़द दाल	10300-10400
मूंग दाल	7,900-8,000
अरहर दाल	9700-9800

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में टिकाव

नई दिल्ली, 10 सितम्बर (एजेंसियां)। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में लगातार जारी तेजी के बीच घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम में आज भी टिकाव रहा, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

नवंबर में अयोध्या से उड़ानें होंगी शुरू

लखनऊ, 10 सितम्बर (एजेंसियां)। अयोध्या के मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से नवम्बर से दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और हैदराबाद के लिए उड़ानें शुरू होंगी। अयोध्या हवाईअड्डे हवाई अड्डे के निदेशक विनोद कुमार ने कहा, 'नवंबर से दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और हैदराबाद के लिए उड़ानें चालू की जाएंगी। बाद में मांग के आधार पर अन्य शहरों के लिए भी उड़ानें शुरू की जाएंगी।' अयोध्या के जिला मजिस्ट्रेट नितीश कुमार ने कहा कि हवाईअड्डे के फेज वन के लिए रनवे का निर्माण किया गया है और हवाई अड्डे के टर्मिनल भवन का 78 प्रतिशत काम भी पूरा हो चुका है। जिला मजिस्ट्रेट ने कहा कि हवाईअड्डे पर रात की लैंडिंग की सुविधा होगी।

भारतीय हवाईअड्डा प्राधिकरण अयोध्या हवाईअड्डा परियोजना को बेहद तेजी से क्रियान्वित कर रहा है। हवाई अड्डा 821 एकड़ भूमि पर बन रहा है और इस परियोजना पर 320 करोड़ रुपए की लागत आने का अनुमान है। एयरपोर्ट पर 24 हवाई जहाजों के लिए पार्किंग की सुविधा होगी। शुरुआत में 60 यात्रियों के बैठने की क्षमता वाले छोटे विमान हवाई अड्डे पर उतरेंगे। 2025 तक हवाईअड्डे का फाइनल फेज पूरा होने तक यह बोइंग उतारने के लिए तैयार हो जाएगा। एएआई अधिकारियों के मुताबिक, हवाईअड्डे का प्रवेश द्वार और मेन बिल्डिंग यात्रियों को रामायण युग का अनुभव कराएगी। एयरपोर्ट बिल्डिंग की ऊंचाई राम मंदिर जैसी होगी। भगवान राम के मुख्य हथियार, धनुष और तीर, और रामायण युग की विभिन्न अन्य कलाकृतियां हवाई अड्डे के लाउंज क्षेत्र की दीवारों पर प्रदर्शित होंगी।

■ **अयोध्या के मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से नवंबर से दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु व हैदराबाद के लिए उड़ानें शुरू होंगी**

सैकड़ों नौकरियों में कटौती कर सकती है ब्रिटिश बैंकिंग दिग्गज बार्कलेज

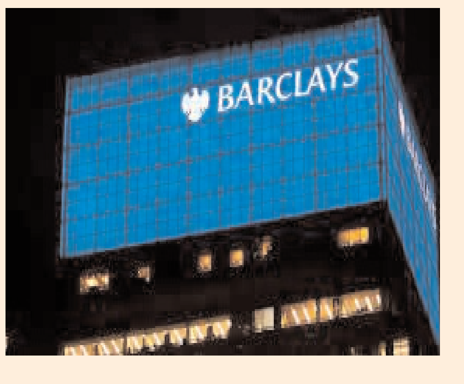

लंदन, 10 सितम्बर (एजेंसियां)। ब्रिटिश बैंकिंग दिग्गज बार्कलेज अगले सप्ताह सैकड़ों कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की योजना बना रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार कंपनी ने यह कदम कथित तौर पर अपनी लागत को कम करने के लिए उठाया है। यूके की बैंकिंग दिग्गज कंपनी अपने घरेलू खुदरा कारोबार में 400 से अधिक नौकरियों में कटौती कर सकती है। ब्लूमबर्ग ने इस मामले से जुड़े लोगों का हवाला देते हुए बताया कि बैंक ट्रेडिंग डिवीजन में क्लाइंट-फेसिंग स्टाफ के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर कुछ डीलमेकर्स में से लगभग 5 प्रतिशत की कटौती करने की योजना बना रहा है। बार्कलेज भी कथित तौर पर अपनी यूके उपभोक्ता-बैंकिंग इकाई के भीतर टीमों के पुनर्गठन की तैयारी कर रहा है। बार्कलेज के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि वे 'अटकलों पर टिप्पणी नहीं करते'। प्रवक्ता के हवाले से कहा गया, 'हम नियमित रूप से अपने परिचालन की समीक्षा करते हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हम अपने ग्राहकों की बढ़ती जरूरतों को कुशल और प्रभावी तरीके से पूरा कर सकें।' इससे पहले शीर्ष वैश्विक ब्रोकरेज फर्म मॉर्गन स्टेनली ने लगातार वैश्विक मंदी के बीच इस साल नौकरी में कटौती के अपने दूसरे दौर में लगभग 3,000 को नौकरियों को निकाल दिया था।

दिसम्बर 2022 में वैश्विक निवेश सलाहकार फर्म ने अपने वैश्विक कार्यबल में लगभग 2 प्रतिशत या लगभग 1,600 कर्मचारियों की कटौती की थी। मॉर्गन स्टेनली अपने कार्यबल को कम करने में प्रतिद्वंद्वी गोल्डमैन सैक्स और सिटीग्रुप और बार्कलेज सहित अन्य निवेश फर्मों की राह पर चल रही है।

गोल्डमैन सैक्स ने अब तक की सबसे बड़ी कटौती करते हुए जनवरी में लगभग 3,200 नौकरियां समाप्त कर दीं। ब्रिटिश बैंकिंग दिग्गज बार्कलेज अगले सप्ताह सैकड़ों कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की योजना बना रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार कंपनी ने यह कदम कथित तौर पर अपनी लागत को कम करने के लिए उठाया है।

ब्रिटेन के पीएम ऋषि बोट कंपनी का हेडफोन पहने दिखे, सीईओ अमन गुप्ता ने किया स्वागत

नई दिल्ली, 10 सितम्बर (एजेंसियां)। घरेलू उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड बोट के सह-संस्थापक और सीईओ अमन गुप्ता ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक को राष्ट्रीय राजधानी में एक बैठक में अपनी कंपनी के हेडफोन पहने हुए देखा। जी-20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए अपनी पत्नी अक्षता मूर्ति के साथ भारत आए सुनक ने शुक्रवार को ब्रिटिश काउंसिल ऑफ इंडिया में छात्रों के साथ समय बिताया। पीएम सुनक ने बाद में ब्रिटिश काउंसिल ऑफ इंडिया में अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा कीं। तस्वीरों में उन्हें बच्चों के साथ बातचीत करने के लिए बोट हेडफोन का उपयोग करते देखा गया। अमन गुप्ता ने अपने इंस्टाग्राम पर सुनक की पोस्ट का एक स्क्रीन शॉर्ट शेयर करते हुए लिखा, 'भारत में आपका 'बोट-बोट' स्वागत है।'

ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने शनिवार को राजधानी में पत्रकारों से कहा कि उन्हें विश्वास है कि भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौता सुरक्षित किया जा सकता है लेकिन अभी भी कड़ी मेहनत करनी बाकी है। इस बीच, इस साल जुलाई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फ्रांस की राजकीय यात्रा के लिए आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रूप में आमंत्रित युवा उद्यमियों में गुप्ता भी शामिल थे।

■ **पीएम सुनक ने ब्रिटिश काउंसिल ऑफ इंडिया में अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की**

■ **बच्चों के साथ बातचीत करने के लिए बोट हेडफोन का किया उपयोग**

उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए गेम चेंजर हो सकते हैं डीपीआई : ईसी अध्यक्ष

नई दिल्ली, 10 सितम्बर (एजेंसियां)। यूरोपीय आयोग (ईसी) के अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने रविवार को कहा कि डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक वास्तविक बूस्टर हो सकता है। जी20 शिखर सम्मेलन के आखिरी दिन तीसरे और अंतिम सत्र 'वन फ्यूचर' को संबोधित करते हुए, लेयेन ने कहा, 'डीपीआई उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक वास्तविक बूस्टर हो सकता है। भारत ने अपने डीपीआई को लागू करने में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। हमने प्रधान मंत्री से सुना है, और हम उनकी पहल का बहुत समर्थन करते हैं।' जलवायु परिवर्तन पर, ईसी अध्यक्ष ने कहा, 'हमें जलवायु के लिए जलवायु परिवर्तन पर अंतर सरकारी पैनल (आईपीसीसी) के समान एक निकाय की आवश्यकता होगी, और यहां हमें वैज्ञानिकों, उद्यमियों और नवप्रवर्तकों तक अतिरिक्त पहुंच की आवश्यकता है। उन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) द्वारा उत्पन्न जोखिम पर ज्ञान प्रदान करने की आवश्यकता है, साथ ही मानवता के लिए संभावित लाभ।' उन्होंने कहा कि भविष्य डिजिटल होगा। 'आज मैं एआई और डिजिटल बुनियादी ढांचे पर ध्यान केंद्रित करना चाहता हूं। जैसा कि वर्णित किया गया है, एआई में जोखिम हैं, लेकिन यह जबरदस्त अवसर भी प्रदान करता है।

यूरोपीय आयोग (ईसी) के अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने रविवार को कहा कि डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक वास्तविक बूस्टर हो सकता है:-उर्सुला वॉन डेर लेयेन यूरोपीय आयोग (ईसी) के अध्यक्ष

महंगाई और औद्योगिक उत्पादन आंकड़े तय करेंगे बाजार की चाल

सप्ताहिक समीक्षा

मुंबई, 10 सितम्बर (एजेंसियां)। विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर दमदार लिवाली की बदौलत बीते सप्ताह करीब दो प्रतिशत तक मजबूत रहे घरेलू शेयर बाजार की चाल अगले सप्ताह वैश्विक रुख के साथ ही अगस्त की थोक एवं खुदरा महंगाई और औद्योगिक उत्पादन आंकड़ों से तय होगी।

बीते सप्ताह बीएसई का संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1211.75 अंक अर्थात 1.9 प्रतिशत की छलांग लगाकर सप्ताहांत पर 66598.91 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 384.65 अंक यानी दो प्रतिशत उछलकर 19819.95 अंक पर पहुंच गया।

इसी तरह समीक्षाधीन सप्ताह में मझौली और छोटी कंपनियों में हुई जबरदस्त लिवाली से भी बाजार को बल मिला। बीएसई का मिडकैप 1236.38 अंक अर्थात चार प्रतिशत की तूफानी तेजी के साथ सप्ताहांत पर 32672 अंक और स्मॉलकैप 846 अंक यानी 2.3 प्रतिशत की छलांग लगाकर 38266.53 अंक पर रहा।

विश्लेषकों के अनुसार, सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) और पीएमआई के मजबूत आंकड़ों से उत्साहित होकर पूरे सप्ताह घरेलू सूचकांकों में धीरे-धीरे तेजी देखी गई। इसने घरेलू बाजार के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण प्रदर्शित किया। कमजोर संकेतों के कारण वैश्विक बाजार के मिश्रित रुझान के बावजूद घरेलू शेयर बाजार इस मजबूत आर्थिक दृष्टिकोण की बदौलत लचीली बनी रही। इस बीच कच्चे तेल की कीमतों में उछाल, अगस्त के अमेरिकी बेरोजगारी दावों के आंकड़ों, चीन में सेवा क्षेत्र की पीएमआई और व्यापार के कमजोर आंकड़ों तथा ऑस्ट्रेलिया में हड़ताल के कारण गैस की बढ़ती कीमतों से वैश्विक चिंताएं बढ़ गईं हैं। हालांकि मूल्यांकन अपेक्षाकृत अधिक रहने के बावजूद मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों के प्रति निवेशकों की निवेश धारणा मजबूत रही। इसके अलावा जबरदस्त ऑर्डर से सप्ताह के दौरान बुनियादी ढांचे और रियल्टी जैसे क्षेत्रों के प्रति निवेशक खासे आकर्षित रहे। अगले सप्ताह अगस्त के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा महंगाई (सीपीआई) और थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई (डब्ल्यूपीआई) तथा औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े जारी होने वाले हैं। अगले सप्ताह बाजार को दिशा देने में इन कारकों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। बीते सप्ताह बाजार में पांचों दिन तेजी रही। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर में और बढ़ोतरी नहीं करने की उम्मीद से विश्व बाजार में आई तेजी और स्थानीय स्तर पर आर्थिक विकास के मजबूत आंकड़ों की बदौलत हुई चौतरफा लिवाली से सोमवार को सेंसेक्स 240.98 अंक की छलांग लगाकर 65628.14 अंक और निफ्टी 93.50 अंक उछलकर 19528.80 अंक पर पहुंच गया। वैश्विक स्तर के मिश्रित रुख के बीच घरेलू स्तर पर हेल्थकेयर, एनर्जी और रियल्टी सहित अधिकांश समूहों में तेजी बने रहने से मंगलवार को सेंसेक्स 152.12 अंक की बढ़त के साथ 65780.26 अंक और निफ्टी 46.10 अंक की तेजी लेकर 19574.90 अंक पर रहा। वैश्विक स्तर के मिश्रित रुझान के बीच घरेलू स्तर पर एफएमसीजी, दूरसंचार, तेल एवं गैस, सीडी और ऊर्जा जैसे समूहों में हुयी लिवाली के बल पर बुधवार को सेंसेक्स 100 अंक की तेजी के साथ 65880.52 अंक और निफ्टी 36 अंक उठकर 19611.05 अंक पर पहुंच गया। विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बावजूद अमेरिकी बॉन्ड यील्ड एवं कच्चे तेल की कीमतें गिरने से स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा लिवाली की बदौलत गुरूवार को शेयर बाजार लगातार पांचवे दिन चढ़ता हुआ करीब सवा महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। सेंसेक्स 385.04 अंक की छलांग लगाकर 66265.56 अंक और निफ्टी 116 अंक उछलकर 19727.05 अंक पर रहा। विश्व बाजार की गिरावट के बीच स्थानीय स्तर पर रियल्टी, पावर, तेल एवं गैस, कैपिटल गुड्स और ऊर्जा समेत सोलह समूहों में हुई लिवाली की बदौलत शुक्रवार को सेंसेक्स 333.35 अंक की छलांग लगाकर 66598.91 अंक और निफ्टी 92.90 अंक की तेजी लेकर 19819.95 अंक पर पहुंच गया।

जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए यूके ने की 2 अरब डॉलर की सहायता की घोषणा

नई दिल्ली, 10 सितम्बर (एजेंसियां)। दुनिया को जलवायु परिवर्तन से निपटने में मदद करने के लिए ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने जी20 शिखर सम्मेलन के दूसरे दिन ग्रीन क्लाइमेट फंड में 2 बिलियन डॉलर के योगदान की घोषणा की। यह वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए यूके की सबसे बड़ी फंडिंग है। भारत में ब्रिटिश उच्चायोग ने एक बयान में कहा, 'भारत में जी20 नेताओं की एक सभा आज (रविवार) समाप्त हो रही है। प्रधानमंत्री ने दुनिया पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने के लिए 2 बिलियन डॉलर के सबसे बड़े वित्तीय योगदान की घोषणा की है।' इसमें कहा गया है: 'यूनाइटेड किंगडम ग्रीन क्लाइमेट फंड (जीसीएफ) में 1.62 बिलियन डॉलर (2 बिलियन डॉलर) का योगदान देगा, जिसे 'सीओपी15' में कोपेनहेगन समझौते के बाद 194 देशों द्वारा स्थापित किया गया था।' बयान में कहा गया है कि जीसीएफ वैश्विक उत्सर्जन को कम करने और समुदायों को जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के अनुकूल होने में मदद करने और विकासशील देशों का समर्थन करने के लिए यह सबसे बड़ी वैश्विक सहायता है। इसमें आगे कहा गया कि आज की घोषणा 2020-2023 की अवधि के लिए जीसीएफ में यूके के पिछले योगदान पर 12.7 प्रतिशत की वृद्धि का प्रतिनिधित्व करती है। जो 2014 की शुरुआती फंडिंग से दोगुनी है। ब्रिटिश उच्चायोग ने कहा कि जी20 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने नेताओं से इस दिसम्बर में सीओपी28 शिखर सम्मेलन से पहले देशों के कार्बन उत्सर्जन को कम करने और जलवायु परिवर्तन के परिणामों से निपटने को लेकर कमजोर अर्थव्यवस्थाओं का समर्थन करने के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया है।

सार संक्षेप

पॉवरपॉइंट सॉफ़्टवेयर के सह-आविष्कारक डेनिस ऑस्टिन का 76 वर्ष की आयु में निधन

सैन फ्रांसिस्को। डेनिस ऑस्टिन, जिन्होंने लगभग 36 साल पहले पावरप्वाइंट सॉफ्टवेयर का सह-आविष्कार किया था, जिसे अब भी लाखों लोग इस्तेमाल कर रहे हैं, का अमेरिका में निधन हो गया है। द वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, 76 वर्षीय ऑस्टिन की मृत्यु फेफड़ों के कैंसर से हुई, जो मस्तिष्क तक फैल गया था। सॉफ्टवेयर फर्म फोरथॉट द्वारा 1987 में जारी पॉवरपॉइंट ओवरहेड प्रोजेक्टर का डिजिटल उत्तराधिकारी था, जिसने 'स्लाइड बनाने की श्रम-साध्य प्रक्रिया को बदल दिया। कंपनी ने 1987 में सॉफ्टवेयर जारी किया और कुछ ही महीने बाद माइक्रोसॉफ्ट ने कंपनी को 1.4 करोड़ डॉलर में खरीद लिया। पावरप्वाइंट की बिक्री 1993 तक 10 करोड़ डॉलर से अधिक हो गई थी। माइक्रोसॉफ्ट ने वर्ड सहित अपने ऑफिस उत्पादों के सुइट में पावरप्वाइंट को एकीकृत किया। ऑस्टिन ने 1985 से 1996 में सेवानिवृत्त होने तक पावरपॉइंट के प्राथमिक डेवलपर के रूप में कार्य किया। ऑस्टिन ने सॉफ्टवेयर के विकास के अप्रकाशित इतिहास में लिखा है, हमारे यूजर कंप्यूटर से परिचित थे, लेकिन शायद ग्राफिक्स सॉफ्टवेयर से नहीं। उन्होंने आगे कहा, वे दूसरों के सामने अपने सर्वश्रेष्ठ रूप में दिखने के लिए अत्यधिक प्रेरित थे, लेकिन वे ग्राफिक्स डिजाइन में कुशल नहीं थे। सॉफ्टवेयर की कल्पना करने वाले फोरथॉट के कार्यकारी रॉबर्ट गस्किन के साथ काम करते हुए पावरपॉइंट को संचालित करना आसान बनाना सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में ऑस्टिन का काम था।

भोपाल विज्ञान मेला 15 से 18 सितम्बर तक

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में 15 से 18 सितंबर तक विज्ञान मेला आयोजित की जायेगी। आधिकारिक जानकारी के अनुसार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री ओमप्रकाश सखलेचा ने आज बताया कि चंद्रयान 3 की सफलता के जश्न के साथ म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद और विज्ञान भारती के संयुक्त तत्वावधान में 10वां भोपाल विज्ञान मेला बीएचईएल दशहरा मैदान, में 15 से 18 सितम्बर तक होगा। उन्होंने बताया कि भोपाल विज्ञान मेला, मध्यप्रदेश के साथ ही पूरे देश में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है जिसमें ग्रास रूट के साथ ही प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर तक विज्ञान एवं तकनीकी की प्रगति और नवाचारों से लोगों को अवगत कराया जाता है। मेले में हजारों छात्र, शोधार्थी, शिक्षक, कारीगर, किसान, उद्यमी, वैज्ञानिक, अधिकारी एवं सामान्यजन सहभागिता करते है। केन्द्र एवं प्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों, शोध संस्थानों, उद्योगों एवं शैक्षणिक संस्थानों द्वारा इसमें भाग लिया जाता है। मेले में विज्ञान आधारित विभिन्न गतिविधियाँ होती हैं। इस वर्ष का भोपाल विज्ञान मेला 'साइंस, टेक्नालॉजी एवं इनोवेशन अमृतकाल' थीम पर है। इस वर्ष भी भोपाल विज्ञान मेले में नवीनतम तकनीकों, छात्र - वैज्ञानिक संवाद, मॉडल कान्टेस्ट के साथ ही ग्रास रूट एवं इनोवेटिव कारीगर पेवेलियन वेस्ट मैनेजमेंट पेवेलियन, हैंडीक्राफट पेवेलियन, स्टार्टअप पेवेलियन इत्यादि के माध्यम से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवीनतम प्रगति से अवगत कराया जाएगा।

पाम ऑयल, सूरजमुखी तेल और दालें महंगी

नई दिल्ली, 10 सितम्बर (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों में गिरावट के बावजूद स्थानीय स्तर पर मांग निकलने से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में पाम ऑयल और सूरजमुखी तेल के साथ ही दाल-दलहन की कीमतें चढ़ गईं।

तेल-तिलहन: वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का सितंबर वायदा सप्ताहांत पर 165 रिंगिट गिरकर 3730 रिंगिट प्रति टन रह गया। इसी तरह सितंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 2.49 सेंट फिसलकर 60.63 सेंट प्रति पौंड पर आ गया।

सप्ताहांत पर पाम ऑयल 1875 रुपए और सूरजमुखी तेल 233 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गया। वहीं, सरसों तेल, मूंगफली तेल, सोया रिफाइंड और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पुराने स्तर पर पड़े रहे।

सप्ताहांत पर सरसों तेल 12674 रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल 20879 रुपए प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 13640 रुपए प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 12088 रुपए प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 10875 रुपए प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 11133 रुपए प्रति क्विंटल पर रहा।

'वंडरलस्ट' इवेंट में यूएसबी-सी, आईओएस 17 के साथ आईफोन 15 का अनावरण कर सकता है एप्पल

सैन फ्रांसिस्को, 10 सितम्बर (एजेंसियां)। एप्पल आईफोन 15 सीरीज, आईओएस 17, एप्पल वॉच और अन्य प्रोडक्ट्स को लॉन्च करने के लिए 12 सितंबर को कैलिफोर्निया के क्यूपर्टिनो में एप्पल पार्क में अगला बड़ा कार्यक्रम 'वंडरलस्ट' आयोजित कर रहा है। द वर्ज की रिपोर्ट के अनुसार, टेक दिग्गज पहली बार एप्पल के मालिकाना लाइटनिंग कनेक्टर के बजाय यूएसबी-सी पोर्ट के साथ आईफोन 15 लाइनअप लॉन्च करेगा। इसके साथ ही एप्पल अपने अपकमिंग इवेंट के दौरान आईओएस 17 और वॉचओएस 10 की रिलीज डेट की भी घोषणा कर सकता है। हालांकि रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि यूएसबी-सी पोर्ट सभी आईफोन 15 मॉडल पर उपलब्ध होगा, एप्पल एनालिस्ट मिंग-ची कुओ ने कहा कि केवल प्रो और प्रो मैक्स को फास्ट डेटा ट्रांसफर रेट्स से लाभ होगा। दोनों प्रीमियम मॉडल में 'कम से कम' यूएसबी 3.2 या थंडरबोल्ट 3 पोर्ट होंगे, जबकि बेस आईफोन 15 और 15 प्लस में यूएसबी 2.0 पोर्ट होंगे। कुछ एप्पल आईफोन 15 मॉडल में 35 वाट तक चार्जिंग का

सपोर्ट होने की संभावना है जो फास्ट चार्जिंग स्पीड प्रदान करेगा। इसके अलावा, सप्लाई चेन एनालिस्ट रॉस यंग ने पिछले साल भविष्यवाणी की थी कि आईफोन 15 के सभी मॉडलों में डायनेमिक आइलैंड शामिल होगा। आईफोन 15 लाइनअप में अल्ट्रा-वाइडबैंड चिप भी मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा, रिपोर्ट में कहा गया है कि आईफोन 15 प्रो और प्रो मैक्स में आईफोन 14 के समान एक टाइटेनियम फ्रेम, पतले बेज़ेल्स और अधिक आसानी से रिपेयर होने योग्य एल्यूमीनियम चेसिस का फीचर होने की खबर है। आईफोन 15 प्रो और प्रो मैक्स में 3एनएम प्रोसेस का इस्तेमाल कर निर्मित फास्ट ए17 चिप भी हो सकती है, जबकि आईफोन 15 और 15 प्लस में संभवतः आईफोन 14 प्रो में शामिल ए16 चिप शामिल होगी। आईफोन 15 के अलावा, एप्पल द्वारा अब तक के कुछ बड़े बदलावों के साथ लेटेस्ट स्मार्टवॉच लाइनअप का अनावरण करने की उम्मीद है। कथित तौर पर प्रीमियम एप्पल वॉच अल्ट्रा अपने 49 मिमी आकार को बरकरार रखेगा और एक नए टाइटेनियम केस के साथ आएगा। लेकिन रिपोर्ट में बताया गया है कि वॉच सीरीज 9 अपडेटेड एस9 प्रोसेसर के साथ आएगी। आईफोन 15 एकमात्र एप्पल डिवाइस नहीं है जिसमें यूएसबी-सी ट्रीटमेंट मिलने की उम्मीद है। ब्लूमबर्ग के मार्क गुरमन के अनुसार, ऐप्पल इवेंट के दौरान यूएसबी-सी के साथ एयरपॉड्स प्रो की एक जोड़ी जारी करने की योजना बना रहा है। कुओ ने 2022 में भविष्यवाणी की थी कि एप्पल इस साल यूएसबी-सी चार्जिंग केस के साथ एयरपॉड्स जारी करेगा।

खेल जगत

बोलीविया के खिलाफ मेस्सी का खेलना संदिग्ध

ब्यूनस आयर्स, 10 सितंबर (एजेंसियां)। अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेस्सी थकान के कारण मंगलवार को बोलीविया के खिलाफ अपनी टीम के विश्व कप क्वालीफायर में नहीं खेल सकते हैं। मुख्य कोच लियोनेल स्कालोनी ने कहा कि 36 वर्षीय खिलाड़ी को गुरुवार को इक्वाडोर पर अर्जेंटीना की 1-0 की घरेलू जीत में देर से स्थानापन्न किया गया था और शुक्रवार सुबह उनका एहतियाती परीक्षण किया गया। दक्षिण अमेरिकी देश में मीडिया रिपोर्टों के अनुसार स्कालोनी और उनके बैकरूम स्टाफ फॉरवर्ड के भारी कार्यभार से चिंतित हैं। मेसी ने पिछले 48 दिनों में 12 गेम खेले हैं, जुलाई के मध्य में मुफ्त ट्रांसफर पर इंटर मियामी में शामिल होने के बाद से उन्हें बमुश्किल आराम मिला है। समाचार पत्र ओले ने बताया कि स्कालोनी मंगलवार के मैच के लिए अपने शुरुआती लाइनअप में कई बदलावों पर विचार कर रहा है।

बारिश के कारण भारत-पाकिस्तान मैच रुका, रोहित-गिल के अर्धशतक

कोलंबो, 10 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप में भारत-पाकिस्तान सुपर फोर मैच रविवार को कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में भारी बारिश के कारण रोक दिया गया है। फिलहाल, भारत का स्कोर 24.1 ओवर में 147/2 है। 2 सितंबर को पल्लेकेल में जब दोनों टीमों के बीच लीग चरण का मैच खेला गया तो लगातार बारिश के कारण नतीजा नहीं निकल सका। भारत-पाकिस्तान सुपर फोर मैच को रद्द होने से बचाने के लिए एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने शुक्रवार को रविवार के लिए एक रिजर्व दिन जोड़ा।

संशोधित खेल स्थितियों के अनुसार, यदि रविवार को खराब मौसम के कारण मैच आगे नहीं बढ़ पाया तो बिना कोई ओवर गंवाए खेल जहां रुका था वहीं से शुरु रिजर्व डे के दिन खेला जाएगा। रविवार को टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी टीम इंडिया ने बारिश शुरू होने से पहले रोहित और गिल ने अपनी 121 रन की साझेदारी से पाकिस्तान को बैकफुट पर धकेल दिया। लेकिन इसके बाद पाकिस्तान को लगातार दो ओवरो में दो विकेट मिले।

भारत ने 24.1 ओवर में 2 विकेट पर 147 रन बना लिए हैं। विराट कोहली 8 और केएल राहुल 17 पर नाबाद हैं। इससे पहले शुभमन गिल (58 रन) और रोहित शर्मा (56 रन) बनाकर आउट हुए। गिल ने 52 गेंदों में 10 चौके और रोहित ने 49 गेंदों पर छह चौके और चार छक्के लगाए।

- भारत का स्कोर 24.1 ओवर में 147/2 रन
- अगर बरसात के चलते आज नहीं हुआ मुकाबला तो कल खेला जाएगा

पाकिस्तान की ओर से शाहीन शाह अफरीदी और शादाब खान को 1-1 विकेट मिला।

के.एल. राहुल दाहिनी जांघ की चोट के कारण लंबे समय तक बाहर रहने के बाद अपना पहला मैच खेल रहे हैं। टीम और फैंस को उनसे काफी उम्मीदें है और केएल राहुल भी मैच रुकने से पहले पाकिस्तानी गेंदबाजों के आगे शानदार लय में नजर आए।

सबसे महत्वपूर्ण है फिटनेस : केएल राहुल

जांघ की चोट के कारण करीब 4-5 महीने खेल से दूर रहने के दौरान भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल के लिए सबसे बड़ी चुनौती मानसिक अड़चनों से निपटना थी। उन्होंने कहा कि उनका पूरा फोकस अपने शरीर का सम्मान करना और उसे ठीक होने के लिए पर्याप्त समय देना था। आईपीएल 2023 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ मैच के दौरान दूसरे ओवर में एक चौका रोकने के लिए गेंद का पीछा करते समय केएल राहुल चोटिल हो गए थे और बीच मैच में ही उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा। इसके बाद 5 मई को यह पता चला कि राहुल की दाहिनी जांघ के क्वाड्रिसेप्स में टेंडन में काफी चोट आई है और इसके लिए उनकी सर्जरी की गई। इसके बाद से केएल राहुल खेल से दूर थे और काफी समय रिहैब में बिताने के बाद उन्होंने एशिया कप-2023 सुपर-4 मैच में पाकिस्तान के खिलाफ वापसी की। मैच से पहले राहुल ने कहा, जब आपकी सर्जरी होती है, तो आपके लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आप इस बात का सम्मान करें कि आपने अपने शरीर को किसी बहुत बड़ी चीज से गुजारा है। इसलिए, आपको इसका सम्मान करना होगा और अपने शरीर को ठीक होने के लिए पर्याप्त समय देना होगा। उन्होंने कहा कि मुझे अपनी लय हासिल करने के लिए केवल कुछ सप्ताह चाहिए। राहुल ने बीसीसीआई.टीवी पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा मैंने खुद को वास्तव में मैदान में वापस करने के लिए केवल दो या तीन सप्ताह का समय दिया। बड़ी बात यह थी कि मैं अपने शरीर में आत्मविश्वास महसूस करूं और दर्द-मुक्त रहूं। मुझे पता था कि वापस आकर मुझे विकेटकीपिंग भी करनी होगी। यह फिजियो और मेरे लिए बड़ी चिंताओं में से एक था।

शाकिब बांग्लादेश की खराब बल्लेबाजी से चिंतित

कोलंबो, 10 सितंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश के कप्तान शाकिब अल हसन ने बल्लेबाजी विभाग में अपनी टीम के खराब प्रदर्शन पर चिंता व्यक्त की है और कहा है कि मौजूदा एशिया कप भारत में 5 अक्टूबर से 19 नवंबर तक होने वाले एकदिवसीय विश्व कप से पहले उनके लिए वास्तविकता की जांच है। श्रीलंका के खिलाफ शनिवार के सुपर फोर मैच में, 258 रनों का पीछा करते हुए, बांग्लादेश 236 रनों पर ढेर हो गया। युवा तौहीद हृदोय के अलावा उनका कोई भी बल्लेबाज 30 का स्कोर पार करने में कामयाब नहीं हुआ, जिन्होंने 82 रन बनाए।

कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में अपने दूसरे सुपर फोर मैच में श्रीलंका से 21 रन से हार के बाद बांग्लादेश बाहर होने की कगार पर है। आईसीसी वेबसाइट ने शाकिब के हवाले से कहा, इंग्लैंड और बाद में अफगानिस्तान के खिलाफ श्रृंखला के बाद से, अब इस टूर्नामेंट में हमारी बल्लेबाजी पिछले छह महीनों से (वनडे में) नीचे जा रही है और हमें इस पर काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, हम अपनी बल्लेबाजी को लेकर चिंतित हैं और हमें उन क्षेत्रों को देखने और उस पर काम करने की जरूरत है ताकि हम उन क्षेत्रों में सुधार कर सकें। विश्व कप से पहले यह टूर्नामेंट बेहद फायदेमंद होगा क्योंकि हमें वास्तविकता की जांच करने की जरूरत है। मौजूदा एशिया कप में, बांग्लादेश ने अब तक अपने चार मुकाबलों में से तीन में हार का स्वाद चखा है - दो बार श्रीलंका के खिलाफ और एक बार पाकिस्तान के खिलाफ - और तीनों हार में, वे केवल एक बार 300 का आंकड़ा पार करने में सफल रहे, अफगानिस्तान के खिलाफ जीत में जहां उन्होंने 334/5 का मजबूत स्कोर बनाया।

इस साल की शुरुआत से बांग्लादेश ने अब तक 16 वनडे मैच खेले हैं- 7 जीते; खोया 7; कोई नतीजा नहीं 2, वे इंग्लैंड से तीन मैचों की घरेलू श्रृंखला 2-1 के अंतर से हार गए, आयरलैंड के खिलाफ घरेलू और विदेशी दोनों श्रृंखलाएं क्रमश: 2-0 से जीतीं, और जुलाई में घरेलू मैदान पर अफगानिस्तान से 1-2 से हार गए। शाकिब ने बांग्लादेश के एकदिवसीय प्रदर्शन पर भी प्रकाश डाला, बड़े टूर्नामेंटों में सुधार की आवश्यकता को स्वीकार करते हुए द्विपक्षीय श्रृंखला में उनकी ताकत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, हम द्विपक्षीय श्रृंखलाओं में हमेशा अच्छा खेलते हैं और आप यह नहीं कह सकते कि हम खराब टीम हैं लेकिन इस तरह के टूर्नामेंट में हमारी बड़ी परीक्षा होती है जहां हम असाधारण प्रदर्शन नहीं कर पाते।

बांग्लादेश के पिछले विश्व कप के प्रदर्शन पर विचार करते हुए, जिसमें उन्होंने 2011 के बाद से प्रत्येक संस्करण में तीन मैच जीते हैं, उन्होंने कहा, हमने 2007, 2011, 2015 और 2019 विश्व कप में तीन मैच जीते हैं, इसलिए लोग बहुत सारी बातें कह सकते हैं लेकिन जब हमारे पास रियलिटी चेक होता है, आमतौर पर हम असफल होते हैं। यह अच्छा है कि टूर्नामेंट (एशिया कप) विश्व कप से पहले खेला गया था और हर कोई सोचेगा कि हम इस समस्या को कैसे हल कर सकते हैं और उसके बाद ही हम बेहतर कर सकते हैं। हमारे पास इतिहास नहीं है क्योंकि हम (बड़े टूर्नामेंटों में) सफल नहीं हुए हैं, हालांकि हमने एशिया कप में दो या तीन फाइनल खेले हैं और अगर हम जीत पाते तो बेहतर होता लेकिन हम हमेशा एक आशाजनक टीम हैं। बांग्लादेश अपने विश्व कप अभियान की शुरुआत 7 अक्टूबर को धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में अफगानिस्तान के खिलाफ करेगा।

पीठ दर्द के कारण अंतिम समय पर भारतीय एकादश से बाहर हुए श्रेयस

कोलंबो 10 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के खिलाफ अहम मुकाबले से ठीक पहले भारत के मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को अंतिम एकादश से बाहर कर दिया गया।

अय्यर पीठ की सर्जरी के चलते क्रिकेट से कुछ महीनों तक दूर रहे थे। वापसी करने के दो मैच बाद अय्यर को पाकिस्तान के खिलाफ सुपर फ़ोर मुक़ाबले से ठीक पहले वॉर्म-अप के दौरान फिर से पीठ में दर्द का एहसास हुआ। इसके चलते उन्हें आख़िरी वक़्त पर एकादश से बाहर होना पड़ा और उनकी जगह पर ख़ुद पीठ की इंजरी से लौट रहे के एल राहुल को खेलने का मौक़ा मिला।

कप्तान रोहित शर्मा ने इसे एक 'मजबूरन बदलाव' बताया। श्रेयस मार्च में ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध घर पर वनडे सीरीज़ के बाद से नहीं खेले हैं। पीठ की चोट के चलते उन्होंने आईपीएल का पूरा सीज़न भी मिस किया था। उनको एशिया कप और विश्व कप दोनों टीमों में चयनित किया गया था। पीठ की सर्जरी के बाद बीसीसीआई के एनसीए के मेडिकल अधिकारियों ने उन्हें फ़िट करार दिया था और इसके चलते वह दो सितंबर को पाकिस्तान के विरुद्ध पहला मुक़ाबला भी खेले, जहां उन्होंने 14 रन बनाए थे। दो दिन बाद नेपाल के विरुद्ध 10 विकेट की जीत में उन्हें बल्लेबाज़ी करने का मौक़ा नहीं मिला था।

मैं अभी भी सकारात्मक और प्रेरित हूं : सबालेंका

न्यूयॉर्क, 10 सितंबर (एजेंसियां)। हालांकि 2023 यूएस ओपन फाइनल में कोको गॉफ के खिलाफ तीन सेटों के रोमांचक मैच में हार का सामना करने के कारण आर्यना सबालेंका सीजन का अपना दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब हासिल नहीं कर पाईं, लेकिन वह इस अनुभव को एक शानदार अनुभव के रूप में देखती हैं। सीखने का बहुमूल्य अवसर, क्योंकि वह साल का समापन विश्व नंबर 1 पर करना चाहती है।

इस साल डब्ल्यूटीए टूर पर सबालेंका का सीज़न यकीनन किसी भी खिलाड़ी के मुकाबले सबसे अच्छा रहा; सभी चार बड़ी प्रतियोगिताओं में कम से कम सेमीफाइनल तक पहुंचना, ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपना पहला ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतना, कुल मिलाकर तीन एकल खिताब (मैड्रिड में 1000 इवेंट में उनकी दूसरी जीत, फाइनल में नंबर 1 इगा स्वीयाटेक को हराना शामिल है), और , सोमवार से शुरू होकर अपने करियर में पहली बार नई विश्व नंबर 1 बनना। दुनिया का नंबर 1 बनना, यह एक बहुत बड़ा सुधार और उपलब्धि है। मुझे वास्तव में खुद पर गर्व है कि मैं इतने वर्षों से कड़ी मेहनत कर

रही हूं जिससे मुझे विश्व नंबर 1 बनने में मदद मिली। लेकिन मेरे लिए, यह (वर्ष के अंत में) विश्व नंबर 1, ऐसा नहीं कि (बन जाओ) विश्व नंबर 1 और फिर अगले सप्ताह आप दूसरे स्थान पर हो। सबालेंका ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, यह अच्छी बात है कि मैं कह सकती हूं कि मैं विश्व नंबर 1 रही हूं, लेकिन मैं वास्तव में वर्ष का समापन विश्व नंबर 1 के रूप में करना चाहूंगी। यही कारण है कि मैं अभी भी सकारात्मक हूं और मैं अभी भी प्रेरित हूं।

मौजूदा ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन ने शनिवार रात के फाइनल में एक सेट की बढ़त बना ली थी, लेकिन गॉफ ने 2-6, 6-3, 6-2 से वापसी की और सबालेंका के इस साल के हार्ड-कोर्ट मेजर में अपराजित रहने के शॉट को विफल कर दिया। सबालेंका ने कहा, पहले सेट में मैं अपनी भावनाओं से काफी अच्छे से निपट रही थी। मैं खुद पर ध्यान केंद्रित कर रही थी, न कि भीड़ पर या जिस तरह से (गॉफ) चलती है। ...फिर दूसरे सेट में मैंने शायद ज़्यादा सोचना शुरू कर दिया, और उसकी वजह से मैंने अपनी शक्ति खोना शुरू कर दिया। उस दूसरे सेट में पासा पलट गया, जहां गॉफ ने कभी भी अपनी सर्विस नहीं गंवाई और सबालेंका ने पहले सेट की तुलना में अधिक गलतियां कीं। गॉफ़ वास्तव में अच्छी तरह से आगे बढ़ रही थी और किसी भी अन्य की तुलना में बेहतर, बहुत अच्छा बचाव कर रही थी।

पाकिस्तान को पछाड़कर ऑस्ट्रेलिया बनी दुनिया की नंबर-1 वनडे टीम

दुबई, 10 सितंबर (एजेंसियां)। ब्लोमफोंटेन में दक्षिण अफ्रीका पर दूसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया की जीत ने उन्हें आईसीसी पुरुष वनडे टीम रैंकिंग में नंबर 1 स्थान दिला दिया। हाल ही में पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया को पीछे छोड़ते हुए पुरुषों की वनडे टीम रैंकिंग में नंबर एक स्थान हासिल किया। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज का दूसरा वनडे मैच जीतते ही एक बार फिर नंबर-1 बन गई। ब्लोमफोंटेन में पहले मैच में रोमांचक जीत के बाद ऑस्ट्रेलिया ने दूसरा वनडे 123 रनों से जीत लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया को ट्रेविस हेड और डेविड वार्नर ने तेज शुरुआत दी। हेड ने तेज अर्धशतक बनाया, जबकि वार्नर ने अपना 20वां वनडे शतक पूरा किया,

जिससे ऑस्ट्रेलिया को मजबूत आधार मिला। पहले वनडे जीत में ऑस्ट्रेलिया की हीरो मार्नस लाबुशेन ने फिर एक और शतक के साथ अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। इससे ऑस्ट्रेलिया को 50 ओवरों में 392/8 का विशाल स्कोर बनाने में मदद मिली। जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने तेज शुरुआत की, लेकिन क्विंटन डी कॉक और हेनरिक क्लासेन की शानदार पारियों के बावजूद, दक्षिण अफ्रीका 269 रन पर आउट हो गई। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया के पुरुष वनडे टीम रैंकिंग अंक तालिका में (121 अंक) हो गए हैं।

मुझे शारीरिक और मानसिक रूप से आराम करने की ज़रूरत है : अल्काराज

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। यूएस ओपन के सेमीफाइनल में दानिल मेदवेदेव से हार के बाद स्पेन के 20 वर्षीय कार्लोस अल्काराज ने अगले हफ्ते वालेंसिया में डेविस कप मुकाबले से हटने का फैसला किया है। उनकी जगह अल्बर्ट रामोस विनोलास को टीम में लिया जाएगा क्योंकि स्पेन का लक्ष्य इस साल अंतिम-आठ में जगह बनाना है।

अल्काराज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, बहुत लंबे दौरे के बाद मुझे अपने शरीर की बात सुननी होगी। मुझे शारीरिक और मानसिक रूप से रुकने और आराम करने की ज़रूरत है। कैलेंडर बहुत मांग वाला है, अभी भी बहुत सीज़न

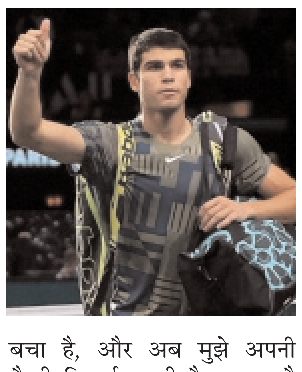

बचा है, और अब मुझे अपनी बैटरी रिचार्ज करनी है। अच्छा है स्पैनिश टीम को शुभकामनाएँ! मैं आपका पुरजोर समर्थन करूँगा! चलो! कार्लोस अपने यूएस ओपन खिताब का बचाव करने में विफल रहे और अगर सर्ब रविवार को ट्रॉफी जीतते हैं तो एटीपी रैंकिंग सूची में नोवाक जोकोविच से 3000 से अधिक एटीपी अंक पीछे रहेंगे।

पिछले वर्ष में, अल्काराज को विभिन्न शारीरिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा था, जिसमें ऐंठन भी शामिल है जिसने रौलां-गैरो फाइनल में उनके प्रदर्शन को प्रभावित किया था। वह दाहिने पैर की चोट के कारण ऑस्ट्रेलियन ओपन में भाग लेने में असमर्थ थे, उन्हें अपने दाहिने पैर में चोट के कारण अकापुल्को से हटना पड़ा, और अपने बाएं हाथ की समस्याओं और पीठ में परेशानी के कारण मोंटे-कार्लो से भी हटना पड़ा। पिछले साल पेट में चोट के कारण उन्होंने अपना सीज़न जल्दी ख़त्म कर दिया था।

पाकिस्तान के बाद श्रीलंका से भी हारा बांग्लादेश

कोलंबो 9 सितंबर (एजेंसियां)। खेल के हर विभाग में बांग्लादेश को बौना साबित करते हुये श्रीलंका ने शनिवार को एशिया कप सुपर फोर चरण का अपना पहला मुकाबला आसानी से 21 रनों से जीत लिया।

बांग्लादेश की सुपर फोर चरण में यह लगातार दूसरी हार है, इससे पहले पाकिस्तान के हाथों उसे हार का सामना करना पड़ा था। श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुये निर्धारित 50 ओवरों में नौ विकेट पर 257 रन बनाये थे जिसके जवाब में बांग्लादेश की पूरी टीम 48.1 ओवर के खेल में 236 रन बनाकर पवेलियन लौट गयी। श्रीलंका की जीत में सदीरा समराविक्रमा (93) के अलावा महीश थीक्षणा (69 रन पर तीन विकेट),दसून शानका (28 रन पर तीन विकेट) और मथीशा पथिराना (58 रन पर तीन विकेट) का अहम योगदान रहा।

बांग्लादेश के मध्यक्रम के बल्लेबाज मो. तौहीद हृदोय (82) ने एक छोर पर डट कर मेजबान गेंदबाजी आक्रमण का सामना किया मगर दूसरे छोर पर बल्लेबाजों का सहयोग न मिलने से लक्ष्य लंबा हो गया। अंतिम ओवरों में नासुम अहमद (15) और हसन महमूद (10 नाबाद) ने करारे शाट्स खेल कर विजयी लक्ष्य को पाने की नाकाम कोशिश की।

पाकिस्तान के खिलाफ बेहतरीन पारी खेलने वाले कप्तान शाकिब अल हसन (3) भी आज जल्द आउट हो गये जबकि जबकि मुशफ़िकुर रहीम (29) भी कुछ खास नहीं कर सके।

इससे पहले कुसल मेंडिस (50) और पथुम निसंका (40) के बीच 74 रनो की साझीदारी के बाद सदीरा समराविक्रमा (93) की साहसिक पारी की बदौलत श्रीलंका ने नौ विकेट पर 257 रन बनाये। मध्य क्रम की विफलता से मुश्किलों में आयी श्रीलंका को भंवर से निकाल कर सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने में समराविक्रमा की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही। उन्होने कठिन समय पर संयम का परिचय देते हुये दूसरे छोर पर आये बल्लेबाजों के साथ रन बटोरे रखना जारी रखा और बाद के ओवरों में स्कोरबोर्ड को तेजी से चलाया। समराविक्रमा ने इस दौरान कप्तान दसुन शानका (24) के साथ 60 रन की महती साझीदारी भी निभायी मगर अन्य बल्लेबाज उनका साथ देने में असफल रहे। समराविक्रमा पारी की आखिरी गेंद पर तस्किन अहमद की गेंद पर स्थानापन्न खिलाड़ी ए एच ध्रुवो के हाथों लपके गये।

अपनी जीवट पारी के दौरान उन्होने 72 गेंद खेल कर आठ चौके और दो छक्के लगाये।

इससे पहले टास हार कर पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका की शुरूआत अच्छी नहीं रही जब उनके सलामी बल्लेबाज दिमुथ करूणारत्ने(18) हसन महमूद की गेंद पर आउट हो गये हालांकि बाद में पथुम निसंका का साथ निभाने आये कुसल मेंडिस ने जिम्मेदारी से खेलते हुये टीम के स्कोर को तीन अंकों तक पहुंचाया। निसंका का विकेट गिरने के बाद बांग्लादेश के गेंदबाजों ने एक के बाद एक तीन विकेट(कुसल मेंडिस,चरिथ असलंका (10) और धनंजय डिसिल्वा (6) झटक कर श्रीलंका को बैकफुट पर ढकेल दिया।

बाद में दसुन शनाका और समराविक्रमा ने एक और पार्टनरशिप कर टीम को पटरी पर वापस पहुंचाया हालांकि पुछल्ले बल्लेबाजों को सीमा में बांधे रखने में बांग्लादेशी गेंदबाजों को ज्यादा परेशानी नहीं हुयी मगर वह समराविक्रमा के आक्रामक रवैये पर लगाम नहीं कस सके।

सार संक्षेप

किरण जार्ज ने जीता इंडोनेशिया मास्टर्स का खिताब

मेदान (इंडोनेशिया)। भारत की युवा सनसनी किरण जॉर्ज ने रविवार को जापान के कू ताकाहाशी को 21-19,22-20 से हरा कर इंडोनेशिया मास्टर्स ट्रॉफी के पुरुष एकल का खिताब अपने नाम कर लिया है। किरण ने 56 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में दुनिया के 82वें नंबर के खिलाड़ी ताकाहाशी को सीधे सेटों में धूल चटायी। मैच की शुरुआत में पिछड़ने के बाद किरण ने अपने गेम में सुधार करते हुये ताकाहाशी से 18-15 की बढ़त हासिल कर ली। ताकाहाशी ने हालांकि एक समय इस अंतर को 19-20 कर दिया मगर किरण ने गेम जीत कर मनोवैज्ञानिक बढ़त हासिल कर ली। दूसरे गेम में भी दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। स्कोर एक समय 6-6 की बराबरी पर था लेकिन किरण ने 16-11 की बढत बना ली। ताकाहाशी ने हार नहीं मानी और स्कोर 19-19 कर दिया किरण इस बीच पहला मैच प्वाइंट भुनाने में नाकाम रहे लेकिन दूसरा मैच प्वाइंट भुना कर उन्होंने मुकाबला जीत लिया। प्रकाश पादुकोण बैडमिंटन अकादमी के निदेशक और पूर्व राष्ट्रीय कोच विमल कुमार ने कहा, यह शानदार जीत है, यह इन अवसरों को भुनाने और लगातार अच्छा खेलने के बारे में है। देश के अन्य खिलाड़ी भी युवा और समान रूप से अच्छे हैं, इसलिए मैं उनसे काफी खुश हूं। इस साल जनवरी में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 43वें नंबर पर पहुंचने वाले किरण ने बीते मई-जून में थाईलैंड ओपन में चीन के शीर्ष खिलाड़ियों शी युकी और वेंग होंगयांग को हराकर अपना दमखम दिखाया था।

लॉरेन बेल की जगह एलिस डविडसन इंग्लैंड टीम में

नॉर्थम्प्टन। श्रीलंका के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज में इंग्लैंड की महिला टीम ने तेज गेंदबाज लॉरेन बेल के स्थान पर ऑलराउंडर एलिस डविडसन-रिचर्ड्स को बुलाया है। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने ट्वीट किया, लॉरेन बेल श्रीलंका के खिलाफ विटैलिटी आईटी20 या मेट्रो बैंक एकदिवसीय श्रृंखला में आगे नहीं खेल सकेंगी क्योंकि वह बीमारी से नहीं उबर पायी हैं। वह जल्द ही ठीक हो जाएं और हम आपको वापस एक्शन में देखने के लिए ज्यादा इंतजार नहीं कर सकते। डेविडसन-रिचर्ड्स ने एक टेस्ट, चार वनडे और आठ टी20ई में इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व किया है। उनके नाम 25.25 की औसत और 5.61 की इकोनॉमी से चार वनडे विकेट हैं। उनके नाम इस प्रारूप में 31.5 की औसत से 63 रन भी हैं। इंग्लैंड ने चेस्टर-ले-स्ट्रीट में श्रीलंका के खिलाफ पहले वनडे मैच में सात विकेट से जीत हासिल की। तीन मैचों की सीरीज का दूसरा मैच 12 सितंबर को नॉर्थम्प्टन में होगा। इंग्लैड तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे चल रही है।